केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) एवं NCTE नवीनतम पाठ्यक्रम पर आधारित

केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा

CTET

जूनियर स्तर (कक्षा VI-VIII)

सामाजिक अध्ययन/विज्ञान

अध्यायवार सॉल्व्ड पेपर्स

प्रधान सम्पादक

आनन्द कुमार महाजन

लेखक

परीक्षा विशेषज्ञ समिति

सम्पादकीय कार्यालय

12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002

9415650134

Email : yctap12@gmail.com

website : www.yctbooks.com/ www.yctfastbooks.com/ www.yctbooksprime.com

© All Rights Reserved with Publisher

प्रकाशन घोषणा

प्रधान सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने E:Book by APP YCT BOOKS, से मुद्रित करवाकर, वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सुझाव एवं सहयोग सादर अपेक्षित है।

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

विषय-सूची

इतिहास 7-133

- कब, कहाँ और कैसे 7-10
- प्रारम्भिक समाज 10-13
- प्रथम कृषक और चरवाहे 13-14
- प्रथम शहर 14-18
- प्रारम्भिक राज्य 18-20
- नए विचार 20-22
- प्रथम साम्राज्य 23-29
- सुदूरवर्ती भूभागों के साथ सम्पर्क 30-31
- राजनैतिक गतिविधियाँ 31-32
- संस्कृति और विज्ञान 32-38
- नए सम्राट और साम्राज्य 38-41
- दिल्ली के सुल्तान 41-53
- वास्तुकला 53-59
- सामाजिक परिवर्तन 59-62
- क्षेत्रीय संस्कृतियाँ 62-66
- कम्पनी शासन की स्थापना 66-75
- उपनिवेशवाद और जनजातीय समाज 75-91
- 1857-58 का विद्रोह 92-93
- महिलाएं और सुधार 93-104
- जाति व्यवस्था को चुनौती 104-113
- राष्ट्रवादी आदोलन स्वतंत्रता के पश्चात् भारत 113-126
- विविध 126-133

भूगोल 134-241

- एक सामाजिक अध्ययन तथा एक विज्ञान के रूप में भूगोल 134-134
- ग्रह : सौरमण्डल में पृथ्वी 134-143
- ग्लोब 143-160

- अपनी समग्रता में पर्यावरण : प्राकृतिक और मानव पर्यावरण 160-169
- वायु 169-182
- जल 182-192
- मानव पर्यावरण : बस्तियाँ, परिवहन और संप्रेषण 192-201
- संसाधन : प्रकार - प्राकृतिक एवं मानवीय 202-224
- कृषि 224-232
- विविध 232-241

सामाजिक और राजनीतिक जीवन 242-341

- विविधता 242-245
- सरकार 245-248
- स्थानीय सरकार 248-254
- आजीविका हासिल करना 254-264
- लोकतंत्र 264-272
- राज्य सरकार 272-274
- मीडिया को समझना 274-278
- लिंग-भेद समाप्ति 278-280
- संविधान 280-307
- संसदीय सरकार 307-313
- न्यायपालिका 313-322
- सामाजिक न्याय और सीमांत लोग 322-331
- विविध 331-341

अध्यापन संबंधी मुद्दे 342-496

- सामाजिक विज्ञान / सामाजिक अध्ययन की अवधारणा और पद्धति 351-382
- कक्षा की प्रक्रियाएं, क्रियाकलाप और व्याख्यान 382-411
- विवेचित चिंतन का विकास करना 411-424
- पूछताछ/अनुभवजन्य साक्ष्य 424-432
- सामाजिक विज्ञान / सामाजिक अध्ययन पढ़ाने की समस्याएं 432-440
- स्रोत-प्राथमिक और माध्यमिक 440-446
- प्रोजेक्ट कार्य 446-453
- मूल्यांकन 453-477
- विविध 477-496

प्रश्न-पत्रों का विश्लेषण

क्र.	परीक्षा का नाम एवं परीक्षा तिथि	कुल परीक्षा प्रश्न
	CTET, 2024 (VI-VIII) (21-01-2024)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2023 (VI-VIII) (20-08-2023)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2022 (VI-VIII) (28-12-2022)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2022 (VI-VIII) (09-01-2023)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2022 (VI-VIII) (11-01-2023)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2022 (VI-VIII) (12-01-2023)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2022 (VI-VIII) (13-01-2023)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2022 (VI-VIII) (17-01-2023)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2022 (VI-VIII) (18-01-2023)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2022 (VI-VIII) (19-01-2023)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2022 (VI-VIII) (20-01-2023)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2022 (VI-VIII) (23-01-2023)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2022 (VI-VIII) (24-01-2023)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2022 (VI-VIII) (25-01-2023)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2022 (VI-VIII) (27-01-2023)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2022 (VI-VIII) (28-01-2023)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2022 (VI-VIII) (29-01-2023)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2022 (VI-VIII) (30-01-2023)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2022 (VI-VIII) (01-02-2023)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2022 (VI-VIII) (03-02-2023)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2022 (VI-VIII) (06-02-2023)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2021 (VI-VIII) (01-01-2022)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2021 (VI-VIII) (03-01-2022)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2021 (VI-VIII) (04-01-2022)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2021 (VI-VIII) (05-01-2022)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2021 (VI-VIII) (06-01-2022)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2021 (VI-VIII) (07-01-2022)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2021 (VI-VIII) (08-01-2022)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2021 (VI-VIII) (10-01-2022)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2021 (VI-VIII) (11-01-2022)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2021 (VI-VIII) (12-01-2022)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2021 (VI-VIII) (17-01-2022)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2021 (VI-VIII) (21-01-2022)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2021 (VI-VIII) (20-12-2021)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2021 (VI-VIII) (21-12-2021)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2021 (VI-VIII) (22-12-2021)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2021 (VI-VIII) (23-12-2021)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2021 (VI-VIII) (24-12-2021)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2021 (VI-VIII) (27-12-2021)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2021 (VI-VIII) (28-12-2021)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2021 (VI-VIII) (29-12-2021)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2021 (VI-VIII) (30-12-2021)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2021 (VI-VIII) (31-12-2021)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2020 (VI-VIII) (31-01-2021)	$1 \times 60 = 60$
	CTET, 2019 (VI-VIII) (08-12-2019)	$1 \times 60 = 60$
	CTET 2019 (VI-VIII) (07-07-2019)	$1 \times 60 = 60$
	CTET 2018 (VI-VIII) (09-12-2018)	$1 \times 60 = 60$
	CTET 2016 (VI-VIII) (18-09-2016)	$1 \times 60 = 60$
	CTET 2016 (VI-VIII) (21-02-2016)	$1 \times 60 = 60$
	CTET 2015 (VI-VIII) (20-09-2015)	$1 \times 60 = 60$
	CTET 2015 (VI-VIII) (22-02-2015)	$1 \times 60 = 60$
	CTET 2014 (VI-VIII) (21-09-2014)	$1 \times 60 = 60$
	CTET 2014 (VI-VIII) (16-02-2014)	$1 \times 60 = 60$
	CTET 2013 (VI-VIII) (28-07-2013)	$1 \times 60 = 60$
	CTET 2012 (VI-VIII) (18-11-2012)	$1 \times 60 = 60$
	CTET 2012 (VI-VIII) (29-01-2012)	$1 \times 60 = 60$
	CTET 2011 (VI-VIII) (26-06-2011)	$1 \times 60 = 60$
	कुल प्रश्न-पत्र = 57	**3420**

नोट- उपरोक्त प्रश्न-पत्रों के सम्यक विश्लेषण के उपरान्त **सामाजिक अध्ययन** से सम्बन्धित कुल **3420** प्रश्नों को अध्यायवार प्रस्तुत किया गया है। दुहराव वाले प्रश्नों का परीक्षा वर्ष एवं परीक्षा नाम यथास्थान निर्दिष्ट कर दिया गया है।

Trend Analysis of previous year question Papers

इतिहास

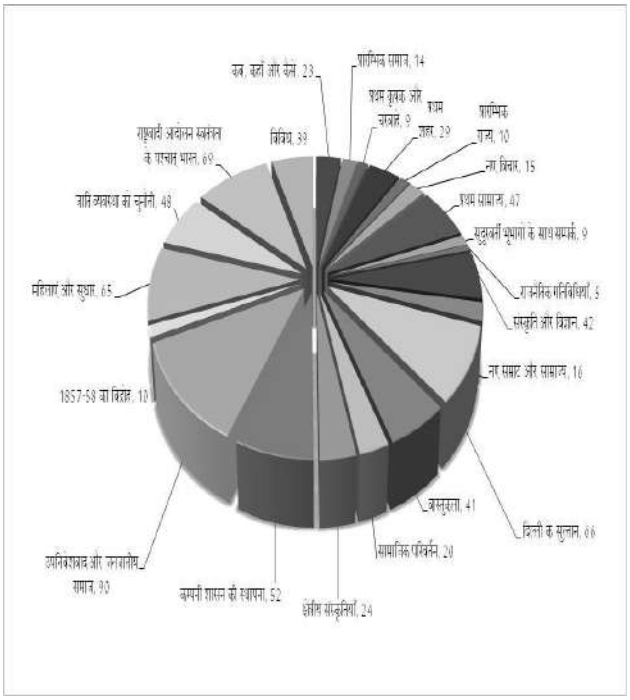

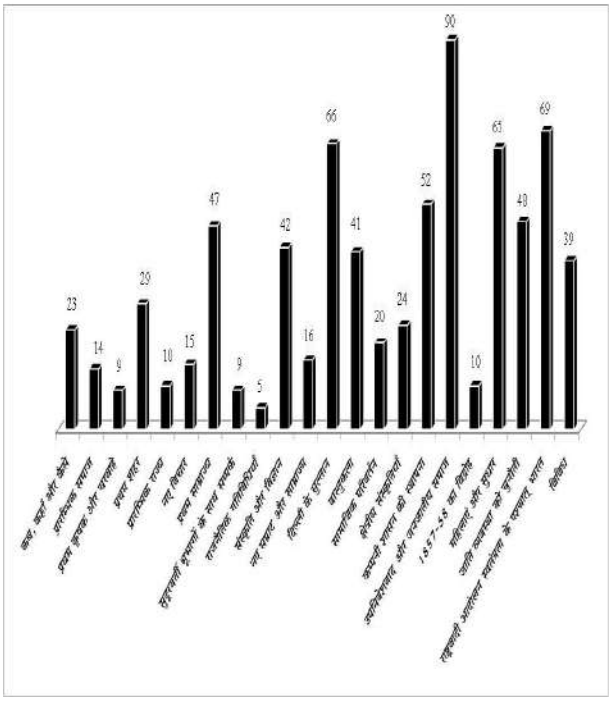

भूगोल

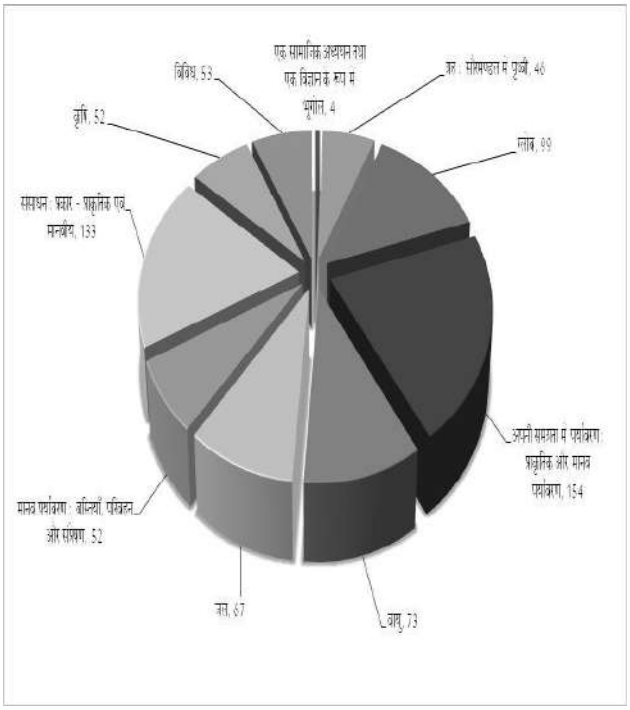

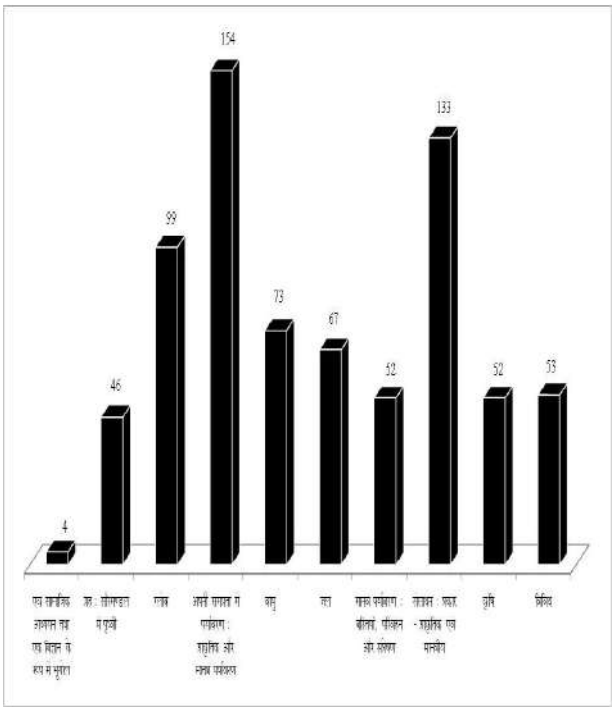

सामाजिक और राजनीतिक जीवन

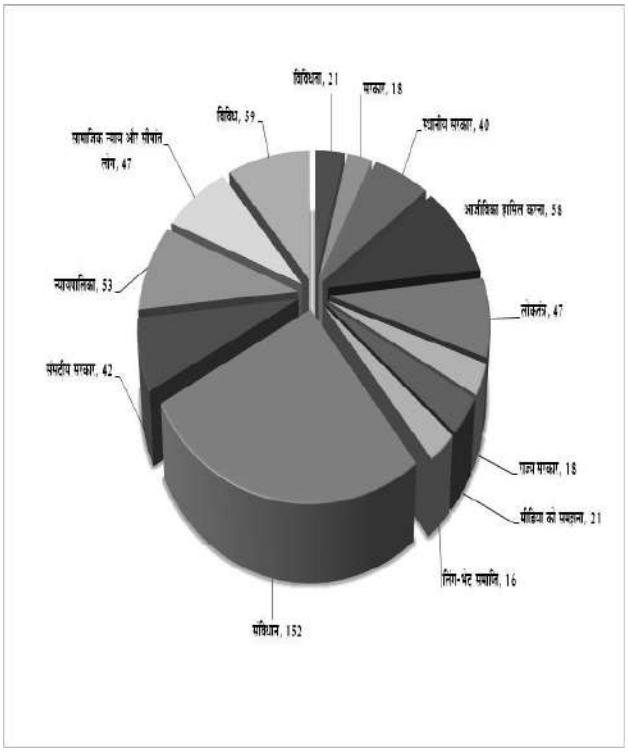

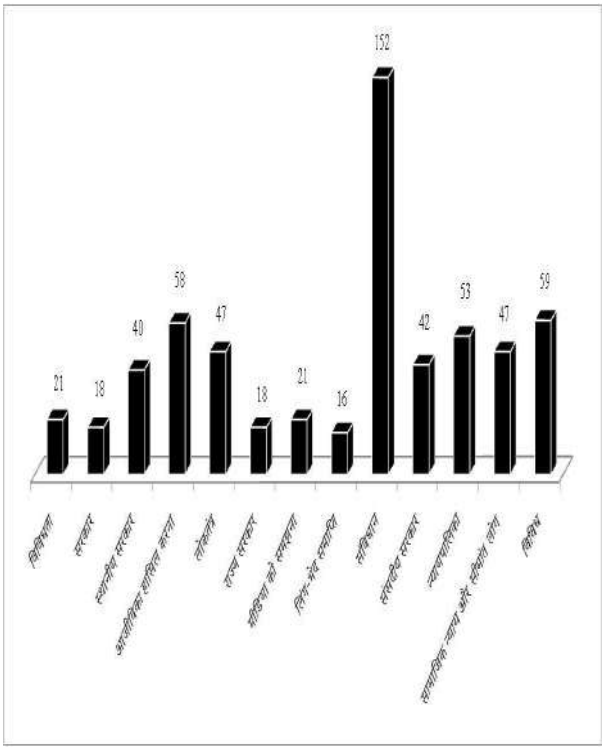

अध्यापन संबंधी मुद्दे

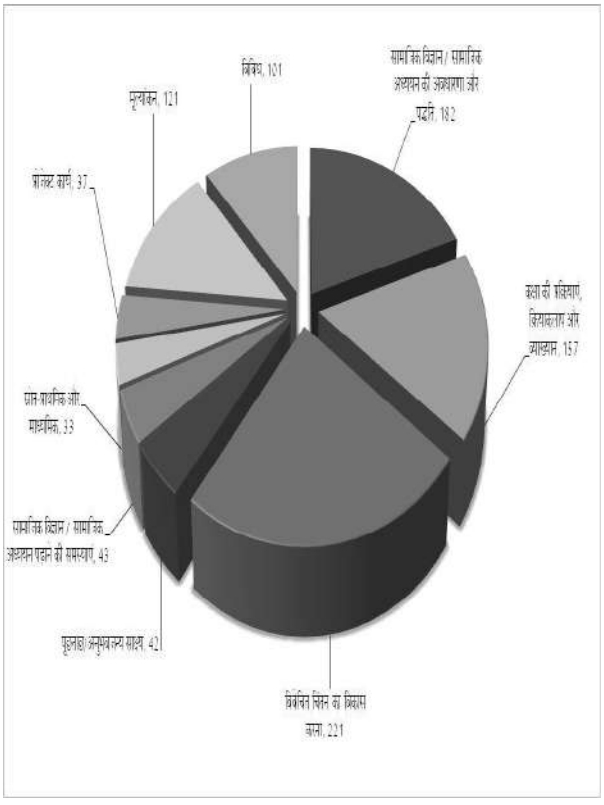

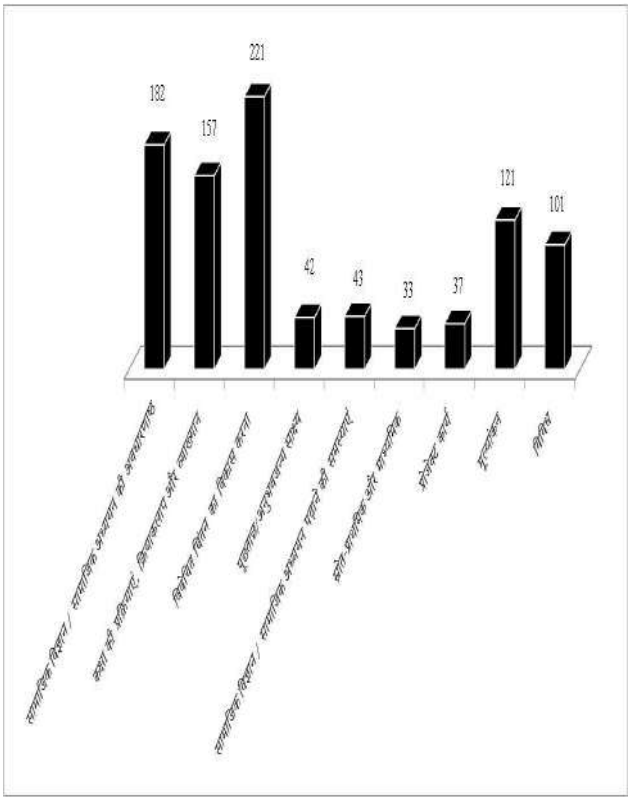

CTET (VI-VIII)

सामाजिक अध्ययन/सामाजिक विज्ञान

इतिहास

1. कब, कहाँ और कैसे

1. कथन (A): भारत में पुरापाषाण युग के दौरान शुतुरमुर्ग होते थे।
कथन (B): महाराष्ट्र में बड़ी मात्रा में शुतुरमुर्ग के अंडों के छिलके मिलते हैं जिन पर चित्रांकन मिलता है।
सही विकल्प का चयन करें:
(a) A सही है, किन्तु B गलत है।
(b) A और B दोनों सही हैं।
(c) A और B दोनों गलत हैं।
(d) A गलत है, किन्तु B सही है।

CTET (VI-VIII) 20/12/2021

Ans. (b) : पुरापाषाण काल सबसे प्रारंभिक काल है यह दो ग्रीक शब्दों से आता है, 'पैलियों' जिसका अर्थ है पुराना और लिथोस जिसका अर्थ है पत्थर। अफ्रीका के लिए उड़ान भरने वाले पक्षी शुतुरमुर्ग ने लगभग 25000 साल पहले भारत में बसाया गया था। हालांकि यह अफ्रीका का मूल निवासी है। भारत में पुरापाषाण युग के दौरान शुतुरमुर्ग होते थे। भारत में शुतुरमुर्ग के अंड़े के टुकडे पाए गये हैं जो ज्यादातर राजस्थान, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में पाए जाते है। महाराष्ट्र में बड़ी मात्रा में शुतुरमुर्ग के अंड़ों के छिलके मिलते है जिन पर चित्रांकन मिलता है।

2. महापाषाणों के विषय में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा कथन सही है?
(a) इनका उपयोग दफन करने की जगहों को चिन्हित करने के लिए किया जाता था।
(b) ये सभी भूमिगत और दृष्टि से ओझल रूप में पाए गए थे
(c) ये पत्थर के औजार बनाने के लिए कच्चा माल उपलब्ध कराते थे
(d) ये भारतीय उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिम में संकेन्द्रित थे

CTET (VI-VIII) 18/09/2016

Ans. : (a) महापाषाणों का उपयोग दफन करने की जगहों को चिन्हित करने के लिए किया जाता था। महापाषाण (महाः बड़ा, पाषाणः पत्थर) कब्रें बनाने की प्रथा लगभग 3000 वर्ष पूर्व शुरू हुई। यह प्रथा दक्कन, दक्षिण भारत, उत्तर पूर्वी भारत और कश्मीर में प्रचलित थी। सामान्यतः मृतकों को खास किस्म के मिट्टी के बर्तनों के साथ दफनाया जाता था। इनके साथ ही मिले है लोहे के औजार, घोड़ों के कंकाल, तथा पत्थर और सोने के गहने।

3. मानव इतिहास में कौन-सा काल/युग सबसे लम्बा है?
(a) पुरापाषाण युग (b) महापषाण युग
(c) मध्यपाषाण युग (d) नवपाषाण युग

CTET (VI-VIII) 21/09/2014

Ans. : (a) प्रागैतिहासिक (पाषाण काल) को तीन भागों में बाटा जा सकता है-
1 - पुरापाषाण काल (25 लाख ई.पू. -10000 ई.पू.)
2 - मध्य पाषाण काल (10000 ई.पू. -4000 ई.पू.)
3 - नवपाषाण काल (4000 ई.पू.-2000 ई.पू.)
इस प्रकार पुरापाषाण काल का समय सर्वाधिक लम्बा था।

4. कथन A तथा कथन B को पढ़े तथा सही विकल्प चुनें।
A. करीब 2500 वर्ष पूर्व लोहे के औजारों, जिनमें जंगलों के साफ करने के लिए कुल्हाड़ियाँ और जुताई के लिए हलों के फाल शामिल हैं, के बढ़ते प्रयोग का प्रमाण मिलता है जो कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए उपयोगी थे।
B. लगभग 2500 वर्ष पूर्व तक अनेक शहर विकसित हुए।
(a) A सही है परन्तु B गलत है।
(b) A गलत है परन्तु B सही है।
(c) A और B दोनों सही हैं और A तथा B में संबंध है।
(d) A और B दोनों सहीं हैं और A तथा B में कोई संबंध नहीं है।

CTET (VI-VIII) 03/01/2022
CTET (VI-VIII) 20/01/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : आज से 2500 वर्ष पूर्व उत्तर भारत में भारतीय इतिहास का द्वितीय नगरीकरण हुआ। लोहे की खोज से बनी मजबूत कुल्हाड़ी ने जंगलों को तेजी से साफ किया। लोहे के फाल वाले हल लकड़ी के हल से अधिक गहरी जुताई करते थे।इनसे कृषि उत्पादन बढ़ा, उत्पादन से व्यापार, व्यापार से शहरों का विकास हुआ जिनमें चम्पा, साकेत कौशाम्बी आदि थे।

5. मध्यपाषण युग को निम्नलिखित में से किस परिवर्तन द्वारा किया गया?
(a) घास वाले मैदान बनना
(b) अर्ध शुष्क क्षेत्रों का बनना
(c) अत्याधिक वनउन्मूलन
(d) गृह पर तापमान का और ठंडा होना

CTET (VI-VIII) 25/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) मध्य पाषण काल (10000 - 6000 ई. पू.) को संक्रमण काल कहा जाता है। इस दौरान पर्यावरण में अनेक परिवर्तन हुए जिसमें घास वाले मैदानों का बनना, अच्छी वर्षा होना, छोटे-छोटे औजारों का निर्माण जिस कारण इसे 'माइक्रोलिथ भी कहा जाता है'।

6. रहट, चरखे एवं आग्नेयास्त्रों का आविष्कार .....में हुआ था।

(a) प्रागैतिहास काल (b) प्राचीन काल
(c) मध्यकाल (d) आधुनिक काल

CTET (VI-VIII) 28/07/2013

Ans. : (c) रहट, चरखे एंव अग्नेयास्त्रों का अविष्कार मध्यकाल में 14वीं एवं 15वीं शताब्दी में हुआ था।

7. एक महापाषाण कब्र में दो कंकालों के अवशेष थे। इन दोनों में से महिला के कंकाल का अनुमान लगाने हेतु देखना होगा :

(A) हड्डियों की संरचना
(B) कंकालों के साथ मिले आभूषण
(C) कंकालों के आकार
(D) कंकालों के साथ मिले खाना पकाने के बर्तन।

(a) केवल A तथा C (b) केवल D
(c) केवल A (d) केवल A तथा B

CTET (VI-VIII) 31/01/2021

Ans. (c) : एक महापाषाण कब्र में दो कंकालों के अवशेष थे। इन दोनों में से महिला के कंकाल का अनुमान लगाने का सबसे बेहतर तरीका उनकी हड्डियों की जाँच है। चूँकि महिलाएँ बच्चों को जन्म देती हैं इसलिए उनका श्रेणी मेखला या कूल्हा पुरूषों से ज्यादा चौड़ा होता है।

कभी-कभी लोग कंकाल के साथ मिले सामानों के आधार पर इसका अंदाजा लगाते हैं। उदाहरण के लिए यदि कंकाल के साथ गहने मिलते हैं तो कई बार उसे महिला का कंकाल मान लिया जाता है, लेकिन ऐसी समझ के साथ समस्याएँ हैं। अक्सर, पुरुष भी आभूषण पहनते थे। इसी प्रकार छोटे आकार के आधार पर एक बच्चे के कंकाल को आसानी से पहचाना जा सकता है लेकिन एक बच्चे और बच्ची के कंकाल के बीच कोई बड़ा फर्क नहीं होता।

8. प्रारम्भिक काल से शुरू करके आरोही क्रम में निम्नलिखित को सजाएँ :

(A) वेदों की रचना की शुरूआत
(B) महापाषाणों के निर्माण की शुरूआत
(C) इनामगाँव में कृषकों का निवास
(D) चरक

(a) C, D, B, A (b) D, C, B, A
(c) A, B, C, D (d) B, C, D, A

CTET (VI-VIII) 31/01/2021

Ans. (c) :

- वेदों की रचना का प्रारंभ (लगभग 3500 साल पहले)
- महापाषाणों के निर्माण की शुरूआत (लगभग 3000 साल पहले)
- इनाम गाँव में कृषकों का निवास (3600 से 2700 साल पहले)
- चरक (लगभग 2000 साल पहले)

9. हाल के काल से शुरू करके अवरोही क्रम (उलटा) में निम्नलिखित को सजाएँ :

(A) लोहे के प्रयोग में बढ़ोत्तरी, नगर, आहत सिक्कें।
(B) उपमहाद्वीप में लोहे के प्रयोग की शुरूआत।
(C) अरिकामैडु पत्तन में बसना।
(D) संगम साहित्य की रचना की शुरूआत।

(a) C, D, A, B (b) C, D, B, A
(c) A, C, B, D (d) A, B, C, D

CTET (VI-VIII) 31/01/2021

Ans. (a) : दिये गये घटनाओं का अवरोही क्रम इस प्रकार होगा-
अरिकामैडु पत्तन में बसना - 2200 से 1900 साल पहले
संगम साहित्य की रचना की शुरूआत - 2300 साल पहले
लोहे के प्रयोग से बढ़ोत्तरी - 2500 वर्ष पहले
उपमहाद्वीप में लोहे का प्रयोग - 3000 साल पहले
इस प्रकार दिये गये प्रश्नगत घटनाओं का अवरोही क्रम होगा- C, D, A, B

10. हम यह आज कैसे जानते हैं कि पुरापाषाण युग में भारत में शुतुरमुर्ग होते थे?

(a) महाराष्ट्र के पटने पुरास्थल से शुतुरमुर्ग के अंडों के अवशेष मिलें हैं।
(b) शुतुरमुर्गों पर मौखिक स्मृतियाँ हमारे पास दिल्ली के राष्ट्रीय संग्रहालय में अभिलेखित हैं।
(c) विदेशी यात्रियों के वृत्तान्तों में इसका वर्णन है।
(d) उस समय की कृतियों में इन पक्षियों का विविध लेख हमें मिलता है।

CTET (VI-VIII) 08/12/2019

Ans. (a) : भारत में पुरापाषाण युग के दौरान शुतुरमुर्ग होते थे। महाराष्ट्र के पटने पुरास्थल से शुतुरमुर्ग के अंडों के अवशेष मिले हैं। इनके कुछ छिलकों पर चित्रांकन भी मिलता है। इन अंडों से मनके भी बनाए जाते थे।

11. बी.सी.ई. का तात्पर्य है–

(a) बिफोर कॉमन एरा (b) बिफोर सीजर एरा
(c) बिफोर कॅन्टिंपररी एरा (d) बिफोर क्रिश्चन एरा

CTET (VI-VIII) 08/12/2019

Ans. (a) : बी.सी.ई. का तात्पर्य है बिफोर कॉमन एरा। ध्यातव्य है कि B.C. (हिन्दी में ई.पू.) का तात्पर्य 'बिफोर क्राइस्ट' (ईसा पूर्व) होता है। अंग्रेजी में A.D. (हिन्दी में ई.) का तात्पर्य 'एनो डॉमिनी' है, जो दो लैटिन शब्दों से बना है तथा इसका तात्पर्य ईसा मसीह के जन्म के वर्ष से है। कभी–कभी A.D. की जगह C.E. तथा B.C. की जगह B.C.E. का प्रयोग होता है। C.E. अक्षरों का प्रयोग 'कॉमन एरा' तथा B.C.E. का प्रयोग 'बिफोर कॉमन एरा' के लिए होता है। हम इन शब्दों का प्रयोग इसलिए करते हैं क्योंकि विश्व के अधिकांश देशों में अब इस कैलेण्डर का प्रयोग सामान्य हो गया है। भारत में तिथियों के इस रूप का प्रयोग लगभग 200 वर्ष पूर्व आरम्भ हुआ था।

12. मानव इतिहास में निम्नलिखित में में कौन–सी अवधि (काल) सबसे लंबी है?

(a) पुरापाषाण काल (b) मध्यपाषाण काल
(c) नवपाषाण काल (d) महापाषाण काल

CTET (VI-VIII) 09/12/2018

Ans. (a) : पुरापाषाणकाल की अवधि मानव इतिहास में सबसे लम्बी है। यह प्राक्ऐतिहासिक युग का वह समय है जब मानव ने पत्थर के औजार बनाना सबसे पहले आरम्भ किया। यह काल आधुनिक काल से 25–20 लाख साल पूर्व से लेकर 12000 साल पूर्व तक माना जाता है। इस दौरान मानव इतिहास का 99 प्रतिशत विकास हुआ। इस काल के बाद मध्यपाषाण काल का प्रारम्भ हुआ जब मानव ने खेती करना शुरू किया।

13. दिए गए कथनों A और B को पढ़िए और सही उत्तर का चयन कीजिए:

A. मेहरगढ़ पाकिस्तान के बोलन दर्रे के पास एक उपजाऊ मैदान में स्थित है।

B. यहाँ खेती और पशुपालन के साक्ष्य पाए जाते हैं।

(a) A सत्य है और B असत्य है
(b) A असत्य है और B सत्य है
(c) A और B दोनों असत्य हैं
(d) A और B दोनों सत्य है

CTET (VI-VIII) 09/12/2018

Ans. (d) : मेहरगढ़ पाकिस्तान के बोलन दर्रे के पास एक उपजाऊ मैदान में स्थित है। यह पुरातात्विक दृष्टि से एक महत्त्वपूर्ण स्थान है। जहाँ नवपाषाण युग (7000 ईसा–पूर्व से 3300 ईसा–पूर्व) के बहुत से अवशेष मिले हैं। यह स्थान वर्तमान में बलूचिस्तान (पाकिस्तान) में है। यहाँ प्राचीनतम कृषि एवं पशुपालन से सम्बन्धित साक्ष्य प्राप्त हुए हैं जिनसे पता चलता है कि यहाँ के लोग गेहूँ और जौ की खेती करते थे। यहाँ से गेहूँ की तीन और जौ के दो किस्मों के उगाये जाने के अवशेष मिले हैं मेहरगढ़ को बलूचिस्तान की रोटी की टोकरी भी कहा जाता है। यहाँ के लोग भेड़, बकरी तथा अन्य जानवर भी पालते थे।

14. 'ऋग्वेद' के विषय में निम्नलिखित तीन कथनों पर विचार कीजिए और सही उत्तर का चयन कीजिए–

(1) यह 3500 वर्ष पूर्व लिखा गया था।
(2) इसकी रचना प्रकृति में की गई थी।
(3) इसमें एक हजार से अधिक प्रार्थनाएँ हैं।
(a) 3 सही है, 1 और 2 गलत है
(b) 1 गलत है, 2 और 3 सही है
(c) 1 सही है, 2 और 3 गलत है
(d) 2 सही है, 1 और 3 गलत है

CTET (VI-VIII) 18/09/2016

Ans. : (*) वेद चार है– ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद तथा अथर्ववेद। ऋग्वेद सबसे प्राचीन ग्रंथ है, इसकी रचना लगभग 3500 वर्ष पूर्व में हुई थी। ऋग्वेद में एक हजार से अधिक प्रार्थनाएँ है। जिन्हें सूक्त कहा गया है। इसमें तीन देवता बहुत महत्वपूर्ण है- अग्नि, आग के देवता, इन्द्र युद्ध के देवता, और सोम देवता (सोम एक पौधा है जिससे एक खास पेय पदार्थ बनाया जाता था।) ऋग्वेद की भाषा प्राक् संस्कृत या वैदिक संस्कृत कहलाती है।

15. भारत में प्राचीन समय के सन्दर्भ में निम्नलिखित का मिलान कीजिए, और उपयुक्त विकल्प का चुनाव कीजिए।

A	B
(a) संगम साहित्य की रचना	**(i) 327-325 BCE**
(b) पश्चिमोत्तर में सिकन्दर का आक्रमण	**(ii) 300 BCE-300CE**
(c) हर्षवर्धन का शासन	**(iii) 630 - 643 CE**
(d) श्वैन त्सांग का भारत आगमन	**(iv) 606-647 CE**

(a) (A) - (ii), (B) - (iii), (C)-(iv), (D)-(i)
(b) (A)-(i), (B) - (iv), (C)-(iii), (D)-(ii)
(c) (A)- (ii), (B)-(i), (c)- (iv), (d)- (iii)
(d) (A)- (iii), (B)- (iv), (C)- (i), (D)- (ii)

CTET (VI-VIII) 28/01/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : सही मिलान निम्न है–

A	B
(a) संगम साहित्य	(II) 300 BCE - 300 CE
(b) पश्चिमोत्तर में सिकन्दर का आक्रमण	(I) 327 – 325 BCE
(c) हर्षवर्धन का शासन	(IV) 606–647 CE
(d) श्वैन त्सांग का भारत आगमन	(III) 630–643 CE

16. इतिहास में तिथियों एवं वर्षों को सूचित करने के लिए प्रयोग में आने वाली वर्तमान के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौन सा कथन सही है?

(A) अतीत ने वर्तमान को कैसे प्रभावित किया है, इसकी जांच किए बिना इतिहास पूर्ण रूप से अतीत पर निर्भर करता है।
(B) इतिहास मानव चेतना के व्यक्तिगत और सामूहिक दोनों पहुँचने में विकास की कहानी है।
(C) इतिहास अतीत और भविष्य में प्रगतिशील परिवर्तनों की घटनाओं के बीच एक संवाद है।
(D) निरंतरता और सुसंगतता इतिहास की आवश्यक आवश्यकताएँ है।

सही विकल्प को चुनिए :

(a) (A), (B) और (C) (b) (B), (C) और (D)
(c) (A), (C) और (D) (d) (A), (B) और (D)

CTET (VI-VIII) 30/01/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : इतिहास में तिथियों एवं वर्षों को सूचित करने के लिए प्रयोग में आने वाली वर्तमान के बारे में निम्न कथन सत्य हैं–
(A) अतीत ने वर्तमान को कैसे प्रभावित किया है इसकी जाँच किए बिना इतिहास पूर्ण रूप से अतीत पर निर्भर करता है।
(B) इतिहास मानव चेतना के व्यक्तिगत और सामूहिक दोनों पहलुओं में विकास की कहानी है।
(C) निरंतरता और सुसंगतता इतिहास की आवश्यक आवश्यकताएँ हैं।

17. इतिहास में तिथियों एवं वर्षों को सुचित करने के लिए प्रयोग में आने वाली वर्तमान के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौन सा कथन सही है?

(a) ए.डी. के स्थान पर बी.सी.ई.
(b) बी.सी. के स्थान ए.डी.
(c) बी.सी.ई. के स्थान ए.डी.
(d) बी.सी. के स्थान पर बी.सी.ई.

CTET (VI-VIII) 30/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : इतिहास में तिथियों एवं वर्षों को सूचित करने के लिए प्रयोग में आने वाली वर्तमान के बारे में निम्नलिखित कथनों में से बी.सी. (B.C.) के स्थान पर ए.डी. (A.D.) का प्रयोग सही है। ए.डी. (A.D.) का फुल फार्म 'Anno domine' होता है जबकि B.C. का फुल फार्म "Before christ" होता है। AD ईसा मसीह के जन्म से बाद का समय है जबकि BC ईसा मसीह के जन्म के पहले का समय है। AD को हिंदी में ईस्वी कहते हैं जबकि BC को हिंदी में ईसा पूर्व कहते हैं।

18. वो भूर्ज (बर्च) छाल कहाँ पाई गई जिस पर ऋग्वेद की वैदिक प्रार्थनाएँ (सूक्त) लिखी गईं?

(a) कश्मीर (b) महाराष्ट्र
(c) बंगाल (d) बिहार

CTET (VI-VIII) 01/02/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : वो भूर्ज (बर्च) छाल 'कश्मीर' में पाई गई जिस पर ऋग्वेद की वैदिक प्रार्थनाएँ (सूक्त) लिखी गई। लगभग 150 वर्ष पहले ऋग्वेद को सबसे पहली बार छापने के लिए इस भूर्ज वृक्ष की छाल का उपयोग किया गया था। यह पाण्डुलिपि पुणे, महाराष्ट्र के पुस्तकालय में सुरक्षित है। 'ऋग्वेद'। ऋग्वेद में एक हजार से ज्यादा प्रार्थनाएँ है जिन्हे सूक्त कहा गया है।

19. निम्नलिखित कथनों A, B और C को पढ़ें और सही विकल्प का चयन करें :

(A) पुरापाषाण काल बीस लाख साल पहले से 12,000 साल पहले के दौरान माना जाता है।

(B) इस काल को भी तीन भागों में बाँटा गया है: 'आरंभिक', 'मध्य' एवं 'उत्तर' पुरापाषाण युग।

(C) मानव इतिहास की लगभग 99 प्रतिशत कहानी इसी काल के दौरान घटित हुई।

(a) केवल (A) और (B) सही हैं।
(b) केवल (B) और (C) सही हैं।
(c) केवल (A) और (C) सही हैं।
(d) (A), (B) और (C) सभी सही हैं।

CTET (VI-VIII) 06/02/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : पुरापाषाण काल बीस लाख साल पहले से 12,000 साल पहले के दौरान माना जाता है। इस काल को भी तीन भागों में बाँटा गया है, आंरभिक, मध्य एवं 'उत्तर' पुरापाषाण युग भीमबेटका के गुफा चित्र पुरापाषाण कालीन है जो म0प्र0 में स्थित है। पशुपालन का प्रारंभ मध्यपाषाण काल में हुआ। मानव इतिहास की लगभग 99 प्रतिशत कहानी इसी काल के दौरान घटित हुई है। अतः दिया गया कथन A, B और C सभी सही है।

20. ऐसा माना जाता है कि सैंट थॉमस लगभग 2000 साल पहले इस राज्य में आए थे तथा भारत में ईसाई धर्म लाने का श्रेय उन्हीं को जाता है वह राज्य कौन-सा है?

(a) कर्नाटक (b) पश्चिम बंगाल
(c) केरल (d) तमिलनाडु

CTET (VI-VIII) 27/12/2021

Ans. (c) : ईसा मसीह के शिष्य सैंट थॉमस लगभग 2000 साथ पहले केरल राज्य में आये थे तथा भारत में ईसाई धर्म लाने का श्रेय उन्हीं को जाता है। उन्होंने उस काल में सर्वप्रथम एक नदी के किनारे तप कर रहे कुछ नम्बूदरी ब्राम्हणों को इसाई धर्म की शिक्षा दी और उन्हें ईसाई बनाया था। हालांकि इस बात पर भी विवाद है कि उन्होंने ऐसा किया था या नहीं। यह भी कहा जाता है कि उन्होंने आदिवासियों को ईसाई बनाया था जिसके चलते आदिवासियों में बहुत रोष था। इस रोष के चलते चेन्नई शहर के एक माउण्ट पर 72 ईस्वी में संत थॉमस एक आदिवासी भील के भाले से मारे गये थे। उस पहाड़ को आजकल सेंट थॉमस मांऊट कहा जाता है।

21. निम्नलिखित वक्तव्यों A और B पर विचार कर सही उत्तर का चयन करें-

वक्तव्य A: ''हिन्दुस्तान'' शब्द का अर्थ समय के साथ विकसित होता गया।

वक्तव्य B: तेरहवीं शताब्दी में इसका आशय पंजाब, हरियाणा और गंगा-यमुना के बीच में स्थित इलाकों से था। सोलहवीं शताब्दी में इस शब्द का प्रयोग इस उपमहाद्वीप के भूगोल और संस्कृति का वर्णन करने लिए किया गया।

(a) A और B दोनों सही हैं और B, A की सही व्याख्या है।
(b) A और B दोनों गलत हैं।
(c) A सही है और B गलत है।
(d) A और B दोनों सही हैं परन्तु B, A की सही व्याख्या नहीं है।

CTET (VI-VIII) 28/12/2021

Ans. (a) : हिन्दुस्तान शब्द का अर्थ समय के साथ विकसित होता गया। क्योंकि तेरहवी शताब्दी में इसका आशय पंजाब, हरियाणा और गंगा-यमुना के बीच में स्थित इलाकों से था। सोलहवीं शताब्दी में इस शब्द का प्रयोग इस उपमहाद्वीप के भूगोल और संस्कृति का वर्णन करने के लिए किया गया और भारत गणराज्य को हिन्द (अरबीः अल-हिन्द) कहा जाता है। हिन्दुस्तान एवं हिन्द शब्द का प्रयोग अक्सर अरबी एवं ईरानी किया करते थे।

22. महापाषाण क्या चिन्हित करने के लिए खड़े किए गए?

(a) जमीन के आधिपत्य के लिए।
(b) उपलब्धियों को अंकित करने के लिए।
(c) परिवार में जन्म के लिए।
(d) कब्रगाहों के लिए।

CTET (VI-VIII) 07/01/2022

Ans. (d) : महापाषाण बड़े आकार के पत्थरों को कहा जाता था। जो शव को दफन करने की जगह पर लोगों द्वारा बड़े करीने से लगाये जाते थे। महापाषाण कब्रे बनाने की प्रथा लगभग 3000 साल पहले शुरु हुई थी। यह प्रथा दक्कन, दक्षिण भारत, उत्तर-पूर्वी भारत और कश्मीर में प्रचलित थी।

23. 'मैन्यू स्क्रिप्ट' लेटिन भाषा से प्राप्त हुआ है, जिसमें 'मेनू' शब्द का अर्थ है –

(a) मनुष्य (b) हाथ/हस्त
(c) लेख (d) बुद्धि

CTET (VI-VIII) 07/01/2022

Ans. (b) : अतीत की जानकारी हम कई तरह से प्राप्त करते हैं। इनमें से एक तरीका अतीत में लिखी गयी पुस्तकों को ढूँढ़ना और पढ़ना है। ये पुस्तकें हाथ से लिखी होने के कारण पाण्डुलिपि कही जाती है। अंग्रेजी में 'पाण्डुलिपि' के लिए प्रयुक्त होने वाला 'मैन्यूस्क्रिप्ट' शब्द लैटिन शब्द मेनू से लिया गया है जिसका अर्थ 'हाथ' है। ये पाण्डुलिपियाँ ताड़पत्रों अथवा हिमालय क्षेत्र में उगने वाले भूर्ज नामक पेड़ की छाल से विशेष तरीके से तैयार भोजपत्र पर लिखी मिलती है। प्रायः ये पाण्डुलिपियाँ मंदिरों और विहारों से प्राप्त होती है। इस प्रकार की पुस्तकों में राजाओं के जीवन, औषधियों तथा विज्ञान आदि विषयों की चर्चा मिलती है।

2. प्रारम्भिक समाज

1. निम्नलिखित कथनों में से कौन सा उपनिषद् के संदर्भ में सही है?

(a) उपनिषद् प्रारंभिक वैदिक ग्रंथों का हिस्सा है।
(b) उपनिषद् का शाब्दिक अर्थ है ' गुरु के समीप बैठना'।
(c) इन ग्रंथों मे प्रजा और शासकों के बीच बातचीत का संकलन किया गया है।
(d) प्रायः ये विचार अमूर्त वार्तालाप के रूप में प्रस्तुत किए गए हैं।

CTET (VI-VIII) 09/01/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : उपनिषद् का शाब्दिक अर्थ है गुरु के समीप बढ़ना जो कि उपनिषद् के सन्दर्भ में सही है। वैदिक साहित्य के विकास के अंतिम चरण में उपनिषद् ग्रन्थ आते हैं इसी कारण इन्हें वेदान्त भी कहा जाता है। इनमें दर्शनशास्त्र की विवेचना हुयी है, यद्यपि यह शास्त्र यत्र तत्र पहले भी संहिताओं और आरण्यकों में आ चुका है। उपनिषद् दर्शन पर आधारित पुस्तक है, जिसमें प्रथम बार मोक्ष की चर्चा मिलती है। इनमें कुछ क्षत्रिय राजाओं का भी उल्लेख मिलता है।
नोट– छांन्दोग्य उपनिषद् में केवल तीन आश्रमों का उल्लेख मिलता है, जबकि जाबालोपनिषद् में चारों आश्रमों का उल्लेख मिलता है।

2. एक पितृसत्तात्मक समाज वह होता है, जहाँ-

(a) महिलाओं को सरकार चुनने के लिए वोट देने का मौका मिलता है।
(b) महिलाएँ सार्वजनिक जीवन में भाग लेती हैं।
(c) महिलाओं को विभिन्न तरीकों से भेदभाव और उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है।
(d) महिलाओं के पास पुरुषों की तरह के कपड़े पहनने का विकल्प होता है।

CTET (VI-VIII) 04/01/2022

Ans. (c) : एक पितृसत्तात्मक समाज में महिलाओं को विभिन्न तरीके से भेदभाव और उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। पितृसत्तात्मक शब्द से आशय है पिता की सत्ता, जहाँ परिवार की सत्ता पिता के हाथों में होती है। पिता के बाद उसका पुत्र इस योग्य होता है तो कुल मिलाकर सारे प्रबंधन पर पुरुषों का वर्चस्व होता है। जहां स्त्रियों के लिए कोई अधिकार नहीं है। इस समाज में पुरुष प्रधान एवं स्त्रियाँ गौण होती है। ऐसे में समाज की समस्त सुख सुविधा यहां तक की खाने पीने में भी दुराभाव स्त्रियों के साथ होता है, जो कि नारी के मौलिक अधिकारों की अवहेलना है पितृ सत्ता समाज नारी के व्यक्तित्व को ग्रहण की भांति ग्रसित कर लेता है। स्त्री में चाहे कितनी ही योग्यता हो और पुरुष चाहे कमतर हो किन्तु प्रधानता पुरुष को ही मिलती है।

3. प्राचीन भारत के लेखों के संदर्भ में (A) तथा (B) कथनों को पढ़ें तथा सही विकल्प चुनें।

(A) पुराणों का पाठ प्रत्येक व्यक्ति के पढ़ने के लिए था, शूद्र भी इसे पढ़ते थे।
(B) शूद्रों को वेद पढ़ने की अनुमति नहीं थी।
विकल्प :

(a) (A) सही है परन्तु (B) गलत है
(b) (B) सही है परन्तु (A) गलत है
(c) (A) और (B) दोनों गलत हैं।
(d) (A) तथा (B) दोनों गलत हैं।

CTET (VI-VIII) 19/01/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : प्राचीन भारत के लेखों के संदर्भ में पुराणों का पाठ शूद्र को पढ़नें की अनुमति नही थी, इसलिए कथन (A) गलत है। कथन (B) में शूद्र को वेद पढ़ने की अनुमति नही थी, यह सत्य है। इस कारण कथन (B) भी सही है। प्राचीन पुराणों में विष्णु, शिव दुर्गा या पार्वती जैसे देवी-देवताओं से जुड़ी कहानियां है। इनमे इन देवी-देवताओं की पूजा की विधियाँ दी गई है। इसके अतिरिक्त इनमें संसार की सृष्टि की रचना तथा राजाओं के बारे में भी कहानियां है।

4. 'ऋग्वेद' मूल रूप से निम्नलिखित में से किस भाषा में रची गयी थी?

(a) ब्राह्मी (b) पाली
(c) संस्कृत (d) प्राकृत

CTET (VI-VIII) 09/12/2018

Ans. (c) : 'ऋग्वेद' मूल रूप से संस्कृत भाषा में रची गई थी। वेदों की रचना वैदिक काल में हुई थी। वैदिक सभ्यता आर्यों द्वारा निर्मित की गई थी और आर्यों की भाषा संस्कृत थी। ऋग्वेद को इतिहासकार हिन्दी–यूरोपीय भाषा–परिवार की अभी तक उपलब्ध पहली रचनाओं में से एक मानते हैं। यह एक प्रमुख हिन्दू धर्म ग्रंथ है।

5. निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प मृतकों को उनके सामान के साथ दफनाये जाने के कारण की सबसे अच्छी व्याख्या है?

(a) मृत्यु के बाद भी जीवन में लोगों का विश्वास था।
(b) परिवार के सदस्यों को मृतक के सामान की आवश्यकता नहीं थी।
(c) मृतक के सामान का उपयोग करना अशुभ माना जाता था।
(d) मृतक की स्थिति और धन को दिखाने के लिए ऐसा किया जाता था।

CTET (VI-VIII) 29/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : प्राचीन भारत एवं अन्य देशों में यह अवधारणा प्रचलित थी कि मृत्यु के बाद भी जीवन हो सकता है या मृत व्यक्ति पुनः जीवित हो सकता है इसलिए दाह संस्कार के समय उनके साथ जरूरत की चीजे भी दफनाई जाती थी।

6. किस क्षेत्र में भूस्वामियों को वेल्लार कहा जाता था?

(a) महाराष्ट्र क्षेत्र (b) तमिल क्षेत्र
(c) पंजाब क्षेत्र (d) बंगाल क्षेत्र

CTET (VI-VIII) 01/02/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : तमिल क्षेत्र के भूस्वामियों को वेल्लार कहा जाता था। संगम युग में साधारण हल चलाने वाले को उझावर के नाम से जाना जाता था। दासों सहित भूमिहीन मजदूरों को कदैसियार और अदिमई के नाम से जाना जाता था।

7. कथनों (A) तथा (B) को पढ़ें तथा सही विकल्प चुनें।

कथन (A) : ब्राह्मणों को सामिष भोजन करने की अनुमति नहीं थी।
कथन (B) : बृहद्धर्म पुराण, जो बंगाल में रचित तेरहवीं शताब्दी का संस्कृत ग्रंथ है, ने स्थानीय ब्राह्मणों को कुछ खास किस्मों की मछली खाने की अनुमति दे दी।
विकल्प :

(a) (A) सही है, परन्तु (B) गलत है
(b) (B) सही है, परन्तु (A) गलत है
(c) (A) तथा (B) दोनों गलत हैं
(d) (A) तथा (B) दोनों सही हैं

CTET (VI-VIII) 13/01/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : सामिष भोजन, वह भोजन है जिसमें मांस, मदिरा आदि का सेवन किया जाता है। जिसे ब्राह्मणों को खाने की अनुमति नहीं थी। वृहद धर्म पुराण जो 13वीं शताब्दी का संस्कृत ग्रंथ है ब्राह्मणों को बंगाल में एक खास प्रकार की मछली खाने की अनुमति देता है। वृहद धर्म पुराण एक हिन्दू धार्मिक ग्रंथ है जिसे 18 उपपुराणों में से मुख्यतः अंतिम पुराण के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। इस प्रकार (A) तथा (B) दोनों सही हैं।

8. 'उत्तराधिकार की सहदायाद' प्रथा का अर्थ है .....है।

(a) पसंदीदा पुत्र को अपने पिता की संपत्ति विरासत में मिलना
(b) ज्येष्ठ पुत्र को अपने पिता की संपत्ति विरासत में मिलना
(c) सभी पुत्रों व पुत्रियों के बीच विरासत का विभाजन
(d) सभी पुत्रों के बीच विरासत का विभाजन

CTET (VI-VIII) 28/12/2022 (Shift-II)

Ans. (d) : उत्तराधिकार की दो परम्पराएँ है – ज्येष्ठाधिकार तथ सहदायाद। ज्येष्ठाधिकार में सबसे पुत्र राज्य का उत्तराधिकारी होता था तथा सहदायाद में सी पुत्रों के बीच विरासत का विभाजन होता था। मुगल काल में इसी परम्परा का पालन किया जाता था।

9. निम्नलिखित शब्दों का उत्तर भारत के गाँवों में उनकी अनुरूप भूमिका के साथ मिलान कीजिए :

A. ग्राम भोजक	(I) दूसरों की जमीन पर काम करने वाले
B. गृहपति	(II) शिल्पकार
C. दास कर्मकार	(III) स्वतंत्र कृषक
	(IV) भू-स्वामी (ग्राम प्रमुख)

	A	B	C
(a)	(IV)	(III)	(I)
(b)	(II)	(III)	(I)
(c)	(IV)	(II)	(I)
(d)	(II)	(IV)	(I)

CTET (VI-VIII) 11/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : सही सुमेलित है–

ग्राम भोजक	भू-स्वामी (ग्राम प्रमुख)
गृहस्पति	स्वतंत्र कृषक
दास कर्मकार	दूसरों की जमीन पर काम करने वाले

10. महायान, बौद्ध धर्म की आरंभिक मान्यताओं से निम्न में से किन कारणों से भिन्न था?

A. इसमें बुद्ध की उपस्थिति संकेतों द्वारा दर्शायी गई
B. इसमें बोधिसत्व एकांतवास में रहते थे
C. इसमें बुद्ध की प्रतिमाएँ बनाई गई थीं
D. बोधिसत्व अन्य लोगों को शिक्षा देने के लिए सांसारिक परिवेश में रम गए

एक सही विकल्प का चयन कीजिए।

(a) A और B सही हैं (b) B और C सही हैं
(c) C और D सही हैं (d) A और D सही हैं

CTET (VI-VIII) 04/01/2022

Ans. (c) : महायान, बौद्ध धर्म की आरंभिक मान्यताओं में से बुद्ध की प्रतिमाएँ बनाई गई थीं। बोधिसत्व अन्य लोगों को शिक्षा देने के लिए सांसारिक परिवेश में रम गये। इस प्रकार (C) और (D) कथन सत्य हैं। महायान भी आरम्भिक मान्यताओं से भिन्न था तथा दूसरा परिवर्तन बोधिसत्व में आस्था लेकर आया, बोधिसत्व उन्हें कहते है। जो ज्ञान प्राप्ति के बाद एकांतवास करते हुए ध्यान साधना कर सकते थे। कुषाणों का सबसे प्रसिद्ध राजा कनिष्क था। उसने एक बौद्ध परिषद का गठन किया, जिसमें एकत्र होकर विद्वान महत्वपूर्ण विषयों पर विचार विमर्श करते थे। इसी समय बौद्ध धर्म की एक नई धारा महायान का विकास हुआ।

11. ऋग्वैदिक काल के विषय में निम्नलिखित में से कौन-से कथन सत्य हैं?

A. कोई स्थायी सेना नहीं होती थी।
B. कुछ प्रार्थनाओं की रचना महिलाओं ने की थी।
C. दास और दस्यु भी यज्ञ करते थे।
D. राजाओं के पास राजधानी, नगर या महल नहीं थे।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

(a) केवल A और B (b) केवल A, B और D
(c) केवल B, C और D (d) केवल B और D

CTET (VI-VIII) 05/01/2022

Ans. (b) : ऋग्वैदिक काल के विषय में सही कथन है, कोई स्थायी सेना नहीं होती थी, कुछ प्रार्थनाओं की रचना महिलाओं ने की थी, और राजाओं के पास राजधानी, नगर या महल नहीं थे। ऋग्वैदिक काल में आर्यों के भौतिक जीवन के बारे में कुछ आभास मिलता है। भारत में उनकी सफलता के कारण थे– घोड़े, रथ और संभवतः कांसे के कुछ अस्त्र-शस्त्र व उपकरण जिनके बारे में हमें पुरातात्विक प्रमाण मिले हैं। ऋग्वेद के प्राचीनतम काल में 'फाल' का उल्लेख मिलता है। आर्यों को विभिन्न ऋतुओं के बारे में जानकारी थी। मैक्समूलर ने आर्यों का निवास स्थान मध्य एशिया माना है जो कि सर्वाधिक मान्य अवधारणा है।

12. 'ज्येष्ठाधिकार' का क्या अर्थ है:

(a) ज्येष्ठ पुत्र अपने पिता के राज्य का उत्तराधिकारी होता है।
(b) राज्य का विभाजन समस्त पुत्रों में कर दिया जाता है।
(c) समूह के संसाधनों पर मुखिया का अधिकार होता है।
(d) समूह के संसाधनों पर समूह के सदस्यों का अधिकार होता है।

CTET (VI-VIII) 21/12/2021

Ans. (a) : 'ज्येष्ठाधिकार' का अर्थ ज्येष्ठ पुत्र अपने पिता के राज्य का उत्तराधिकारी होता है। यह अधिकार परम्परा प्राप्त होता था। शासक की मृत्यु या उसके हटने पर उसके छोटे भाई के बजाय उसका बड़ा बेटा ज्येष्ठता की वजह से उसके राज अधिकारों को ग्रहण करता था। कई बार शासक के जीवित रहते हुए उसके जीवनकाल में ही उत्तराधिकारी का निर्धारण के कारण राज्य में अशान्ति एवं युद्ध का वातावरण हो जाता था। इस अव्यवस्था को पनपने न देने के लिए प्रायः शासकों ने ज्येष्ठाधिकार का सहारा लिया।

13. निम्नलिखित का सुमेल करें :

	सूची - - X		**सूची - - Y**
A.	गण	I.	संगठन या समूह
B.	संघ	II.	बहु सदस्यों वाला दल
C.	श्रेणी	III.	ग्राम मुखिया
D.	ग्राम भोजक	IV.	व्यापारी संगठन

(a) A-II, B-I, C-IV, D-II
(b) A-I, B-II, C-III, D-IV
(c) A-III, B-IV, C-I, D-II
(d) A-IV, B-III, C-II, D-I

CTET (VI-VIII) 06/01/2022

Ans. (a) : (A)-II, (B)-I, (C)-IV, (D)-II
निम्नलिखित का सही सुमेल है।

सूची -X	सूची - Y
A. गण	II. बहु सदस्यों वाला दल
B. संघ	I. संगठन या समूह
C. श्रेणी	IV. व्यापारी संगठन
D. ग्राम भोजक	III. ग्राम मुखिया

14. वर्णक्रम पर निम्नलिखित कथनों A और B को पढ़िए।

A. उत्तर वैदिक काल में ब्राह्मणों ने लोगों को चार वर्गों में विभाजित किया, जिन्हें वर्ण कहते हैं और यह विभाजन पदानुक्रम और निचले वर्णों के विरुद्ध भेदभाव पर आधारित था।

B. कई लोगों ने ब्राह्मणों द्वारा बनाई गई सवर्ण व्यवस्था को स्वीकार नहीं किया।

सही विकल्प चुनें।

(a) A सही, किन्तु B गलत है।
(b) A गलत है, किन्तु B सही है।
(c) A और B दोनों सही हैं और B का कारण A है।
(d) A और B दोनों सही हैं किन्तु B का कारण A नहीं है।

CTET (VI-VIII) 10/01/2022

Ans. (c) : A और B दोनों सही है और B का कारण है A। उत्तरवैदिक काल में समाज चार वर्णों में वर्गीकृत था - ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र। यह विभाजन पदानुक्रम तथा भेदभाव पर आधारित था। वर्ण की उत्पत्ति संस्कृत के वृ धातु से हुई है जिसका अर्थ है वरण करना या चुनना। कई लोगों ने ब्राह्मणों द्वारा बनायी गयी सवर्ण व्यवस्था को स्वीकार नहीं किया, इन महान विभूतियों में राजा राममोहन राय, डॉ. भीमराव अम्बेडकर, ज्योतिवा फुले, पण्डिता रमाबाई इत्यादि हैं।

3. प्रथम कृषक और चरवाहे

1. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है, 'आखेटक खाद्य- संग्राहक समुदाय एक स्थान से दूसरे स्थान पर क्यों जाते थे' ?

(a) वे आस-पास के पौधों, फलों और जानवरों को खाकर समाप्त कर देते थे।
(b) जानवर एक जगह से दूसरी जगह जाया करते थे।
(c) पेड़ों और पौधों में फल-फूल अलग-अलग मौसम में आते थे।
(d) वे एक जगह तलाश कर रहे थे जहाँ राज्य स्थापित कर सकें।

CTET (VI-VIII) 28/01/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : आखेटक खाद्य - संग्राहक समुदाय एक स्थान से दूसरे स्थान निम्न कारणों से जाया करते थे –
(i) वे आस-पास के पौधों, फलों और जानवरों को खाकर समाप्त कर देते थे।
(ii) जानवर एक स्थान से दूसरे स्थान जाया करते थे।
(iii) पेड़ों और पौधों में फल-फूल अलग-अलग मौसम में आते थे।

2. जैसे-जैसे लोगों ने पशुओं को पालतू बनाना आरंभ किया, पालतू पशु धीरे-धीरे जंगली पशुओं से इस रूप से भिन्न होते गए:

(A) उनके दाँत छोटे हो गए।
(B) उनके सींग छोटे हो गए।

(a) केवल (A) सही है
(b) केवल (B) सही है
(c) (A) और (B) दोनों सही हैं
(d) (A) और (B) दोनों सही नहीं हैं

CTET (VI-VIII) 24/01/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : जैसे-जैसे लोगों ने जानवरों को पालतू बनाना आरम्भ किया वैसे-वैसे उनके शारीरिक छोटे सींग के बनावट में बदलाव होने लगा उनके दाँत, छोटे होते गये, उनके बाल भी छोटे होते गये उनके स्वभाव में परिवर्तन होने लगा आदि।

3. निम्नलिखित में से कौन-सा आखेटक-खाद्य संग्राहक के एक स्थान से दूसरे स्थान की ओर घूमते रहने का कारण नहीं था?

(a) एक स्थान पर रहने से संसाधनों में कमी हो जाती थी
(b) उन जानवरों का पीछा करना, जिसका वे शिकार करते थे
(c) संसाधनों के लिए अन्य आखेटक-खाद्य संग्राहक समूहों से संघर्ष करना
(d) जल संसाधनों की खोज के लिए

CTET (VI-VIII) 25/01/2023 (Shift-II)
CTET (VI-VIII) 21/09/2014

Ans. : (c) पाषाणकाल के प्रारम्भिक अवस्था में मानव का जीवन जंगल 'वन' तथा जानवरों पर आधारित था जिसके कारण उनका स्थानान्तरण एक स्थान से दूसरे स्थान पर होता था। प्रारिम्भक अवस्था में मानव सामाजिकता नही थी वह व्यक्तिगत अकेला रहता था समाजिकता के न होने से समूहों का भी आभाव था अतः समूह संघर्ष मानव के घूमने का कारण नहीं था।

4. मनुष्य ने कुछ क्षेत्रों में लगभग 8000 वर्ष पहले गाँवों में रहना आरम्भ किया था। निम्नलिखित में से वे क्षेत्र कौन-से थे?

(a) नर्मदा के आस-पास के क्षेत्र
(b) सुलेमान तथा किरथर पहाड़िया
(c) गंगा तथा यमुना दोआब
(d) दंक्कन तथा कोंकण

CTET (VI-VIII) 21/09/2014

Ans. : (b) सुलेमान तथा किरथर पहाड़ियों की खोज पुरातत्वविदों द्वारा की गयी जो लगभग 8000 ई.पू. मानव निवास की स्थिति को दर्शाता है। वर्तमान में यह स्थल क्रमशः पाकिस्तान तथा अफगानिस्तान में स्थित है। मेहरगढ़ यही स्थित था जहाँ पर प्राचीनतम मानव बस्ती के प्रमाण पाए गये है। यहाँ से नवपाषाण काल तथा हड़प्पा काल के साक्ष्य प्राप्त हुए है।

5. पाँचवीं एवं छठवीं शताब्दी वर्तमान के तमिलनाडु में बड़े स्तर पर खेती करने के लिए यह आवश्यक था कि :

(a) सिंचाई के लिए तटबंधों का निर्माण हो।
(b) भूमि का वनारोपण किया जाए।
(c) घासस्थलों को हटाया जाए।
(d) अधिकारियों को करों का भुगतान किया जाए।

CTET (VI-VIII) 29/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : तमिलनाडु प्रायद्वीपीय भारत के अन्तर्गत आता है जहाँ पर पुरानी चट्टानी अवसंरचना होने के कारण प्रचीन समय से ही कृषि योग्य भूमि के लिए सिंचाई की आवश्यकता थी। पाँचवी एंव छठी शताब्दी में यहाँ पर कृषि कार्यों हेतु सिंचाई के लिए तटबंधों की आवश्यकता थी।

6. प्राचीन तमिलनाडु में ..... की बस्तियों को उर (Ur) कहते थे।

(a) व्यापारियों (b) कुलीनों/अभिजातों
(c) खेतिहरों/किसानों (d) शिल्पकारों

CTET (VI-VIII) 28/12/2022 (Shift-II)

Ans. (c) : प्राचीन तमिलनाडु में खेतिहरों/किसानों की बस्तियों को उर (Ur) कहते थे। उर राज्य की सबसे छोट इकाई थी सम्पूर्ण राज्य को मंडलों में विभक्त किया गया था। प्रान्तों का प्रशासन मुख्यतः चोल राजकुमारों के अधीन था मंडल को विशाल भू- क्षेत्रों में बाटा गया था जिन्हें कोट्टम कहा जाता था। प्रत्येक कोट्टम को अनेक नाडुओं अथवा जनपद में निभक्त किया गया था प्रत्येक नाडु में अनेक कुर्रम अथवा ग्राम समूह सम्मिलित थे। ग्राम या उर प्रशासन की सबसे छोटी इकाई थी।

7. लगभग 2300 वर्ष पूर्व तमिल क्षेत्र में बड़े भूस्वामियों को कहते थे:

(a) वेल्ललार (b) उझवार
(c) कडैसियार (d) अदिमई

CTET (VI-VIII) 17/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : तमिल क्षेत्र में, बड़े भूस्वामियों को लगभग 2300 वर्ष पूर्व वेल्लालर के रूप में जाना जाता था तथा संगम युग में साधारण हल चलाने वाले को 'उझावर' और भूमिहीन मजदूर, दास को कडैसियार और अदिभई के नाम से जाना जाता था। संगम काल के दौरान तमिलों का प्रमुख व्यवसाय कृषि,पशुपालन था। 500 ई0 पू0-300 ई0 इसे जीवन की आवश्यकताओं के रूप में देखा जाता था और इसलिए इसे सभी व्यवसायों में सबसे महत्वपूर्ण माना जाता था। 'किसान' या 'उझावर' सामाजिक सूची में सबसे उपर थे।

8. हमें ज्ञात है कि हड़प्पाकालीन लोगों ने हल का प्रयोग किया था क्योंकि पुरातत्वविदों को साक्ष्य (प्रमाण) मिले हैं ..... के।

(a) वास्तविक हल
(b) मोहर (मुहर) पर उत्कीर्ण किया हुआ हल
(c) खिलौना हल
(d) गुफा में बनाए गए चित्र में हल

CTET (VI-VIII) 17/01/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : हमें ज्ञात है कि हड़प्पाकालीन लोगों ने हल का प्रयोग किया था क्योंकि पुरातत्त्वविदों को 'खिलौना हल' के साक्ष्य मिले है। हड़प्पा रावी नदी तट पर स्थित है जो पाकिस्तान के पंजाब राज्य में स्थित है हड़प्पा सभ्यता की खोज दयाराम साहनी ने 1921 ई0 में किया था।

9. हमें आरंभिक कृषकों व पशुपालकों के बारे में कैसे पता चला?

A. हमारे पास उस समय का लिखित रिकार्ड है।
B. हमारे पास अनाजों और जानवरों की हड्डियों के साक्ष्य हैं।

(a) केवल (A) (b) केवल (B)
(c) A और B दोनों (d) न तो A न ही B

CTET (VI-VIII) 24/12/2021

Ans. (b) : हमें आरंभिक कृषकों व पशुपालकों के बारे में जानकारी अनाजों और जानवरों की हड्डियों के साक्ष्य से पता चला है। इन साक्ष्यों से पुरातत्वविदों को कृषकों और पशुपालकों के होने के साक्ष्य मिले हैं, ये पूरे उपमहाद्वीप में पाए गए है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण पश्चिमोत्तर क्षेत्र में, आधुनिक कश्मीर में और पूर्वी तथा दक्षिण भारत में पाए गए है। वास्तव में ये स्थान कृषकों और पशुपालकों की बस्तियाँ थी या नही इसे जाँचने के लिये वैज्ञानिक खुदाई में मिले पौधों और पशुओं की हड्डियों के नखूनों का अध्ययन करते हैं। उपमहाद्वीप के भिन्न - भिन्न इलाकों में गेहूँ, जौ और धान प्राकृतिक रूप से उगने लगे थे बाद में महिलाओं-पुरुषों ने इसे इकट्ठा किया। साथ ही वे यह भी सीखने लगे होंगे कि यह अनाज कहा उगते थे और कब पककर तैयार होते थे। इसके पश्चात वे स्वमं कृषि करना सीख गये।

4. प्रथम शहर

1. निम्नलिखित में से कौन-सा मध्ययुगीन काल के वाणिज्यिक शहर का लक्षण/रूपक है?

(a) मंदिर अर्थव्यवस्था एवं समाज दोनों के लिए ही महत्वपूर्ण होता था।
(b) यह राजाओं की राजधानी होता था।
(c) वहाँ सामान्यतः मंडपिका होता था।
(d) पुरोहितों एवं तीर्थयात्री वहाँ के नागरिकों और यात्रियों की मुख्य संरचना/संयोजन बनाते थे।

CTET (VI-VIII) 01/01/2022

Ans. (c) : मध्ययुगीन काल में वाणिज्यिक शहर का मुख्य लक्षण वहाँ सामान्यतः मंडपिका का होना माना जाता था। मंडपिका का अर्थ है सीमा शुल्क चौकी या कार्यालय। वाणिज्यिक शहर उसे कहा जाता है, जहाँ विभिन्न उत्पादक केन्द्रों से आने वाला माल खरीदा और बेचा जाता है।
इस प्रकार स्पष्ट है कि विकल्प A, B और D वाणिज्यिक शहर के लक्षण नहीं हैं। विकल्प C सही है।

2. हड़प्पा सभ्यता के लोग बनाते थे :

(A) पत्थर की मुहरें
(B) पीले रंग से डिजाइन किए गए पात्र।
(C) लोहे से बनी तकलियाँ।
(D) सोने से बने बर्तन।

(a) केवल A, B तथा C (b) केवल B, C तथा D
(c) केवल A तथा C (d) केवल A तथा D

CTET (VI-VIII) 31/01/2021

Ans. (d) : हड़प्पा के नगरों से पुरातत्वविदों को जो चीजे मिली हैं उनमें अधिकतर पत्थर, शंख, ताँबे, काँसे, सोने और चाँदी जैसी धातुओं से बनाई गयी थी। ताँबे और काँसे से औजार, हथियार गहने और बर्तन बनाये जाते थे। सोने व चाँदी से गहने व बर्तन बनाये जाते थे।
हड़प्पा सभ्यता के लोग पत्थर की मुहर बनाते थे। इन आयताकार मुहरों पर सामान्यतः जानवरों के चित्र मिलते हैं।
हड़प्पा सभ्यता के लोग काले रंग से डिजाइन किए हुए लाल मिट्टी के बर्तन बनाते थे।

3. पुरास्थलों' के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सही है?

(A) वह स्थान जहाँ वस्तुओं के अवशेष मिलते हैं।
(B) ये केवल जमीन के ऊपर ही पाए जाते हैं।
(C) ये केवल जमीन के अन्दर ही पाए जाते हैं।
(D) ये समुद्र और नदी के तल में कभी नहीं पाए जाते हैं।

(a) केवल A, B और C (b) केवल D
(c) केवल A (d) केवल A और B

CTET (VI-VIII) 31/01/2021

Ans. (c) : पुरास्थल उस स्थान को कहते हैं जहाँ प्राचीन औजार, बर्तन और इमारतों जैसी वस्तुओं के अवशेष मिलते हैं। ऐसी वस्तुओं का निर्माण लोगों ने अपने काम के लिए किया था और बाद में वे उन्हें वहीं छोड़ गये। ये जमीन के ऊपर, अन्दर, कभी-कभी समुद्र और नदी के तल में भी पाए जाते हैं।
इस प्रकार पुरास्थलों के सन्दर्भ में दिये गये विकल्पों में से विकल्प (a) सही है।

4. हड़प्पा सभ्यता के नगरों (शहरों) के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा (से) कथन सत्य है?
(i) लोथल में अग्निकुण्ड मिले हैं जहाँ यज्ञ किए जाते होंगे।
(ii) कालीबंगा में जुते हुए खेतों के साक्ष्य मिले हैं।
(a) केवल (i) सत्य है।
(b) केवल (ii) सत्य है।
(c) (i) और (ii) सत्य हैं।
(d) (i) और (ii) दोनों गलत हैं।
CTET (VI-VIII) 03/01/2022 (Shift-II)
CTET (VI-VIII) 29/12/2021

Ans. (c) : कालीबंगा और लोथल जैसे नगरों में अग्निकुण्ड मिले हैं, जहाँ संम्भवतः यज्ञ किये जाते होंगे। कथन I सत्य है। जबकि कृषि के सन्दर्भ में कालीबंगा नामक स्थान में जुते हुए खेतों के साक्ष्य मिल हैं, जो आरम्भिक हड़प्पा स्तरों से संबद्ध है।

5. निम्नलिखित में से कौन-से कथन बुद्ध के उपदेशों के संबंध में सही हैं ?
A. हमारे कष्ट और दुख हमारे पिछले जन्मों के परिणाम हैं।
B. हमारे कष्ट और दुख हमारी लालसाओं और इच्छाओं की वजह से हैं।
C. एक खुशहाल जीवन के लिए बुद्ध के सभी अनुयायियों को उनके उपदेशों को मानना और पालन करना आवश्यक था।
सही विकल्प का चयन कीजिए :
(a) B और C (b) A और C
(c) A, B और C (d) A और B
CTET (VI-VIII) 20/08/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : बुद्ध के उपदेशः–
* हमारे कष्ट और दुःख हमारी लालसाओं और इच्छाओं के कारण हैं।
* हमारे कष्ट और दुःख हमारे पिछले जन्मों के परिणाम है।
* सम्यक् दृष्टि, सम्यक् संकल्प, सम्यक् वचन, सम्यक कर्म, सम्यक, आजीविका, सम्यक व्यायाम, सम्यक स्मृति, सम्यक समाधि।

6. भीमबेटका के पुरास्थल भारत के किस राज्य में पाए जाते हैं?
(a) आंध्र प्रदेश (b) मध्य प्रदेश
(c) महाराष्ट्र (d) कर्नाटक
CTET (VI-VIII) 20/01/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : भीमबेटका के पुरास्थल भारत के मध्य प्रदेश प्रान्त के रायसेन जिले में स्थित एक पुरापाषाणिक आवासीय पुरास्थल है। यह आदि मानव द्वारा बनाये गये शैल चित्रों और शैलाश्रयों के लिए प्रसिद्ध हैं। इसकी खोज 1957-1958 में डॉक्टर विष्णु श्रीधर वाकणकर द्वारा की गई थी। 2003 में यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया। यहाँ पर अन्य पुरावशेष भी मिले हैं, जिनमें प्राचीन किले की दीवार, लघु स्तूप, पाषाण निर्मित भवन, शुंग-गुप्त कालीन अभिलेख, शंख अभिलेख और परमार कालीन मंदिर के अवशेष सम्मिलित हैं।

7. निम्न शुरुआती नगरों में से किस स्थान से कपड़े के टुकड़ों के अवशेष चाँदी के एक फूलदान के ढक्कन से चिपके हुए मिले?
(a) मोहनजोदड़ो (b) हड़प्पा
(c) लोथल (d) कालीबंगा
CTET (VI-VIII) 23/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : मोहनजोदड़ों नगर से कपड़े के टुकड़ों के अवशेष चांदी के एक फूलदान के ढक्कन से चिपके हुए मिले। मोहनदजोदड़ो सैंधव सभ्यता का एक प्रमुख स्थल है। जिसके उत्खननकर्ता राखालदास बनर्जी द्वारा 1922 ई0 में किया गया था। मोहनजोदड़ो का शाब्दिक अर्थ 'मृतकों का टीला' होता है। मोहनजोदड़ों से ही कांसे की नर्तकी की मूर्ति प्राप्त हुई है। तथा मोहनजोदड़ो से पुजारी की घड़ वाली मूर्ति प्राप्त होने के साथ एक अन्नागार प्राप्त हुआ है जो संभवतः सैंधव सभ्यता की सबसे बड़ी इमारत है।

8. भारतीय उपमहाद्वीप में प्रारंभिक नगरों के संदर्भ में निम्नलिखित का मिलान कीजिए और उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिएः

सूची- I	**सूची- II**
(a) नगर-दुर्ग	(i) लोथल
(b) अग्निकुण्ड	(ii) हड़प्पा
(c) भंडार गृह	(iii) कालीबंगा
(d) बन्दरगाह	(iv) मोहनजोदड़ों

	a	b	c	d
(1)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(2)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(3)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(4)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)

CTET (VI-VIII) 25/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

सूची – I		सूची – II
नगर-दुर्ग	–	मोहन जोदड़ों
अग्नि कुण्ड	–	कालीबंगा
भंडार गृह	–	हड़प्पा
बंदरगाह	–	लोथल

9. निम्नलिखित में से कौन-सा हड़प्पा का स्थल नहीं है?
(a) राखीगढ़ी (b) सोत्काकोह
(c) गंवेरीवाला (d) चिराँद
CTET (VI-VIII) 21/09/2014

Ans. : (d) चिरांद नवपाषाण कालीन स्थल है जो बिहार के सारण जिले में स्थित है यहाँ से हिरण सींग से निर्मित उपकरणें की प्राप्ति हुई है। जबकि राखीगढ़ी, सोत्काकोह तथा गंवेरीवाला हड़प्पा कालीन स्थल हैं।

10. नीचे कुछ स्थानों एवं वर्तमान राज्य के नाम दिए गए हैं जहाँ अनाज और पालतू पशुओं के प्रमाण/साक्ष्य पाए गए हैं

स्थान का नाम	**वर्तमान राज्य**
A. चिरान्द	I. कश्मीर
B. कोल्डिहवा	II. उत्तर प्रदेश
C. बुर्जहोम	III. आन्ध्र प्रदेश
D. हालुर	IV. बिहार

उपरोक्त दो कॉलमों के सहीं जोड़े हैं
(a) I, III, IV, II (b) II, I, III, IV
(c) IV, II, I, III (d) III, IV, II, I
CTET (VI-VIII) 16/02/2014

Ans. : (c) स्थान	राज्य
चिरांद	बिहार
कोल्डिहवा	उत्तरप्रदेश
बुर्जहोम	कश्मीर
हालुर	आंध्रप्रदेश

11. मध्य प्रदेश में स्थित भीमबेटका एक.....पुरास्थल है।

(a) पुरापाषाणिक (b) नवपाषाणिक
(c) महापाषाणिक (d) सूक्ष्मपाषाणिक

CTET (VI-VIII) 28/07/2013

Ans. : (a) पुरापाषाणिक स्थल भीमबेटका मध्यप्रदेश में स्थित हैं भीम बेटका गुफा से शैलचित्रों के अवशेष मिलते है।

12. निम्नलिखित में से कौन-सा 'पुरापाषाण स्थल' है?

(a) भीमबेटका (b) बुर्जहोम
(c) इनामगाँव (d) हल्लर

CTET (VI-VIII) 18/11/2012

Ans. : (a) भीमबेटका एक समृद्ध पाषाण कालीन स्थल है। भीमबेटका रायसेन जिला भोपाल (म.प्र.) में स्थित है। भीमबेटका गुफा में शैलचित्रों के अवशेष प्राप्त हुआ है।

13. ऐतिहासिक स्थल वह है जहाँ–

(a) अतीत के स्मृति शेष/अवशेष मिलते हैं
(b) उत्खनन के क्रियाकलाप होते हैं
(c) इतिहास-प्रिय लोग जुटते हैं
(d) इतिहासकार इतिहास लिखते हैं

CTET (VI-VIII) 29/01/2012

Ans. : (a) वह स्थल जहाँ अतीत के स्मृति शेष/अवशेष मिलते हैं उसे ऐतिहासिक स्थल कहते हैं।

14. लगभग 3900 वर्ष पूर्व, आरम्भिक नगर हड़प्पा और मोहनजोदड़ों, कई कारणों से समाप्ति की कगार पर आने लगे। निम्नलिखित में से कौन-सा उन कारणों में से एक कारण नहीं है?

(a) जंगलों के विनाश और बाढ़ के कारण नगर नष्ट हुए
(b) मवेशियों के बड़े-बड़े झुण्डों द्वारा चारागाह और घास वाले मैदानों को चराने से मृदा आवरण नष्ट हो गया
(c) नदियाँ सूख गई जिसके कारण नगर समाप्त हुए
(d) नगरों के बीच आपसी प्रतिद्वन्द्विता और लड़ाई

CTET (VI-VIII) 26/06/2011

Ans. : (d) लगभग 3900 वर्ष पहले आरम्भिक नगर हड़प्पा और मोहनजोदड़ो कई कारणों से समाप्ति की कगार पर आने लगे अचानक नगरों को छोड़ दिया। लेखन, मुहर और बाटों का प्रयोग बंद हो गया। इसके अतिरिक्त पतन के कई लक्षण दिखाई पड़ने लगे जिनके निम्न कारण थे–
जंगलों का विनाश और बाढ़ के कारण नगर नष्ट हुए।
मवेशियों के बड़े-बड़े झुण्डों द्वारा चारागाह और घास वाले मैदानों को चराने से मृदा आवरण नष्ट हो गया।
नदियाँ सूख गयी जिसके कारण नगर समाप्त हुए।
क्षेत्र पर शासकों का नियंत्रण समाप्त हो गये जिससे नगरों का पतन हो गया।

15. हड़प्पा सभ्यता का पतन कैसे हुआ ?

A. ऐसा लगता है कि शासकों का नियंत्रण समाप्त हो गया।
B. जंगलों का विनाश हो गया होगा।
C. सभ्यता के पूरे क्षेत्र में बाढ़ आ गई।
D. संभवतः नदियाँ सूख गई थीं।
सही व्याख्या का चयन करें–

(a) A, B, D (b) A, C, D
(c) B, C, D (d) A, B, C

CTET (VI-VIII) 08/12/2019

Ans. (a) : हड़प्पा सभ्यता का उदय 2600 ई.पू.– 1900 ई.पू. के दौरान माना जाता है। लगभग 3900 साल पहले इस सभ्यता का पतन माना जाता है। विद्वानों के मतानुसार इसके निम्नलिखित कारण हो सकते हैं–
1. नदियाँ सूख गई थीं।
2. जंगलों का विनाश हो गया था।
3. मवेशियों के बड़े–बड़े झुंडों से चारागाह और घास वाले मैदान समाप्त हो गए थे।
4. कुछ इलाकों में बाढ़ आ गई थी।
5. बाढ़ और नदियों के सूखने का असर कुछ ही इलाकों में हुआ होगा क्योंकि सभी हड़प्पा कालीन नगर नदियों के किनारे नहीं बसे थे।
6. शासकों का नियंत्रण समाप्त हो गया होगा।

16. भारत के निम्नलिखित राज्यों में से किस एक राज्य में हड़प्पा के नगर सबसे बड़ी संख्या में मिले हैं?

(a) पंजाब (b) हरियाणा
(c) गुजरात (d) जम्मू और कश्मीर

CTET (VI-VIII) 09/12/2018

Ans. (c) : भारत के गुजरात राज्य में हड़प्पा के नगर सबसे बड़ी संख्या में मिले हैं। गुजरात में लोथल के बाद अभी कुछ समय पूर्व खोजे गए धौलावीरा को भी नगर की संज्ञा दी गई है। लोथल सुरकोटदा तथा धौलावीरा प्रमुख पत्तन शहर की श्रेणी में आते हैं। सबसे अधिक हड़प्पा स्थल गुजरात में पाए गए हैं।

17. निम्नलिखित में से हरप्पन मुहर के बारे में कौन-सा/से कथन सही है?

(A) हड़प्पा संस्कृति के लोग पत्थरों से मुहर बनाते थे।
(B) मुहर सामान्यतः गोलाकार होती थी।
(C) मुहर में एक जानवर की आकृति गढ़ी होती थी।
विकल्प :

(a) केवल (A) (b) (A) और (B)
(c) (B) और (C) (d) (A) और (C)

CTET (VI-VIII) 28/01/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : पुरातत्वविदों ने सिंधु घाटी के विभिन्न स्थलों पर हजारों मुहरों की खोज की। इन मुहरों पर जानवरों की सुन्दर आकृतियाँ जैसे - गैंडा, बैल, बाघ, हाथी, जंगली बैल आदि थी। यह मुहरें पत्थर की बनी होती थी।
मुहरों का मुख्य उद्देश्य वाणिज्यिक था। हड़प्पा सभ्यता की सबसे विशिष्ट मुहर चौकोर आकार की होती थी। सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे प्रसिद्ध मुहर पशुपति मुहर है। अतः कथन-A और कथन-C सत्य है।

18. भारत में चार पुरातात्विक स्थलों के नाम नीचे दिए गए हैं?

(A) पैय्यमपल्ली (B) भीमबेटका
(C) हुन्सगी (d) बुर्जहोम
निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प उत्तर से दक्षिण दिशा में इन पुरास्थलों की स्थिति का सही क्रम प्रस्तुत करता है?

(a) (A), (B), (C), (D) (b) (B), (C), (A), (D)
(c) (B), (D), (A), (B) (d) (D), (B), (C), (A)

CTET (VI-VIII) 28/01/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : भारत के चार पुरातात्विक स्थलों का उत्तर से दक्षिण की ओर सही क्रम निम्न है–
(D) बुर्जहोम (जम्मू और कश्मीर)
(B) भीमबेटका (मध्य प्रदेश)
(C) हुन्स्गी (कर्नाटक)
(A) पैय्यमपल्ली (तमिलनाडु)

19. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द इतिहास में 'पुरास्थल' की सही व्याख्या प्रस्तुत करता है ?

(a) वह स्थान जहाँ पत्थर के औजारों का निर्माण किया जाता था।
(b) वह स्थान जहाँ औजार, बर्तन और इमारतों जैसी वस्तुओं के अवशेष मिले हों।
(c) वह स्थान जहाँ आखेटक-खाद्य संग्राहक रहते थे।
(d) वह स्थान जहाँ प्राचीन इंजीनियरिंग कार्य के अवशेष मिले हों।

CTET (VI-VIII) 06/02/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : वह स्थान जहाँ औजार, बर्तन और इमारतों जैसी वस्तुओं के अवशेष मिले हों यह तथ्य इतिहास में पुरास्थल की सही व्याख्या प्रस्तुत करता है। प्राचीन भारतीय इतिहास की विशद सामग्री को समझने योग्य बनाने के लिए इतिहासकारों ने इसे तीन भागों में बाँटा हैं–
(A) प्रागैतिहासिक काल
(B) आद्य - ऐतिहासिक काल
(C) ऐतिहासिक काल
प्रागैतिहासिक काल का इतिहास पूर्णतः पुरातात्विक साक्ष्यों से ही ज्ञात होता है, क्योंकि इस काल का कोई लिखित साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं।

20. 'इण्डस' शब्द को संस्कृत में _____ कहा जाता है।

(a) हिंदोस (b) इण्डोस
(c) सिंधु (d) भारत

CTET (VI-VIII) 13/01/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : इण्डस शब्द को संस्कृत में 'सिंधु' कहा जाता है। इण्डस शब्द संस्कृत के सिंधु शब्द से लिया गया है, जो सिंधु (इंडस) नदी का स्थानीय नाम है। सिंधु नदी भारतीय उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिम भाग से होकर बहती है। सिंधु का अर्थ समुद्र भी होता है। सिंधु नदी ऐतिहासिक रूप से एशिया में प्रसिद्ध नदी है। यह तिब्बत के पठार से उत्पन्न होती है। और फिर लद्दाख से होकर बहती हुई पाकिस्तान में प्रवेश करती है और अंत में 3180 किमी की दूरी तय करने के बाद अरब सागर में मिल जाती है।

21. निम्नलिखित में से कौन-सा महापाषाण युगीन स्थल है?

(a) ब्रह्मगिरि (b) दाओजली हेडिंग
(c) भीमबेटका (d) मेहरगढ़

CTET (VI-VIII) 13/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : ब्रह्मगिरि एक महापाषाण युगीन स्थल है। महापाषाण काल के लोग पशुपालन, कृषि कार्य जैसी क्रियाएँ करते थे। महापाषाण काल में (कुठार संस्कृति) के समय शिशुओं और वयस्कों के शवों को गाड़ने की अनेक विधियाँ प्रचलित थी। ब्रह्मगिरि कर्नाटक राज्य के चित्रदुर्ग जनपद में स्थित है। इसी क्षेत्र में सिद्धपुर नामक ग्राम है। जहाँ अशोक का एक शिलालेख मिला है। ब्रह्मगिरि में सर्वप्रथम दक्षिण भारत में पाषाण युग के आरम्भ से आद्य ऐतिहासिक काल के आरम्भ तक की मानव संस्कृति के अनेक चरणों के अवशेष प्राप्त हुए है।

22. निम्नलिखित में से कौन-से पुरापाषाण स्थल में चूना-पत्थर से बने औजार मिले थे ?

(a) कोल्डिहवा (b) इनामगाँव
(c) ब्रह्मगिरि (d) हुँस्गी

CTET (VI-VIII) 20/08/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : हुँस्गी, कर्नाटक में स्थित एक पुरापाषाण कालीन स्थल है। यह संभवतया आवास और उद्योग स्थल था। इनमें से कुछ पुरास्थल झरनों के निकट थे। यहाँ अधिकांश औजार चुना पत्थर के बनाये जाते थे।

23. ''हड़प्पा'' निवासी संबंध रखते थेः

(a) काँस्य युग से (b) ताँबा (ताम्र) युग से
(c) पीतल युग से (d) लौह युग से

CTET (VI-VIII) 31/12/2021

Ans. (a) : हड़प्पा निवासी काँस्य युग से सम्बन्ध रखते थे। हड़प्पा या सिंधु घाटी सभ्यता काँस्ययुगीन सभ्यता थी। जो ताम्रयुगीन और लौहयुगीन संस्कृति के बीच की संक्रमण की स्थिति थी।

नवपाषाण-काल के अन्त में धातु का इस्तेमाल शुरु हुआ। ताँबा पहली धातु थी जिसका इस्तेमाल मानव ने किया। पत्थर और ताँबा दोनों के इस्तेमाल पर आधारित संस्कृति को ताम्र-पाषाण संस्कृति कहते हैं। काँसा, ताँबा और रांगा की मिश्र धातु है।

24. आरंभिक मानव के पाषाण काल पुरास्थलों का पुरास्थलों से प्राप्त प्रमाणों के साथ मिलान करें-

A.	**कुरनूल**	**I.**	**शुतुरमुर्ग के अण्डे**
B.	**भीमबेटका**	**II.**	**भस्म अवशेष**
C.	**हुँरूगी**	**III.**	**गुफाएँ और कन्दराएँ**
D.	**पटना**	**IV.**	**आवास और उद्योग-स्थल**

(a) A-IV, B-I, C-III, D-II
(b) A-III, B-I, C-II, D-IV
(c) A-II, B-III, C-IV, D-I
(d) A-I, B-IV, C-II, D-III

CTET (VI-VIII) 27/12/2021

Ans. (c) :

A.	करनूल	→	भस्म अवशेष
B.	भीमबेटका	→	गुफाएँ और कन्दराएँ
C.	हुँरुगी	→	आवास और उद्योग स्थल
D.	पटना	→	शुतुरमुर्ग के अण्डे

25. निम्नलिखित का सुमेल करें :

	स्थल/स्थान		**States**
A.	**भीमबेटका**	**I.**	**महाराष्ट्र**
B.	**राजगृह**	**II.**	**कर्नाटक**
C.	**इनामगाँव**	**III.**	**बिहार**
D.	**ब्रह्मगिरी**	**IV.**	**मध्य प्रदेश**

(a) A-I, B-II, C-III, D-IV
(b) A-I, B-IV, C-II, D-III
(c) A-IV, B-III, C-I, D-II
(d) A-IV, B-III, C-II, D-I

CTET (VI-VIII) 29/12/2021

Ans. (c) : सही सुमेलन इस प्रकार है–

	स्थल/स्थान		राज्य
(A)	भीमबेटका	(iv)	मध्य प्रदेश
(B)	राजगृह	(iii)	बिहार
(C)	इनामगाँव	(i)	महाराष्ट्र
(D)	ब्रह्मगिरी	(ii)	कर्नाटक

26. निम्नलिखित हड़प्पाकालीन नगरों में से गुजरात में कौन स्थित हैं?

(a) धौलावीरा और मेहरगढ़
(b) कोल्डिहवा और राखीगढ़ी
(c) लोथल और कोल्डिहवा
(d) धौलावीरा और लोथल

CTET (VI-VIII) 08/01/2022

Ans. (d) : धौलावीरा और लोथल गुजरात राज्य में स्थित है। धौलावीरा गुजरात राज्य के कच्छ जिले में स्थित है, लोथल भी गुजरात राज्य के अहमदाबाद जिले में स्थित है। इसकी खोज 1954 में हुई थी। लोथल सिन्धु सभ्यता का बन्दरगाह था। मेहरगढ़ वर्तमान बलूचिस्तान (पाकिस्तान) में है। राखीगढ़ी हरियाणा के हिसार जिले में स्थित है। कोल्डिहवा प्रयागराज के दक्षिण-पश्चिम में मेजा तहसील के पास स्थित है।

27. मिले हुए साक्ष्यों का पुरास्थल के साथ मिलान किजिए।

	List I - अनाज और हड्डियाँ		List II - पुरास्थल
A	ज्वार-बाजरा, मवेशी, भेड़, बकरी, सुअर	(i)	गुफकराल (कश्मीर)
B	गेहूँ और दलहन	(ii)	महागड़ा (उत्तर प्रदेश)
C	मिट्टी पर खुरों के चिन्ह	(iii)	हल्लूर (आंध्र प्रदेश)
D	चावल, जानवरों की हड्डियों के टुकड़े	(iv)	कोल्डिहवा (उत्तर प्रदेश)

(a) A-iii, B-I, C-ii, D-iv (b) A-iv, B-ii, C-iii, D-i
(c) A-iii, B-iv, C-ii, D-i (d) A-ii, B-i, C-iv, D-iii

CTET (VI-VIII) 10/01/2022

Ans. (a) :
- ज्वार बाजरा, मवेशी, भेड़, बकरी, सुअर - हल्लूर (आंध्र प्रदेश)
- गेहूँ और दलहन - गुफकराल (कश्मीर)
- मिट्टी पर खुरों के चिह्न - महागड़ा (उत्तर प्रदेश)
- चावल, जानवरों की हड्डियों के टुकड़े- कोल्डिहवा (उत्तर प्रदेश)

नोट : हल्लूर कर्नाटक राज्य में अवस्थित है लेकिन कक्षा 6 में आंध्र प्रदेश में स्थित बताया गया है। इसकी खोज 1962 में नागराजा राव में की थी।

कोल्डिहवा उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में है यहाँ से चावल और जानवरों की हड्डियाँ प्राप्त हुई हैं।

28. निम्नलिखित में से किस सिंधु घाटी सभ्यता स्थल पर वयस्क लोगों को प्रायः गड्ढे में सीधा लिटा कर दफनाया जाता था, उनका सिर उत्तर की ओर होता था?

(a) लोथल (b) गुफकराल
(c) मेहरगढ़ (d) इनामगाँव

CTET (VI-VIII) 10/01/2022

Ans. (d) : इनामगाँव सिंधु घाटी सभ्यता स्थल पर वयस्क लोगों को प्रायः गड्ढे में सीधा लिटाकर दफनाया जाता था, उनका सिर उत्तर की ओर होता था। इनामगाँव महाराष्ट्र के पुणे जिले में स्थित एक पुरातात्विक स्थल है। यह घोड़ नदी के तट पर है। लोथल गुजरात राज्य में स्थित बन्दरगाह है। गुफकराल जम्मू कश्मीर तथा मेहरगढ़ पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रान्त में स्थित है।

29. पहले के पुरास्थलों में से एक पुरास्थल बुर्ज़होम में खाना पकाने के लिए चूल्हों के चिह्न मिले हैं-

(a) झोपड़ियों के अन्दर
(b) झोपड़ियों के बाहर
(c) झोपड़ियों के अन्दर और बाहर दोनों
(d) झोपड़ियों से दूर

CTET (VI-VIII) 11/01/2022

Ans. (c) : बुर्ज़होम में खाना पकाने के चूल्हों के चिन्ह झोपड़ियों के अन्दर और बाहर दोनों ओर मिले हैं, बुर्ज़होम एक पुरास्थल है जो कश्मीर की घाटी में श्रीनगर से उत्तर पूर्व की ओर स्थित है इसे स्थानीय भाषा में 'प्लेस ऑफ विर्च' कहा जाता था ये भूरे रंग के मृदभाण्डों का प्रयोग करते थे। 1936 में बुर्ज़होम की खुदाई प्रारम्भ हुई यह भारत का सबसे उत्तरी उत्खनित नवपाषाण स्थल है।

5. प्रारम्भिक राज्य

1. निम्नलिखित में से कौन-सा क्षेत्र प्राचीन काल में 'मगध' के नाम से जाना जाता था?

(a) गंगा का दक्षिणी क्षेत्र
(b) गंगा तथा यमुना के मध्य का क्षेत्र
(c) गंगा तथा उत्तरी क्षेत्र
(d) यमुना तथा चम्बल के मध्य का क्षेत्र

CTET (VI-VIII) 21/09/2014

Ans. : (a) छठी शताब्दी ई.पू. गंगा के दक्षिणी तट पर मगध साम्राज्य का उदय हुआ। वर्तमान बिहार राज्य के गया, पटना तथा शाहाबाद जिले मगध सम्राज्य विस्तृत था। इसकी राजधानी राजगिरी था। मगध सम्राज्य की स्थापना हर्यक वंश के शासक बिबिसार द्वारा की गई थी। यह सम्राज्य तत्कालिक 16 महाजनपदों से सबसे शक्तिशाली महाजनपद था।

2. ज्यादातर 'महाजनपदों' की मजबूत किलेबन्दी थी, क्योंकि–

(a) वे इनकी समृद्धि और शक्ति को प्रदर्शित करते थे
(b) शासकों को आक्रमण का भय था और वे स्वयं की रक्षा को सुनिश्चित करना चाहते थे
(c) ये उनके 'समृद्ध' योद्धा परम्पराओं के प्रतीक थे
(d) इनके आस-पास लकड़ी, ईटों या पत्थरों की उपलब्धि थी

CTET (VI-VIII) 26/06/2011

Ans. : (b) महाजनपदों की उत्पत्ति महत्वाकांक्षा के कारण हुई। तत्कालीन परिस्थितियों में प्रत्येक महाजनपद अपनी सेना तथा साम्राज्य का विस्तार करना चाहता था। इस लिए प्रत्येक महाजनपद अपने राज्य की रक्षा के लिए अपने महाजनपदों की मजबूत किलेबंदी करते थे। बुद्ध काल में महाजनपदों की संख्या 16 थी।

3. छठी शताब्दी ईसा पूर्व में मगध महाजनपद के पहले शासक थे–

(a) महावीर (b) प्रसेनजीत
(c) बिम्बिसार (d) अजातशत्रु

CTET (VI-VIII) 09/12/2018

Ans. (c) : बिम्बिसार 544 ई.पू. में मगध के प्रथम शासक बने। बिम्बिसार को मगध साम्राज्य का वास्तविक संस्थापक माना जाता है। बिम्बिसार मगध के हर्यक वंश का संस्थापक था। यह प्रथम भारतीय राजा था जिसने प्रशासनिक व्यवस्था पर बल दिया। बिम्बिसार अंग राज को मगध में मिलाया। बिम्बिसार की मृत्यु का कारण उसका अपना पुत्र आजातशत्रु था। आजातशत्रु 493 ई.पू. में गद्दी पर बैठा।

4. निम्नलिखित कथनों (A) और (R) को पढ़िए तथा सही विकल्प का चयन कीजिए।

अभिकथन (A) : लगभग 2500 वर्ष पहले, कुछ जनपद दूसरों की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण हो गए और इन्हें महाजनपद कहा जाने लगा।

कारण (R) : सही तरीके से किलेबंदी की गई, सेनाएँ खड़ी की गई और सेनाओं के रखरखाव के लिए एक सही कर प्रणाली (व्यवस्था) लागू की गई।

Options/विकल्प :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

(b) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) सही है परन्तु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है परन्तु (R) सही है।

CTET (VI-VIII) 29/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : प्राचीन भारत में जनपद धीरे-धीरे शक्तिशाली होकर महाजनपद का स्वरूप ग्रहण कर लिए इन्होने सही तरीके से किले बड़ी की बढ़ी सेनाओं का गठन किया आस-पास के क्षेत्रों को विजित किया और सेनाओं के रखरखाव के लिए एक सही कर प्रणाली लागू की गई तथा नवीन प्रशासनिक व्यवस्था की स्थापना की गई। अतः (A) और (R) दोनों सत्य है और (R), (A) की सही व्याख्या करता हैं।

5. निम्नलिखित में से कौन-सा महाजनपदों के नियमित रूप से कर वसूलने के संदर्भ में सही नहीं है?

(a) आखेटकों तथा संग्राहकों को भी जंगल से प्राप्त वस्तुएँ राजा को देनी होती थीं।

(b) व्यापार में खरीदी व बेची जाने वाली वस्तुओं पर कर लगाया जाता था।

(c) ज्यादातर फसलों पर कर उपज का $\frac{1}{2}$ (आधा) हिस्सा निर्धारित होता था।

(d) चरवाहों को जानवरों या उनके उत्पाद के रूप में कर देना पड़ता था।

CTET (VI-VIII) 20/08/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : महाजनपदों के पास विशाल किले थे और बड़ी सेना रखते थे, इसलिए उन्हें प्रचुर संसाधनों की आवश्यकता होती थी। इसके लिए उन्हें कर्मचारियों की भी आवश्यकता होती थी। अतः महाजनपदों के राजा लोगों द्वारा समय-समय पर लाए गए उपहारों पर निर्भर न रहकर अब नियमित रूप से कर वसूलने लगे थे।

* फसल पर कर (1/6)
* कारीगरों के ऊपर लगाए गए कर
* पशुपालकों को जानवरों या उनके उत्पाद के रूप में कर देना पड़ता था।
* व्यापारियों को सामान पर कर देना पड़ता था।
* आखेटकों तथा संग्राहकों को जंगल से प्राप्त वस्तुएँ देनी होती थी।

6. महाजनपदों के राजाओं (शासकों) ने नियमित रूप से कर वसूले। निम्नलिखित में से कौन-से कर के स्त्रोत थे।

(a) फसलों पर कर

(b) शिल्पकारों पर कर

(c) व्यापारियों पर कर

(d) तीर्थयात्रियों पर कर

सही विकल्प का चयन कीजिए।

(a) (a), (b) और (c) (b) (a), (b) और (d)

(c) (a) और (b) (d) (a) और (d)

CTET (VI-VIII) 12/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : महाजनपदों के राजा लोगों द्वारा समय-समय पर लाए गए उपहारों पर निर्भर न रहकर अब नियमित रूप से कर वसूलने लगे जो निम्न है–

(i) फसलों पर लगाए गए कर

(ii) शिल्पकारों पर कर

(iii) व्यापारियों पर कर

(iv) पशुपालकों को जानवरों या उनके उत्पाद के रूप में कर देना पड़ता था।

(v) आखेटकों तथा संग्राहकों को जंगल से प्राप्त वस्तुएँ देनी होती थी।

इस प्रकार महाजनपद काल में तीर्थयात्रियों पर कर का कोई प्रावधान नहीं मिलता है तथा विकल्प (A) के अन्तर्गत कथन (A), (B) और (C) सही है।

7. निम्न वक्तव्यों (a) और (b) पर विचार कर, सही उत्तर का चयन कीजिए:

वक्तव्य (a) : महाजनपदों के शासक केवल किसानों से नियमित रूप से कर वसूलते थे।

वक्तव्य (b) : औज़ार बनाने और कृषि में उन्नति ने अनाज की अधिक पैदावार को बढ़ाया।

(a) (a) सही है और B गलत है।

(b) A और B दोनों सही है और B सही व्याख्या है A की

(c) A गलत है और B सही है।

(d) A और B दोनों सही है, परन्तु B सही व्याख्या नहीं है A की

CTET (VI-VIII) 30/12/2021

Ans. (c) : महाजनपद, प्राचीन भारत में राज्य या प्रशासनिक इकाइयों को कहते थे। उत्तर वैदिक काल में कुछ जनपदों का उल्लेख मिलता है। महाजनपदों के शासक किसान, व्यापारियों, शिल्पियों से नियमित कर वसूलते थे। बढ़ते व्यापार वाणिज्य ने कृषि में अधिशेष उत्पादन को बढ़ावा दिया जिससे नगरीय अर्थव्यवस्था का जन्म हुआ। चम्पा, श्रावस्ती, काशी, कौशाम्बी आदि बड़े नगरों का जन्म हुआ।

8. A, B और C कथनों को पढ़ें और सही उत्तर का चयन कीजिए।

लगभग दो सौ सालों के भीतर मगध सबसे महत्वपूर्ण जनपद क्यों बन गया?

A. कई नदियाँ जैसे गंगा और सोन मगध से होकर बहती थीं।

B. मगध का एक हिस्सा जंगलों से भरा था।

C. इस क्षेत्र में लौह अयस्क की खदानें हैं।

(a) A और B (b) B और C

(c) C और A (d) A, B और C

CTET (VI-VIII) 01/01/2022

Ans. (d) : लगभग दो सौ सालों में मगध सबसे महत्त्वपूर्ण जनपद बन गया था, क्योंकि गंगा और सोन जैसी बड़ी नदियाँ मगध जनपद से प्रवाहित होती थी, जिससे मिट्टी उपजाऊ और सिंचाई के लिए जल की उपलब्धता थी। मगध का एक हिस्सा जंगलों से भरा था। इसके अतिरिक्त इस जनपद में लौह अयस्क की खदानें भी हैं, जो यंत्र और उत्तम कोटि के हथियारों के निर्माण के लिए कच्चे माल उपलब्ध कराती है।

मगध सोलह महाजनपदों में एक था। आधुनिक पटना और गया जिले के अन्तर्गत आता था। राजगृह (आधुनिक राजगीर) कई सालों तक मगध की राजधानी बना रहा। बाद में पाटलिपुत्र (आधुनिक पटना) राजधानी बना। सोन नदी अमरकण्टक से निकलकर पटना में गंगा नदी के दाहिने मिलती है।

9. महाजनपदों में मिलने वाले वलयकूप का उपयोग होता था :

(A) कपड़े धोने में **(B)** सिंचाई में

(C) कूड़ेदान के रूप में **(D)** नाली के रूप में

सही विकल्प का चयन करें

(a) A और B (b) B और D

(c) C और D (d) A और C

CTET (VI-VIII) 22/12/2021

Ans. (c) : महाजनपदों में मिलने वाले 'वलयकूप' का उपयोग कूड़ेदान के रूप में, नाली के रूप में होता था। लगभग छठी शताब्दी ई.पू. में गंगा यमुना दोआब एवं बिहार में 16 महाजनपदों का अस्तित्व दिखाई देता है। इतिहासकार गार्डन चाइल्ड ने इसे भारत की द्वितीय नगरीय क्रांति कहा है। बौद्ध ग्रंथ अंगुत्तर निकाय एवं जैन ग्रंथ भगवती सूत्र में 16 महाजनपदों का उल्लेख मिलता है। छठी शताब्दी ई. पूर्व के उत्तरार्ध में चार राज्य अत्यधिक शक्तिशाली थे काशी, कोशल, मगध, वज्जि, तमिल ग्रंथ शिल्पादिकारम में तीन महाजनपद– वत्स, मगध, अवन्ति का उल्लेख मिलता है इन 16 महाजनपदों में से 14 राजतंत्र और दो (वज्जि, मल्ल) गणतंत्र थे।

10. निम्नलिखित में से कौन-सा एक महाजनपद के शासकों द्वारा वसूल किया जाने वाला नियमित कर <u>नहीं</u> हैं?

(a) फसल पर कर (b) शिल्पकार पर कर

(c) चरवाहों पर कर (d) परिवार पर कर

CTET (VI-VIII) 12/01/2022

Ans. (d) : परिवार पर कर महाजनपद के शासको द्वारा वसूल किया जाने वाला नियमित कर नहीं था। महाजनपद काल में कर व्यवस्था सुदृढ़ आधार पर स्थापित थी। करों का बोझ मुख्यतः किसानों पर था । उपज का छठा भाग कर के रूप में लिया जाता था। कर संग्रह करने वाले अधिकारियों में सबसे प्रधान 'ग्राम भोजक' था। बौद्ध साहित्य अंगुत्तर निकाय के अनुसार, छठी शताब्दी ई0 पू0 में भारतीय उपमहाद्वीप में सोलह महाजनपदों के उदय की जानकारी मिलती है। कर देने वालों का आधार बढ़ा और शिल्पी और व्यापारी नये करदाता हो गये। महाजनपद काल आते-आते चरवाहों पर नियमित रूप से कर लिया जाने लगा।

6. नए विचार

1. निम्नलिखित में से कौन-से कथन बुद्ध के उपदेशों के संबंध में सही हैं ?

A. हमारे कष्ट और दुख हमारे पिछले जन्मों के परिणाम हैं।

B. हमारे कष्ट और दुख हमारी लालसाओं और इच्छाओं की वजह से हैं।

C. एक खुशहाल जीवन के लिए बुद्ध के सभी अनुयायियों को उनके उपदेशों को मानना और पालन करना आवश्यक था।

सही विकल्प का चयन कीजिए :

(a) B और C (b) A और C

(c) A, B और C (d) A और B

CTET (VI-VIII) 20/08/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : <u>बुद्ध के उपदेश</u>:–

* हमारे कष्ट और दुःख हमारी लालसाओं और इच्छाओं के कारण हैं।
* हमारे कष्ट और दुःख हमारे पिछले जन्मों के परिणाम है।
* सम्यक् दृष्टि, सम्यक् संकल्प, सम्यक् वचन, सम्यक कर्म, सम्यक, आजीविका, सम्यक व्यायाम, सम्यक स्मृति, सम्यक समाधि।

2. कौन से बौद्ध साहित्य में बौद्ध संघ के लिए बनाए गए नियमों का वर्णन मिलता है?

(a) सुत्त पिटक (b) विनय पिटक

(c) अभिधम्म पिटक (d) बुद्धचरिता

CTET (VI-VIII) 30/01/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : महात्मा बुद्ध का मानना था कि घर का त्याग करने पर ही सच्चे ज्ञान की प्राप्ती हो सकती है। ऐसे लोगों के लिए उन्होंने संघ नामक संगठन बनाया जहाँ घर का त्याग करने वाले लोग एक साथ रह सकें। संघ में रहने वाले बौद्ध भिक्षुओं के लिए बनाए गये नियम विनयपिटक नामक ग्रन्थ में मिलता हैं।

सुत्त पिटक – सुत्त पिटक में बौद्ध धर्म के उपदेशों का संग्रह है।

अभिधम्मपिटक – बौद्ध धर्म के दार्शनिक सिद्धान्त का प्रश्नोत्तर के रूप में वर्णन है।

3. निम्नलिखित स्तूपों में से किस एक को उस स्थान के रूप में चिह्नित किया गया है, जहाँ बुद्ध ने पहली बार उपदेश दिया था?

(a) सारनाथ (b) बोधगया

(c) साँची (d) थोटलाकोंडा

CTET (VI-VIII) 21/02/2016

Ans. : (a) बुद्ध द्वारा गया में ज्ञान प्राप्ति के बाद बौद्ध धर्म की स्थापना का प्रयास किया गया तथा बौद्ध धर्म की शिक्षा का प्रचार-प्रसार करने के लिए सर्वप्रथम **सारनाथ** में उपदेश दिया भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तथा कांग्रेस नेता मौलाना तथा यही पर बौद्ध संघ की स्थापना की गई। बुद्ध द्वारा दिया गया प्रथम उपदेश की इस घटना को **धर्मचक्र प्रवर्त्तन** के नाम से जाना जाता है।

4. चोल वंश के शासन के दौरान तंजावुर और उरैयुर में कौन-से समुदाय के बुनकर मंदिर के झण्डों के लिए कपड़े तैयार करते थे?

(a) पदमाशाली (b) देवंग
(c) पणिका (d) सलिया

CTET (VI-VIII) 10/01/2022

Ans. (d) : चोल वंश के शासन के दौरान तंजावुर और उरैयुर में सलिया समुदाय के बुनकर मंदिर के झण्डों के लिए कपड़े तैयार करते थे। ये केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु राज्य में आज भी पाए जाते हैं। चोल राजवंश नौंवी शताब्दी से 13वीं शताब्दी तक अत्यन्त शक्तिशाली हिन्दू साम्राज्य था। चोलकला में मंदिर शिक्षा के केन्द्र थे। कई उद्योगों और शिल्पियों को मंदिरों के कारण आजीविका मिलती थी। चोल वंश का संस्थापक विजयालय था।

5. निम्नलिखित में से कौन-सा विषम जोड़ा है?
दार्शनिक परंपरा- संस्थापक
(a) वैशेषिक - कणाद (b) न्याय- गौतम
(c) योग - पतंजलि (d) वेदांत- जैमिनी

CTET (VI-VIII) 21/01/2022

Ans. (d) : सही सुमेलित इस प्रकार है –

दार्शनिक परम्परा	-	**संस्थापक**
वैशेषिक	-	कणाद
न्याय	-	गौतम
योग	-	पंतजलि
पूर्व मीमांसा	-	जैमिनी
वेदान्त	-	बादरायण वेदव्यास
सांख्य	-	कपिल

प्राचीन साहित्य में दार्शनिक सम्प्रदायों की संख्या छः मानी गयी है जिसे 'षड्दर्शन' कहा जाता है।

6. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें
कथन-(I) :
बौद्ध धर्म की एक नई धारा का विकास राजा कनिष्क के (शासन) के समय में हुआ।
कथन-(II) : बौद्ध धर्म की नई धारा महायान की दो मुख्य विशेषताएँ थीं, बुद्ध की उपस्थिति सिर्फ कुछ संकेतों एवं बोधिसत्व में आस्था के माध्यम से दर्शाई जाती थी।
विकल्प ;
(a) कथन (I) और (II) दोनों सही हैं एवं कथन (II), कथन (I) से संबंधित है।
(b) कथन (I) गलत परन्तु कथन (II) सही है।
(c) कथन (I) और (II) दोनों सही हैं परन्तु कथन (II) कथन (I) से संबंधित नहीं है।
(d) कथन (I) सही है परन्तु कथन (II) गलत है।

CTET (VI-VIII) 11/01/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : कनिष्क के समय आयोजित चतुर्थ बौद्ध संगीति में बौद्ध धर्म औपचारिक रूप से दो शाखाओं हीनयान और महायान में विभाजित हो गया। बौद्ध धर्म में बढ़ती रूढ़िवादिता महायान के उदय का एक कारण रही। विदेशी शासकों ने बौद्ध धर्म में रूचि दिखायी और बौद्ध धर्म के नियमों को अनुकूल व सरल बनाने का प्रयास किया। महायान शाखा में बुद्ध के प्रतीकों की पूजा का स्थान अब बुद्ध की प्रतिमाओं ने ले लिया। यही कारण था कि व्यापारियों के साथ-साथ शासकों द्वारा भी बौद्ध धर्म से संबंधित स्थापत्य कला, जैसे - स्तूप, विहार, मंदिर आदि को प्रोत्साहन दिया। अतः कथन (I) सही है परन्तु कथन (II) गलत है।

7. बौद्ध धर्म के किस ग्रंथ में संघ के भिक्षु एवं भिक्षुणी के लिए बनाए गए नियमों का संग्रह किया गया है ?
(a) विनयपिटक (b) सुत्तपिटक
(c) अभिधम्मपिटक (d) जातक

CTET (VI-VIII) 18/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : बौद्ध धर्म के ग्रंथ विनय पिटक में भिक्षु-भिक्षुणी के लिए बनाये गये नियमों का संग्रह है। सुत्तपितक में बौद्ध धर्म की शिक्षाएँ तथा अभिधम्म पिटक में दार्शनिक व्याख्या दी गई है।

8. कौन मानता था कि हमारे कृत्य का परिणाम ही कर्म है?
(a) महावीर (b) बुद्ध
(c) अनघ (d) पाणिनि

CTET (VI-VIII) 19/01/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : महात्मा बुद्ध मानते थे कि हमारे कृत्य का परिणाम ही कर्म है। बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध का जन्म लगभग 563 ईसा पूर्व लुंबिनी (नेपाल) में हुआ था और ये शाक्य वंश से संबंधित थे। गौतम बुद्ध को बिहार के बोधगया में एक पीपल के पेड़ के नीचे बोधि (ज्ञानोदय) प्राप्त किया था। बुद्ध ने अपना पहला उपदेश उ.प्र. में वाराणसी के पास सारनाथ गांव में दिया था। इस घटना को धर्म चक्र प्रवर्तन के रूप में जाना जाता है। बौद्ध धर्म की मुख्य शिक्षाएं चार महान आर्य सत्य और ऑस्टांगिक मार्ग की मूल अवधारणा में समाहित है। बौद्ध धर्म का सार आत्मज्ञान या निर्वाण की प्राप्ति में है जिसे इस जीवन में प्राप्त किया जा सकता है।
नोट⟶ बौद्ध धर्म में कोई देवता सर्वोच्च नही हैं।

9. निम्नलिखित में से कौन से कथन बुद्ध के विषय में सही हैं ?
(A) बुद्ध ने अपना सर्वप्रथम उपदेश सारनाथ में दिया था।
(B) बुद्ध ने अपना उपदेश संस्कृत भाषा में दिया।
(C) बुद्ध ने लोगों के दयालु होने तथा मनुष्यों के साथ-साथ जानवरों के जीवन का भी आदर करने की शिक्षा दी।
(D) बुद्ध मानते थे कि हमारे कर्मों के परिणाम, चाहे वे अच्छे हों या बुरे, हमारे वर्तमान जीवन के साथ-साथ बाद के जीवन को भी प्रभावित करते है।
उपयुक्त विकल्प चुनें
(a) (A), (B), (C) (b) (A), (B), (D)
(c) (B), (C), (D) (d) (A), (C), (D)

CTET (VI-VIII) 24/01/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : गौतम बुद्ध का जन्म 563 ई.पू. में कपिलवस्तु के लुम्बिनी नामक स्थान पर हुआ था। इनके पिता का नाम शुद्धोधन था, जो शॉक्य गण के मुखिया थे। इनकी माता का नाम मायादेवी था तथा इनका लालन-पालन इनकी सौतेली माँ प्रजापति गौतमी ने किया था। इन्होंने 29 वर्ष की अवस्था में गृहत्याग कर दिया तथा 6 वर्ष की कठिन तपस्या के पश्चात इनको वैशाख पूर्णिमा के दिन ज्ञान की प्राप्ति हुई। ज्ञान प्राप्ति के पश्चात् वह बुद्ध कहलाये। बुद्ध ने अपने उपदेश जनसाधारण की भाषा पालि में दिए थे।
बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश सारनाथ (ऋषिपत्तनम/मृगदाव) में दिया था।
बुद्ध लोगों के प्रति दयालु होने तथा मनुष्यों के साथ-साथ जानवरों के जीवन का भी आदर करने की शिक्षा दी।
बुद्ध मानते थे कि हमारे कर्मों का परिणाम, चाहे वे अच्छे हो या बुरे हमारे वर्तमान जीवन के साथ-साथ बाद के जीवन को भी प्रभावित करते हैं।

10. निम्नलिखित कथनों (A) और (R) को पढ़िए तथा उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

अभिकथन (A): महावीर और बुद्ध दोनों ने आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्ति के लिए घरों के त्याग पर बल दिया।

कारण (R): उनका मानना था कि संघ में रहने के लिए अपने घरों का त्याग करने वाले ही सच्चा ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।

सही विकल्प चुनें।

(a) (A) और (R) दोनों ही सही है तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

(b) (A) और (R) दोनों ही सही है तथा (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(c) (A) सही है परन्तु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है परन्तु (R) सही है

CTET (VI-VIII) 25/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध एवं जैन धर्म के स्वामी महावीर दोनों ने ज्ञान प्राप्ति के लिए गृह त्याग किया था। उनके अनुसार/संघ के नियमों के अनुसार सर्वोच्च ज्ञान प्राप्त करने के लिए सांसारिक मोह-माया को त्यागना आवश्यक होता है। अतः कथन और कारण दोनों सही है तथा कारण कथन की सही व्याख्या है।

11. गुरू नानक द्वारा बनाए गए शुरुआती पवित्र स्थान को किस नाम से जाना जाता था?

(a) बिज़क (b) खालसा

(c) लंगर (d) धर्मसाला

CTET (VI-VIII) 29/01/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : सिक्ख धर्म के संस्थापक गुरूनानक द्वारा बनाए गए शुरूआती पवित्र स्थान को धर्मशाला के नाम से जाना जाता था।

12. वे बौद्धों और जैनों के कटु आलोचक थे और शिव तथा विष्णु के प्रति सच्चे प्रेम को मुक्ति का मार्ग बताते थे। उपरोक्त विशेषता किस से संबंधित है?

(a) नयनार और अलवार

(b) शंकर और रामानुज

(c) अल्लमा प्रभु और अक्कमहादेवी

(d) सिद्ध और योगी

CTET (VI-VIII) 30/12/2021

Ans. (a) : नयनार और अलवार बौद्धों और जैनों के कटु आलोचक थे और शिव तथा विष्णु के प्रति सच्चे प्रेम को मुक्ति का मार्ग बताते थे।

- शंकर का जन्म 8वीं शताब्दी केरल में हुआ था जो अद्वैतवाद के समर्थक थे इनके अनुसार जीवात्मा और परमात्मा दोनों एक है।
- रामानुज का जन्म ग्यारहवी शताब्दी तमिलनाडु में हुआ था। ये अलवार संतो से प्रभावित थे।
- अल्तमा प्रभु और अक्कमहादेवी द्वारा वीर शैव आन्दोलन बारहवीं शताब्दी के मध्य कर्नाटक में प्रारम्भ हुआ। ये सभी प्रकार के कर्मकांडों और मूर्तिपूजा के विरोधी थे।
- नामपंथी, सिद्ध और योगी ये समूह नीची कही जाने वाली जातियों में बहुत लोकप्रिय हुई। इन्होंने संसार से परित्याग करने का समर्थन, योगासन, प्राणायाम, चिंतन, मनन पर बल दिया था।

13. ''जिस तरह महासागरों में मिलने पर नदियों की अलग-अलग पहचान समाप्त हो जाती है ठीक उसी तरह ..... वे अपना वर्ण, श्रेणी और परिवार सब त्याग देते हैं''। यह उद्धरण किस ग्रन्थ से लिया गया है?

(a) बौद्ध ग्रंथ (b) जैन ग्रंथ

(c) पाली ग्रंथ (d) वैदिक ग्रंथ

CTET (VI-VIII) 05/01/2022

Ans. (a) : जिस तरह महासागरों के मिलने पर नदियों की अलग-अलग पहचान समाप्त हो जाती है ठीक उसी तरह बुद्ध के अनुयायी अपना वर्ण श्रेणी और परिवार सब त्याग देते हैं यह प्रसिद्ध उद्धरण बौद्ध ग्रंथ से संबंधित हैं। संघ में प्रवेश लेने वालों में ब्राह्मण, क्षत्रिय, व्यापारी, मजदूर, नाई, गणिकाएँ तथा दास शामिल थे। प्रायः किसी धनी व्यापारी, राजा अथवा भूस्वामी द्वारा दान में दी गयी भूमि पर विहार का निर्माण होता था। स्थानीय व्यक्ति भिक्षु-भिक्षुणियों के लिए भोजन वस्त्र तथा दवाईयाँ लेकर आते थे। जिसके बदले ये उन लोगों को शिक्षा देते थे। आगे आने वाले शताब्दियों में बौद्ध धर्म उपमहाद्वीप के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ बाहरी क्षेत्रों में भी फैल गया।

14. जीवन कष्टों और दुखों से भरा हुआ है और ऐसा हमारी इच्छा और लालसाओं (जो हमेशा पूरी नहीं हो सकती) के कारण होता है। उपरोक्त दीक्षा किसने दी है?

(a) वर्धमान महावीर (b) रिषभ देव

(c) गौतम बुद्ध (d) शंकराचार्य

CTET (VI-VIII) 07/01/2022

Ans. (c) : जीवन कष्टों और दुःखों से भरा हुआ है और ऐसा हमारी इच्छा और लालसाओं (जो हमेशा पूरी नहीं हो सकती) के कारण होता है, यह दीक्षा गौतम बुद्ध द्वारा दी गयी है। कभी-कभी हम जो चाहते हैं वह प्राप्त कर लेने के बाद भी संतुष्ट नहीं होते हैं एवं और अधिक वस्तुओं को पाने की इच्छा करने लगते हैं। बुद्ध ने इस लिप्सा को तृष्णा कहा है। गौतम बुद्ध का जन्म 563 ई. पूर्व में शाक्य नामक क्षत्रिय कुल में कपिलवस्तु के निकट लुम्बिनी नामक ग्राम में हुआ था। इनके पिता शुद्धोधन कपिलवस्तु के निर्वाचित राजा और गणतांत्रिक शाक्यों के प्रधान थे। उनकी माता महामाया देवी कोशल राज्य की राजकुमारी थीं।

15. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन जैन धर्म के संदर्भ में सही है?

(a) मुख्यतः पुरोहितों ने जैन धर्म का समर्थन किया।

(b) किसानों के लिए इन नियमों का पालन करना आसान था।

(c) महावीर की शिक्षाएं 1500 वर्ष पूर्व वल्लभी नामक स्थान पर लिखी गई थीं।

(d) पुरुषों और महिलाओं के लिए जैन धर्म के नियमों का पालन करना बहुत आसान था।

CTET (VI-VIII) 08/01/2022

Ans. (c) : यद्यपि महावीर की शिक्षाएं एक लम्बे कालखण्ड तक मौखिक चलती रहीं लेकिन कालान्तर में 1500 वर्ष पूर्व गुजरात के वल्लभी में महावीर की शिक्षाओं को संकलित किया गया। जैन धर्म का सर्वाधिक अहिंसा पर बल देने के कारण किसानों द्वारा इसका पालन करना कठिन था। महावीर की शिक्षाएँ अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकान्तवाद पर आधारित था। महावीर ने अपना उपदेश अर्द्धमागधी भाषा में दिया है।

7. प्रथम साम्राज्य

1. निम्नलिखित में से मौर्य साम्राज्य में उत्तराधिकार का कौन-सा क्रम सही है?

(a) चंद्रगुप्त मौर्य, अशोक, बिंदुसार, दशरथ मौर्य
(b) चंद्रगुप्त मौर्य, बिंदुसार, अशोक, दशरथ मौर्य
(c) चंद्रगुप्त मौर्य, दशरथ मौर्य, बिंदुसार, अशोक
(d) चंद्रगुप्त मौर्य, दशरथ मौर्य, बिंदुसार, अशोक

CTET (VI-VIII) 04/01/2022

Ans. (b) : मौर्य साम्राज्य में उत्तराधिकार से सम्बंधित शासकों का सही क्रम चन्द्रगुप्त मौर्य, बिन्दुसार, अशोक, दशरथ है। मौर्य राजवंश की स्थापना चन्द्रगुप्त मौर्य ने की थी। चन्द्रगुप्त ने चाणक्य की सहायता से नंद राजवंश को नष्ट कर दिया और मौर्य वंश की स्थापना की एवं सर्वप्रथम विलियम जोंस ने सेंड्रोकोट्स की पहचान चन्द्रगुप्त मौर्य से की। मेगस्थनीज यूनान का राजदूत था जिसे सेल्यूकस ने चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में भेजा था इसने 'इण्डिका' नामक पुस्तक की रचना की। बिंदुसार चन्द्रगुप्त मौर्य का पुत्र था। यूनानियों ने इसे अमित्रकेट्स या अमित्रघात कहा है जिसका अर्थ शत्रु विनाशक है। बिन्दुसार के बाद उनका पुत्र अशोक शासक बना। वह मौर्य शासकों में सबसे महान शासक हुआ।

2. संगम कविताओं में एक तमिल शब्द *मुवेन्दार* की चर्चा मिलती है, जिसका अर्थ तीन मुखिया है। निम्नलिखित में से कौन सा समुच्चय तीनों मुखियाओं का सही प्रतिनिधित्व करता है?

(a) चेर, चालुक्य, चोल
(b) पांड्य, चोल, चालुक्य
(c) चोल, सातवाहन, चालुक्य
(d) चोल, चेर, पांड्य

Ans. (d) : संगम कविताओं में एक तमिल शब्द मुवेन्दार की चर्चा मिलती है। जिसका अर्थ तीन मुखिया है। और ये तीन क्षेत्र चोल, चेर, पाण्ड्य तीनों मुखियाओं के सही समुच्चय का प्रतिनिधित्व करता है। चोल, चेर, पाण्ड्य करीब 2300 साल पहले दक्षिण भारत में काफी शक्तिशाली माने जाते थे। इन तीनों मुखियाओं के अपने दो-दो सत्ता केन्द्र थे। इनमें से एक तटीय हिस्से में और दूसरा अंदरूनी हिस्से में था। इस तरह छः केन्द्रों में से दो बहुत महत्वपूर्ण थे। एक चोलों का पत्तन पुहार या कावेरीपट्टनम दूसरा पण्ड्यों की राजधानी मदुरै।

नोट - दक्षिण भारत सोना, मसाले, खास तौर पर कालीमिर्च तथा कीमती पत्थरों के लिए प्रसिद्ध था। कालीमिर्च की रोमन साम्राज्य में इतनी माँग थी कि इसे 'काला सोना' के नाम से जाना जाता था।

3. अभिकथन (A) तथा कारण (R) को पढ़ें तथा सही विकल्प का चयन करें।

अभिकथन (A) : **चोल राजा राजेन्द्र प्रथम ने अपनी राजधानी में शिव मंदिर का निर्माण करवाया और उसने पराजित शासकों से जब्त की गई उत्कृष्ट प्रतिमाओं से इसे भर दिया। राजेन्द्र प्रथम का समकालीन गज़नी के सुलतान महमूद ने भारतीय, उपमहाद्वीप में अपने अभियानों के दौरान पराजित राजाओं के मंदिरों के धन और मूर्तियों को लूट लिया।**

कारण (R) : **मध्ययुगीन राजनीतिक संस्कृति में ज्यादातर शासक अपने राजनैतिक बल व सैनिक सफलता का प्रदर्शन पराजित शासकों के उपासना स्थलों पर आक्रमण करके और उन्हें लूट कर करते थे।**

विकल्प:

(a) (A) सही है परन्तु (R) गलत।
(b) (R) सही है परन्तु (A) गलत।
(c) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा हैं तथा (R) सही व्याख्या है (A) की।
(d) (A) तथा (R) दोनों सही हैं परन्तु (R) सही व्याख्या नहीं है (A) की।

CTET (VI-VIII) 18/01/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : चोल राजा राजेन्द्र प्रथम ने अपनी राजधानी में शिव मंदिर का निर्माण करवाया था और उन्हे धन-धान्य से भर दिया था। उसी के समकालीन गजनी के शासक सुल्तान महमूद ने भारतीय मन्दिरों के धन सम्पत्तियों को लूटा। मध्यकालीन समाज के ज्यादातर शासक पराजित शासकों के क्षेत्र के धार्मिक प्रतिष्ठानों एवं क्षेत्र के धन-धान्य को लूट लेते थे। अतः (A) और (R) दोनो सही है तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

4. निम्नलिखित कथनों (A) तथा (B) को पढ़िए तथा उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए :

(A) : अशोक के धम में देवताओं की पूजा और कर्मकांड शामिल थे।

(R) : अशोक ने धम-महामत्ता नाम के अधिकारियों की नियुक्ति की जो जगह-जगह जाकर धम की शिक्षा देते थे।

(a) (A) और (B) दोनों कथन सही है।
(b) (A) और (B) दोनों गलत हैं।
(c) (A) सही लेकिन (B) गलत है।
(d) (A) गलत है, लेकिन (B) सही है।

CTET (VI-VIII) 20/01/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : अशोक के धम्म में किसी देवता की पूजा अथवा किसी कर्मकांड की आवश्यकता नही थी। उन्हें लगता था कि जैसे पिता अपने बच्चों को अच्छे व्यवहार की शिक्षा देते है। वैसे ही यह उनका कर्तव्य था कि अपनी प्रजा को निर्देश दें। वे बुद्ध के उद्देश्यों से प्रेरित हुए थे। अशोक ने धम्म महामात्य नाम के अधिकारियों की नियुक्ति की जो जगह-2 जाकर धम्य की शिक्षा देते थे। इस प्रकार विकल्प (D) के अन्तर्गत दिये गये कथन (A) गलत है। और (B) सही है।
अशोक ने धम्म के विचारों को प्रसारित करने के लिए, सीरिया मिस्र, ग्रीस में दूत भेजे। अपने पुत्र महेन्द्र और पुत्री संघमित्रा को इसी कार्य हेतु उसने श्रीलंका भेजा।

5. कन्नौज पर लम्बे समय तक 'त्रिपक्षीय संघर्ष' किन तीन राजवंशों के बीच चला?

(a) गुर्जर-प्रतिहार, राष्ट्रकूट और चोल
(b) पाल, राष्ट्रकूट और गुर्जर-प्रतिहार
(c) गुर्जर-प्रतिहार, पाल और चोल
(d) राष्ट्रकूट, चोल और पाल

CTET (VI-VIII) 20/09/2015

Ans. : (b) कन्नौज राजा हर्षवर्धन की राजधानी थी इसकी भव्यता के कारण इसे महोदय नगर भी कहा जाता था। हर्ष की मृत्यु के बाद कन्नौज पर अधिकार को लेकर त्रिपक्षीय संघर्ष प्रारम्भ हुआ जिसमें तीन शक्तिशाली राजवंश शामिल थे- गुर्जर प्रतिहार वंश, पालवंश तथा राष्ट्रकूट वंश। यह संघर्ष लगभग 200 वर्षों तक चला तथा अन्तिम विजय गुर्जर प्रतिहार वंश के राजा नागभट्ट की हुई।

6. लगभग 2000 वर्ष पूर्व निम्नलिखित में से कौन-से शासक 'रेशम मार्ग' पर नियन्त्रण रखने के लिए सर्वाधिक प्रसिद्ध थे?

(a) कुषाण (b) चोल
(c) पाण्ड्य (d) चेर

CTET (VI-VIII) 22/02/2015

Ans. : (a) लगभग 2000 वर्ष पूर्व रेशम मार्ग पर कुषाण शासकों का अधिकार था। इस रेशम मार्ग से उन्हे अत्यधिक राजस्व की प्राप्ति होती थी। यह मार्ग चीन से रोम को जाता था जिस पर कुषाण शासक कनिष्क ने अधिकार कर लिया था।

7. चोल साम्राज्य में सभा का सदस्य बनने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी एक शर्त नहीं थी?

(a) उनकी आयु 25 से 70 वर्ष के बीच होनी चाहिए
(b) उन्हें भूमि का स्वामी होना चाहिए, जहाँ से भू-राजस्व वसूला जाता है
(c) उनके पास अपना घर होना चाहिए
(d) उन्हें वेदों का ज्ञान होना चाहिए

CTET (VI-VIII) 22/02/2015

Ans. : (a) चोल सम्राज्य अपने स्थानीय स्वशासन के लिए जाना जाता है। स्थानीय स्वशासन में तीन प्रकार की ग्राम सभाए विधमान थी- उर, सभा, नगरम।
सभा का सदस्य बनने के लिए निम्न योगयताए अनिवार्य थी-
1. व्यक्ति की आयु 35-70 वर्ष के बीच होनी चाहिए।
2. व्यक्ति को ऐसी भूमिका का स्वामी होना चाहिए जहाँ से भू-राजस्व बसूला जाता है।
3. व्यक्ति के स्वयं का मकान हो।
4. व्यक्ति को वेदों का ज्ञान होना चाहिए।
अतः विकल्प एक (a) गलत है।

8. दन्तिदुर्ग, जिसने 'हिरण्य-गर्भ' नामक एक अनुष्ठान किया वह था–

(a) चोल राजा (b) प्रतिहार प्रधान
(c) राष्ट्रकूट प्रधान (d) पल्लव प्रधान

CTET (VI-VIII) 21/09/2014

Ans. : (c) दन्तिदुर्ग ने 752 ई. में राष्ट्रकूट वंश की स्थापना की एवं मान्यखेत को अपनी राजधानी बनाई। इन्होंने उज्जयिनी में हिरण्यगर्भ यज्ञ (महादान) का अनुष्ठान किया था। यह एक गैर क्षत्रिय राजा का यज्ञ होता था।

9. चोल काल में व्यापारियों के संघ को.....कहा जाता था।

(a) ग्रामम् (b) श्रेणी
(c) नगरम् (d) सभा

CTET (VI-VIII) 28/07/2013

Ans. : (c) चोल कालीन व्यापारियों के संघ को **नगरम** कहा जाता था जबकि उत्तर भारत में व्यापारियों के संगठन को **श्रेणी** कहा जाता था।

10. रोमन साम्राज्य में काली मिर्च की इतनी माँग थी कि इसे ..... नाम से बुलाते थे।

(a) काला जादू (b) काला ताबीज
(c) काला पत्थर (d) काला सोना

CTET (VI-VIII) 28/07/2013

Ans. (d) रोमन साम्राज्य में काली मिर्च को काला सोना कहा जाता था। रोमन (यवन) लोगों द्वारा इसे अधिक प्रयोग किए जाने के कारण 'यवन प्रिय' भी कहा जाता था।

11. अर्थशास्त्र के अनुसार मौर्यकाल में उत्तर-पश्चिम भारत ..... के लिए प्रसिद्ध था।

(a) कपास (b) सोना एवं बहुमूल्य पत्थर
(c) चाँदी एवं ताँबा (d) कम्बल

CTET (VI-VIII) 28/07/2013

Ans. (d) अर्थशास्त्र के अनुसार मौर्य काल में उत्तर पश्चिमी भारत (उत्तर पश्चिमी सीमा प्रांत) कंबल निर्माण के लिए प्रसिद्ध था। इन कम्बलों को **भिंगिसी** कहा जाता था।

12. मौर्य शासक अशोक द्वारा लड़ी गई लड़ाई का स्थल कलिंग वर्तमान में कहाँ है?

(a) केरल (b) आन्ध्र प्रदेश
(c) कर्नाटक (d) ओडिशा

CTET (VI-VIII) 18/11/2012

Ans. : (d) अशोक द्वारा लड़ी गई लड़ाई का स्थल कलिंग वर्तमान में ओडिशा राज्य में स्थित है। यह स्थल दामोदर तथा गोदावरी नदी के बीच उपजाऊ स्थल है।

13. किस काल में कर प्रथा का विशिष्ट महत्व था?

(a) महाजनपद (b) गुप्त
(c) हड़प्पा सभ्यता (d) वैदिक काल

CTET (VI-VIII) 18/11/2012

Ans. : (b) प्राचीन भारत में गुप्तकाल में कर प्रथा का विशिष्ट महत्व था। गुप्त काल को प्राचीन भारत में स्वर्णकाल के नाम से जाना जाता था। इस काल में राज्य की आय का प्रमुख स्रोत कर (Tax) था। भाग,भोग, उद्रंग, उपरिकर, शुल्क गुप्तकालीन कर थे।

14. निम्नलिखित में से कौन-सा राज्यों का संयोजन त्रिविभाजन संघर्ष में शामिल था?

(a) राष्ट्रकूट, पाल, गुर्जर-प्रतिहार
(b) पाल, चोल, गुर्जर-प्रतिहार
(c) चोल, राष्ट्रकूट, पाल
(d) पाल, पल्लव, राष्ट्रकूट

CTET (VI-VIII) 29/01/2012

Ans. : (a) हर्ष की मृत्यु के बाद तीन प्रमुख शक्तियों (गुर्जर-प्रतिहार, पाल तथा राष्ट्रकूट) का उदय हुआ। कन्नौज पर अधिकार को लेकर इन तीनों शक्तियों के बीच संघर्ष हुआ। इस संघर्ष को त्रिपक्षीय संघर्ष की संज्ञा दी जाती है। यह संघर्ष लगभग 200 वर्षों तक चला। इस संघर्ष में अंतिम सफलता गुर्जर-प्रतिहार को प्राप्त हुई।

15. समुद्रगुप्त की निम्नलिखित में से कौन सी ऐसी नीति थी जो विशिष्ट रूप से दक्षिणापथ शासकों के लिए थी?

(a) उन्होंने समुद्रगुप्त की अधीनता स्वीकार की और अपनी पुत्रियों का विवाह उससे किया।
(b) वे उपहार लाते थे, उसके आदेशों का पालन करते थे और उसके दरबार में उपस्थित होते थे।

(c) इन्होंने हार स्वीकार की व इन्हें पुनः शासन करने के लिए अनुमति दी गयी।
(d) उनके साम्राज्यों को उखाड़ फेंका गया और उन्हें समुद्रगुप्त के साम्राज्य का अंग बनाया गया।

CTET (VI-VIII) 07/07/2019

Ans. (c) : समुद्र गुप्त के सम्मुख दक्षिणापथ के शासकों ने हार स्वीकार की व उन्हें पुनः शासन करने के लिए अनुमति दी गयी। समुद्रगुप्त के दक्षिणापथ युद्ध का वर्णन प्रयाग प्रशस्ति की 19वीं व 20वीं पंक्ति में मिलता है। इस युद्ध में उसने बारह राज्यों को पराजित किया। इन राज्यों के प्रति समुद्रगुप्त ने 'ग्रहणमोक्षानुग्रह' की नीति अपनाई गई, अर्थात विजय के बाद उनके राज्य वापस कर दिये गये।

16. एलोरा की गुफा का भित्ति–चित्र, जिसमें विष्णु को नरसिंह अर्थात् पुरुष–सिंह के रूप में दिखाया गया है, किस काल की कृति है?

(a) गुर्जर–प्रतिहार काल (b) राष्ट्रकूट काल
(c) चालुक्य काल (d) गुप्त काल

CTET (VI-VIII) 09/12/2018

Ans. (b) : एलोरा की गुफा भित्तिचित्र में विष्णु को नरसिंह अवतार में दिखाया गया है। राष्ट्रकूट काल में कई राजा अध्ययन और कला के प्रति समर्पित थे। राष्ट्रकूट काल में ऐलोरा में चट्टान को काटकर कैलाशनाथ मंदिर का निर्माण किया गया। इसके अलावा ऐलोरा की गुफा में भित्तिचित्र, एलीफेंटा की गुफाओं में मूर्तिकला आदि का भी निर्माण कराया। यह सभी 'यूनेस्को' की वर्ल्ड हेरिटेज साइट में भी शामिल हैं।

17. एलोरा की गुफा 15 का भित्ति चित्र, जिसमें विष्णु को नरसिंह अर्थात् पुरुष-सिंह के रूप में दिखलाया गया है, किस काल की कृति है?

(a) गुप्त काल (b) गुर्जर-प्रतिहार काल
(c) राष्ट्रकूट काल (d) चालुक्य काल

CTET (VI-VIII) 18/09/2016

Ans. : (c) एलोरा की गुफा 15 का भित्ति चित्र जिसमें विष्णु को नरसिंह अर्थात पुरुष-सिंह के रूप में दिखलाया गया है। यह राष्ट्रकूट काल की कृति है। यह युनेस्को द्वारा घोषित विश्व धरोहर है।

18. संगम कविताओं में किन तीन राजवंशों को 'मुवेन्दार' कहा गया है?

(a) चोल, राष्ट्रकूट, पांड्य (b) चेर, पाल, राष्ट्रकूट
(c) पाल, चोल, पांड्य (d) चोल, चेर, पांड्य

CTET (VI-VIII) 21/02/2016

Ans. : (d) संगम कविताओं में **मुवेन्दार** शब्द प्राचीन दक्षिण भारत के तीन राजवंशों को सम्मिलित रूप में प्रयुक्त किया गया। यह तीन राजवंश थे–चोल, चेर पाण्डय। यह एक तमिल शब्द है जिसका अर्थ 'तीन मुखिया' होता है।

19. रामपुरवा में मिला उत्कृष्ट पॉलिश वाले पत्थर पर बना साँड़, जिसे अब राष्ट्रपति भवन में रखा गया है, इनमें से किसके शासनकाल में बनाया गया था?

(a) मौर्य (b) पांड्य
(c) चोल (d) कुशाण

CTET (VI-VIII) 21/02/2016

Ans. : (a) रामपुरवा में मिला उत्कृष्ट पॉलिश वाले पत्थर पर बना साँड़ मौर्य कालीन स्थापत्य का उदाहरण है इसे अशोक के शासनकाल में बनाया गया था यह स्थापत्य अब भारत के राष्ट्रपति भवन में रखा गया है।

20. निम्नलिखित राजवंशों में से किसने अपने अभिलेखों में मलयालम भाषा एवं लिपि का प्रयोग प्रारम्भ किया?

(a) चोल (b) कुशाण
(c) चेर (d) पांड्य

CTET (VI-VIII) 21/02/2016

Ans. : (c) मलयालम भाषा एवं लिपि का प्रयोग केरल राज्य में किया जाता है तथा मलयालम केरल की राज्य भाषा है। प्राचीन दक्षिणी भारत के केरल राज्य के चेर राजवंश का शासन था, अतः चेर राजवंश ने अपने अभिलेख में मलयालम भाषा एवं लिपि का प्रयोग किये थे। चेर वंश का सबसे प्रतापी शासन सेनगुट्टवन था। इसे 'लालचेर' के नाम से भी जाना जाता है। दक्षिण भारत में पत्तिनी पूजा का प्रारम्भ सेनगुट्टवन ने ही कराया था।

21. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा सही कथन वाले विकल्प का चयन कीजिए।

(I) इलाहाबाद में अशोक -स्तम्भ, सम्राट अशोक के बारे में सूचना प्रदान करता है।
(II) अशोक-स्तम्भ पर अभिलेख, हरिषेण द्वारा एक काव्य के रूप लिखे गए थे।
(III) प्रशस्तियों में जन साधारण एवं सामाजिक जीवन के बारे में लिखा गया था।

विकल्प:

(a) केवल (I) (b) केवल (II)
(c) केवल (III) (d) (I) और (II) दोनों

CTET (VI-VIII) 24/01/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : इलाहाबाद का अशोक स्तम्भ या प्रयाग प्रशस्ति समुद्रगुप्त के दरबारी कवि हरिषेण द्वारा लिखवाया गया है जिसमें इसके विजयों का वर्णन है। इसी अभिलेख में इसे कविराज भी कहा गया। अशोक मौर्य वंश के सबसे प्रसिद्ध शासक थे। वह ऐसे पहले शासक थे जिन्होनें अमिलेखों द्वारा जनता तक अपने संदेश पहुँचाने की कोशिश की। अशोक के ज्यादातर अभिलेख प्राकृत भाषा और ब्राही लिपि में है।

22. निम्नलिखित में से किस गुप्तवंश शासक ने 'महाराजाधिराज' की उपाधि का प्रयोग किया था?

(A) चन्द्रगुप्त द्वितीय
(B) समुद्रगुप्त
(C) विष्णुगुप्त
(D) चन्द्रगुप्त

सही विकल्प का चयन कीजिए।

(a) (A) और (B) (b) (B) और (C)
(c) (C) और (D) (d) (B) और (D)

CTET (VI-VIII) 24/01/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : महाराजाधिराज की उपाधि समुद्रगुप्त और चन्द्रगुप्त ने धारण किया था जबकि चन्द्रगुप्त द्वितीय ने विक्रमादित्य, 'शकारी एवं राजाधिराज की उपाधि धारण किया था। विष्णु गुप्त का अन्य नाम कौटित्य या चणक्य था। बृहत्कथाकोश के अनुसार चाणक्य की पत्नी का नाम यशोमती था।

23. चोलकालीन कांस्य मूर्त्तियाँ 'लुप्तमोम' तकनीक से बनाई जाती थी। इस तकनीक का अनुसरण करते हुए सबसे पहले प्रतिमा बनाने हेतु किस पदार्थ का प्रयोग किया गया था?

(a) मिट्टी (b) मोम
(c) पिघली हुई धातु (d) पकी मिट्टी (टेराकोटा)

CTET (VI-VIII) 28/01/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : चोल कालीन कांस्य मूर्तियाँ 'लुप्तमोम' तकनीक से बनाई जाती थी। इस तकनीक का अनुसरण करते हुए सबसे पहले प्रतिमा बनाने हेतु 'मोम' पदार्थ का प्रयोग किया जाता था। चोल मूर्तियाँ मंदिरों के दीवारों की भित्तियों में देवी-देवताओं की नक्काशीदार लघु चित्र हैं।

24. अशोक के अभिलेख किस लिपि में लिखे गए थे?

(a) संस्कृत (b) देवनागरी
(c) ब्राह्मी (d) तमिल

CTET (VI-VIII) 29/01/2023 (Shift-II)
CTET (VI-VIII) 20/09/2015

Ans. (c) : सम्राट अशोक के ज्यादातर अभिलेख ब्राह्मी लिपि में लिखे गये थे। यद्यपि अशोक के दो अभिलेख जो शाह बाज गढ़ी एवं मानसेहरा से प्राप्त हुए हैं खरोष्ठी लिपि तथा तक्षशिला एवं लमगान अरामेइक लिपि तथा एक अन्य अभिलेख शर-ए-कुना द्विभाषी (अरामेइक + ग्रीक) लिपि में भी लिखे हैं।

25. एलोरा की गुफा का भित्ति–चित्र, जिसमें विष्णु को नरसिंह अर्थात् पुरुष–सिंह के रूप में दिखाया गया है, किस काल की कृति है?

(a) गुर्जर–प्रतिहार काल (b) राष्ट्रकूट काल
(c) चालुक्य काल (d) गुप्त काल

CTET (VI-VIII) 30/01/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : एलोरा की गुफा भित्तिचित्र में विष्णु को नरसिंह अवतार में दिखाया गया है। राष्ट्रकूट काल में कई राजा अध्ययन और कला के प्रति समर्पित थे। राष्ट्रकूट काल में ऐलोरा में चट्टान को काटकर कैलाशनाथ मंदिर का निर्माण किया गया। इसके अलावा ऐलोरा की गुफा में भित्तिचित्र, एलीफेंटा की गुफाओं में मूर्तिकला आदि का भी निर्माण कराया। यह सभी 'यूनेस्को' की वर्ल्ड हेरिटेज साइट में भी शामिल हैं।

26. चोल अभिलेखों में उल्लिखित इन शब्दों को देखिए और सही उत्तर दीजिए:

(A) वेल्लनवगाई
(B) देवदान
(C) पल्लिचंदम
(D) शालाभोग

(a) सभी चार भूमि की श्रेणियाँ हैं।
(b) चारों माप की इकाइयाँ हैं।
(c) सभी चार प्रकार के कर हैं।
(d) चारों मंदिर के महत्वपूर्ण अंग हैं।

CTET (VI-VIII) 30/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : चोल अभिलेखों में भूमि की विभिन्न श्रेणियों का उल्लेख मिलता है। जो निम्नलिखित है–
वेल्लनवगाई – गैर-ब्राह्मण किसान स्वामी की भूमि।
ब्रह्मदेय – ब्राह्मणों को उपहार में दी गई भूमि।
शालाभोग – किसी विद्यालय के रखरखाव के लिए भूमि।
देवदान, तिरूनमट्टक्कनी – मंदिरों को उपहार में दी गई भूमि।
पल्लिच्चदम – जैन संस्थानों को दान दी गई भूमि।

27. गुप्त काल के 'प्रथम कुलिक' शब्द का अर्थ है:

(a) मुख्य न्यायिक अधिकारी (b) मुख्य बैंकर
(c) मुख्य व्यापारी (d) मुख्य शिल्पकार

CTET (VI-VIII) 01/02/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : गुप्तकाल के प्रथम कुलिक शब्द का अर्थ है 'मुख्य शिल्पकार'। मुख्य न्यायिक अधिकारी को 'महादंड नायक' तथा मुख्य व्यापारी को 'सार्थवाह' कहा जाता था।
Note- गुप्तवंश का प्रथम महान शासक चंद्रगुप्त प्रथम था।

28. निम्नलिखित में से किस स्थान पर अशोक के अभिलेख ग्रीक और अरामाइक भाषाओं में पाया गया है?

(a) कंधार (b) मास्की
(c) टोपरा (d) कालसी

CTET (VI-VIII) 06/02/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : कंधार नामक स्थान पर अशोक के अभिलेख ग्रीक और अरामाइक भाषाओं में पाया गया है। मास्की, गुजर्रा, नेत्तुर तथा उडैगोलम अभिलेखों में उसका नाम अशोक मिलता है। अशोक को देवानामप्रिय तथा देवानामप्रियदशी उपाधियों से सम्बोधित किया जाता है।
नोट- सर्वप्रथम 1837 ई0 में जेम्स प्रिंसेप को अशोक के अभिलेख पढ़ने में सफलता मिली।
* अशोक के शिलालेखों की खोज 1750 ई0 में पाद्रेटीफेंथलर ने की थी तथा इनकी संख्या 14 हैं।
* अशोक के अभिलेखों को तीन भागों विभक्त किया जाता है - शिलालेख (14) स्तम्भ लेख (7) और गुहा लेख।
* अशोक के स्तम्भ लेख केवल ब्राह्मी लिपि में लिखे गए हैं।
* अशोक के शिलालेख ब्राह्मी, खरोष्ठी, ग्रीक एवं अरामेइक लिपि में मिलते हैं।
* अशोक के कौशाम्बी अभिलेख को 'रानी का अभिलेख कहा जाता है।

बारहवों शिलालेख में– धार्मिक सहिष्णुता की नीति का उल्लेख।
तेरहवों शिलालेख में– कलिंग युद्ध, पड़ोसी राजाओं का वर्णन एवं आटविक राज्यों का उल्लेख।

29. कुषाणों ने किन निम्नलिखित शक्तिशाली केन्द्रों से शासन किया ?

(a) पेशावर और मावला (b) पेशावर और मथुरा
(c) पेशावर और वाराणासी (d) पेशावर और उज्जैन

CTET (VI-VIII) 06/02/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : कुषाणों ने पेशावर और मथुरा नामक शक्तिशाली केन्द्रों से शासन किया। कुषाण चीन की यू ची जाति की एक शाखा थे। कुषाण वंश की स्थापना कुजुल कडफिसेस ने किया ने किया था। कुषाण शासकों में विमकडफिसेस ने सर्वप्रथम सोने के सिक्के जारी किए थे। इस वंश का सबसे प्रतापी शासक कनिष्क था। सम्राट कनिष्क ने पाकिस्तान के आधुनिक पेशावर को अपनी पहली राजधानी बनाया। कनिष्क ने अपने शासन काल में 78ई0 में शक-संवत चलाया।

30. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

कथन-(I) :
अशोक ने अपने अभिलेखों में यह सुझाव दिया कि कर्मकांड किसी काम के नहीं हैं।
कथन-(II) : मौर्य वंश के साम्राज्य में लोग विभिन्न धर्मों का अनुसरण करते थे तथा यह कभी-कभी विवाद एवं पशु बलि तक पहुँच जाता था।

(a) (I) गलत है एवं (II) सही है।
(b) (II) गलत है एवं (I) सही है।
(c) (I) और (II) दोनों सही हैं परन्तु (II), (I) के लिए कारण नहीं है।
(d) (I) और (II) दोनों सही हैं तथा (II), (I) का कारण है।

CTET (VI-VIII) 11/01/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : मौर्य साम्राज्य के लोग विभिन्न धर्मों का पालन करते थे और इससे कभी-2 संघर्ष भी होता था। जानवरों की बलि दी जाती थी एवं दासों और नौकरों के साथ बुरा व्यवहार किया जाता था। अशोक ने यह महसूस कि इन समस्याओं को हल करना उसका कर्तव्य है। इसलिए उसने अधिकारियों को नियुक्त किया जिसे धम्म महामात्य के नाम से जाना जाता था। उसने अपने अभिलेखों के माध्यम से लोगों से व्यर्थ के कर्मकांडों को त्यागने को कहा। उन्होंने अपनी प्रजा को दासों और सेवकों के साथ कोमल व्यवहार करने की सलाह दी। अतः कथन (I) और (II) दोनों सही है तथा (II), (I) का कारण है।

31. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

कथन-(I) :

प्रत्येक राजवंश के राजा शासक होने के अपने नैतिक अधिकार पर बल देना चाहते थे।

कथन-(II) : ईश्वर के साथ अपने घनिष्ठ संबंध की उद्घोषणा करने के लिए राजाओं ने उपासना के स्थानों का निर्माण किया।

विकल्प ;

(a) कथन (I) सही है परन्तु (II) गलत है।
(b) कथन (I) और (II) दोनों सही हैं तथा (I) , (II) की व्याख्या है।
(c) कथन (I) गलत परन्तु (II) सही है।
(d) कथन (I) और (II) दोनों सही हैं परन्तु (I), (II) की व्याख्या नहीं है।

CTET (VI-VIII) 11/01/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : जैसे-2 प्रत्येक नया राजवंश सत्ता में आया राजा अपने शासक होने के नैतिक अधिकार पर जोर देना चाहते थे। इसलिए पूजा के स्थानों का निर्माण करने से शासकों को परमेश्वर के साथ अपने घनिष्ठ संबंध की घोषणा करने का अवसर मिला, जो कि तीव्र राजनीतिक परिवर्तन के युग में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। अतः कथन (I) और (II) दोनों सही है तथा (I), (II) की व्याख्या है।

32. निम्नलिखित में से कौन-सा प्राचीन भारतीय काल को समझने को प्रथमिक स्त्रोत है?

(a) सूरत हुंडी (b) समुद्रगुप्त की प्रशस्ति
(c) कंदरिया महादेव मंदिर (d) नागभट्ट की प्रशस्ति

CTET (VI-VIII) 21/01/2022

Ans. (b) : समुद्र गुप्त की प्रशस्ति प्राचीन भारतीय काल को समझने का प्राथमिक स्त्रोत है। अभिलेख एवं सिक्कों से प्राचीन काल के सम्बन्ध में काफी सटीक जानकारी प्राप्त होती है। लेकिन अभिलेखों के सम्बन्ध में उपयोगी जानकारी प्राप्त होती है, इन स्त्रोतों में मंदिर, इमारतें, स्मारक, मूर्तियाँ, प्रशस्ति, मिट्टी से बने बर्तन प्रमुख हैं। समुद्रगुप्त के बारे में हमें इलाहाबाद में अशोक स्तम्भ पर खुदे एक लंबे अभिलेख से पता चलता है जिसकी रचना समुद्रगुप्त के दरबार में कवि व मंत्री रहे हरिषेण द्वारा की गई है।

33. कथनों A तथा R को पढ़े तथा सही विकल्प को चुनें।

अभिकथन A: रोमन साम्राज्य ने दक्षिण भारत में व्यापार किया।

कारण R: दक्षिण भारत में रोमन सोने के सिक्के मिले हैं।

(a) A और R दोनों सही हैं तथा R सही व्याख्या है A की।
(b) A और R दोनों सही हैं परन्तु R सही व्याख्या नहीं है A की।
(c) A सही है परन्तु R गलत है।
(d) A गलत है परन्तु R सही है।

CTET (VI-VIII) 01/01/2022

Ans. (a) : दक्षिण भारत में प्राप्त सिक्कों के अध्ययनोपरान्त निष्कर्ष निकलता है कि इस व्यापार का चरमोत्कर्ष काल आगस्टन काल में हुआ था तथा नीरो (65 ई.) के समय में बना रहा। प्लिनी लिखता है कि भारतीय माल रोमन साम्राज्य में अपने सौ गुने अधिक मूल्य पर बिकते थे। वह भारत को बहुमूल्य पत्थरों और रत्नों का उत्पादक बताया। भारत के वस्त्र, प्रसाधन सामग्री आभूषण इत्यादि की रोम के बाजार में भारी खपत थी।

भारत के तमिलनाडु के पुदुकोट्टइ में रोमन सिक्कों की खुदाई की गयी। इस प्रकार कथन रोमन साम्राज्य ने दक्षिण भारत में व्यापार किया और कारण दक्षिण भारत में रोमन सोने के सिक्के मिले हैं, सही है। कथन कारण की सही व्याख्या करता है।

34. समुद्रगुप्त को किस वाद्य यंत्र को बजाते हुए सिक्कों पर दिखाया गया है?

(a) तानपुरा (b) सितार
(c) वीणा (d) बाँसुरी

CTET (VI-VIII) 01/01/2022

Ans. (c) : समुद्रगुप्त (335/350-375 ई.) को वीणा वाद्य यंत्र बजाते हुए सिक्कों पर दिखाया गया है। सिक्के के एक ओर समुद्रगुप्त को सिंहासन पर बैठकर वीणा बजाते हुए तथा दूसरी ओर लक्ष्मी को उत्कीर्ण किया गया है। विन्सेंट आर्थर स्मिथ समुद्रगुप्त को 'भारत का नैपोलियन' कहते हैं। इलाहाबाद का स्तम्भलेख समुद्रगुप्त के बारे में सूचना देता है, जिसकी रचना इनके दरबारी कवि हरिषेण ने की थी। समुद्रगुप्त के पिता चन्द्रगुप्त प्रथम तथा माता कुमारदेवी थी। इसका साम्राज्य उत्तर में हिमालय से लेकर विन्ध्य पर्वत तक पूर्व में बंगाल की खाड़ी से लेकर पश्चिम में पूर्वी मालवा तक था।

35. चोल शासन में भूमि के प्रकार का सही विकल्प के साथ मिलान कीजिए।

	सूची- 1		**सूची 2**
(a)	वेमल्लनवगाई	(i)	मंदिर को उपहार में दी गई भूमि
(b)	ब्रह्मदेव	(ii)	किसी विद्यालय के रखरखाव के लिए भूमि
(c)	शालाभोग	(iii)	गैर-ब्राह्मण किसान स्वामी की भूमि
(d)	देवदान	(iv)	ब्राह्मणों को उपहार में दी गई भूमि

(a) (a)-(iv), (b)-(i), (c)-(iii), (d)-(ii)
(b) (a)-(iii), (b)-(iv), (c)-(ii), (d)-(i)
(c) (a)-(iii), (b)-(iv), (c)-(i), (d)-(ii)
(d) (a)-(ii), (b)-(iii), (c)-(iv), (d)-(i)

CTET (VI-VIII) 03/01/2022

Ans.(b) : सही मिलान इस प्रकार है -

	List/ सूची- 1		**List/ सूची 2**
(a)	वेमल्लनवगाई	(iii)	गैर-ब्राह्मण किसान स्वामी की भूमि
(b)	ब्रह्मदेव	(iv)	ब्राह्मणों को उपहार में दी गई भूमि
(c)	शालाभोग	(ii)	किसी विद्यालय के रखरखाव के लिए भूमि
(d)	देवदान	(i)	मंदिर को उपहार में दी गई भूमि

चोल काल में भूमि के प्रकार

- **वेमल्लनवगाई-** गैर ब्राह्मण किसान स्वामी की भूमि।
- **ब्रह्मदेव -** ब्राह्मणों को उपहार में दी गई भूमि।
- **शालाभोग -** किसी विद्यालय के रखरखाव के लिए भूमि।
- **तिरुनमटङ्क्कनी/देवदान-**मंदिर को उपहार में दी गई भूमि।
- **पल्लीचंदम-** जैन संस्थानों को दान में दी गई भूमि।

36. निम्नलिखित गुप्त वंश के राजाओं को कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित कीजिए।

(i) श्री गुप्त

(i) चन्द्रगुप्त द्वितीय

(iii) स्कन्दगुप्त

(iv) समुद्रगुप्त

(a) (i), (ii), (iii), (iv) (b) (ii), (i), (iv), (iii)
(c) (iii), (ii), (iv), (i) (d) (i), (iv), (ii), (iii)

CTET (VI-VIII) 03/01/2022

Ans. (d) : गुप्त राजवंश प्राचीन भारत के प्रमुख राजवंशों में से एक था, इतिहासकारों द्वारा इस अवधि को भारत का स्वर्ण युग माना जाता है। गुप्त वंश के सम्राटों में क्रमशः श्रीगुप्त (240-280 ई.), घटोत्कच गुप्त (280-319 ई.), चंद्रगुप्त प्रथम (319-350 ई.), समुद्रगुप्त (350 - 375 ई.), रामगुप्त, चंद्रगुप्त द्वितीय (375-415 ई.), कुमारगुप्त (महेंद्रादित्य) (415-455 ई.) और स्कंदगुप्त (455-467 ई.) हुए। गुप्त साम्राज्य का संस्थापक श्री गुप्त थे। गुप्त साम्राज्य का उदय तीसरी शताब्दी के अन्त में प्रयाग के निकट कौशाम्बी में हुआ था।

37. अशोक के शिलालेख देश के भीतर और बाहर कई जगहों पर मिले हैं।
निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सही जगहों को दर्शाता है?

(a) कालीबंगा, चन्हूदड़ों, धौलावीरा, सोत्काकोह
(b) जौगड़, मस्की, टोपरा, लम्पक
(c) गंवेरीवाला, इनामगाँव, दाओजली हेडिंग
(d) हुँस्गी, भीमबेटका, कुरनूल, पैय्यमपल्ली

CTET (VI-VIII) 05/01/2022

Ans. (b) : अशोक के शिलालेख देश के भीतर और बाहर कई जगहों पर मिले हैं जिनमें से जौगड़, मस्की, टोपरा, लम्पक आदि है। मौर्य साम्राज्य बहुत बड़ा था इसलिये अलग-अलग हिस्सों पर अलग-अलग ढंग से शासन किया जाता था। पाटलिपुत्र और उसके आस-पास के इलाकों पर सम्राट का सीधा नियंत्रण था।
अशोक के कुछ महत्वपूर्ण शिलालेख–
(i) जौगड़- उड़ीसा के गंजाम जिले में स्थित है।
(ii) मस्की - कर्नाटक के रायचूर जिले में स्थित है।
(iii) दिल्ली-टोपरा - यह प्रारम्भ में उ0प्र0 के सहारनपुर जिले में स्थापित था, बाद में फिरोजशाह तुगलक द्वारा दिल्ली लाया गया।

38. 'धम्म' के विषय में समझ बनाने के लिए किस प्राथमिक स्त्रोत का संदर्भ लिया जाना चाहिए?

(a) अशोक के शिलालेख (b) मेगस्थनीज के लेख
(c) रामपुरवा की बैल मूर्ति (d) लौहस्तम्भ

CTET (VI-VIII) 23/12/2021

Ans. (a) : प्राथमिक स्त्रोत वे होते हैं जो किसी घटना, वस्तु, व्यक्ति या कार्य प्रणाली से सीधे जुड़े होते है। इसमे ऐतिहासिक तथ्य एवं साक्ष्य वैधानिक दस्तावेज प्रत्यक्षदर्शी के साक्ष्य, प्रयोगों के परिणाम, ऑडियो-वीडियो क्लिप तथा संबंधित अन्य साधन जो व्यक्तिगत रूप से सीधे संबंधित होते है। अतः अशोक के धम्म के बारे में जानकारी के प्राथमिक स्त्रोत उसके द्वारा उत्कीर्ण कराए गये अभिलेख है।

39. आप 'भारतीय उप-महाद्वीप के प्रथम साम्राज्य' पर परियोजना कार्य के लिए छात्रों को किस साम्राज्य के विषय में जानकारी एकत्रित करने के लिए कहेंगे?

(a) गुप्त साम्राज्य (b) वाकाटक साम्राज्य
(c) कुषाण साम्राज्य (d) मौर्य साम्राज्य

CTET (VI-VIII) 23/12/2021

Ans. (d) : भारतीय उप महाद्वीप के प्रथम साम्राज्य पर परियोजना कार्य के लिए छात्रों को मौर्य साम्राज्य के विषय में जानकारी एकत्रित करने के लिए कहेगें। चन्द्रगुप्त मौर्य का साम्राज्य पश्चिमोत्तर के अफगानिस्तान और बलूचिस्तान तक फैला था।

40. कथन (A) व (B) को पढ़कर सही विकल्प का चुनाव कीजिए।

कथन (A) : अशोक का 'धम्म' ईश्वर की पूजा पर बल देता था।
कथन (B) : अशोक का 'धम्म' बुद्ध के उपदेशों से प्रेरित था।

(a) (A) और (B) दोनों सही हैं।
(b) (A) और (B) दोनों गलत हैं।
(c) केवल (A) सही है।
(d) केवल (B) सही है।

CTET (VI-VIII) 24/12/2021

Ans. (d) : अशोक का धम्म बुद्ध के उपदेशों से प्रेरित था। उन्हें लगता था कि जैसे पिता अपने बच्चों को अच्छे व्यवहार की शिक्षा देते हैं वैसे ही यह उनका कर्तव्य था कि अपनी प्रजा को निर्देश दें। वे बुद्ध के उपदेशों से प्रेरित हुए थे। ऐसी कई समस्याएँ थी जिनके लिये उनमें संवेदना थी। उनके साम्राज्य में अलग-अलग धर्मों को मानने वाले लोग थे और इसमें कई बार टकराव पैदा हो जाता था। जानवरों की बलि चढ़ाई जाती थी। दासों और नौकरों के साथ क्रूर व्यवहार किया जाता था। इनके अलावा परिवार व पड़ोसियों के बीच झगड़े होते रहते थे। अशोक ने यह महसूस किया कि इन समस्याओं का निदान उनका कर्तव्य है। इसीलिये उन्होंने धम्म-महामात्य नाम के अधिकारियों की नियुक्ति की जो जगह-जगह जाकर धम्म की शिक्षा देते थे।

41. A और B कथनों को पढ़िए और सही उत्तर का चयन करें-

A. अशोक पहला शासक था जिसने अभिलेखों द्वारा अपने संदेशों को लोगों तक पहुँचाने की कोशिश की।
B. अशोक के ज्यादातर अभिलेख प्राकृत भाषा में और ब्राह्मी लिपि में लिखे हुए थे।

(a) केवल A (b) केवल B
(c) A और B दोनों (d) A और B दोनों नहीं

CTET (VI-VIII) 28/12/2021

Ans. (c) : मौर्य राजवंश के सम्राट अशोक पहला शासक था जिसने अभिलेखों द्वारा अपने संदेशों को लोगों तक पहुंचाने की कोशिश की। अशोक के ज्यादातर अभिलेख प्राकृत भाषा में और ब्राम्ही लिपि में लिखें हुए थे। सर्वप्रथम 1837 ई. में जेम्स प्रिंसेप नामक विद्वान ने अशोक के अभिलेख को पढ़ने में सफलता हासिल की। अशोक ने अभिलेखों को स्तंभों, शिलाओं, (चट्टानों) और गुफाओं की दीवारों में 269 ईसा पूर्व से 262 ईसा पूर्व के मध्य खुदवाए।

42. निम्नलिखित कथनों a, b, c और d महरौली दिल्ली स्थित लौह स्तम्भ से सम्बन्धित हैं। सही विकल्प का चयन करें –

A. यह लोहे से बना हुआ है।

B. इसकी ऊंचाई 7.8 मीटर है।

C. यह आज से करीब 1800 साल पहले बना था।

D. इसका वजन तीन टन के बराबर है।

(a) a b c और d चारों सही हैं।

(b) a और d सही हैं जबकि b और c गलत हैं।

(c) a, b और d सही हैं जबकि c गलत है।

(d) a, c और d सही हैं जबकि b गलत है।

CTET (VI-VIII) 07/01/2022

Ans. (b) : कुतुबमीनार के परिसर में खड़ा महरौली (दिल्ली) लौह स्तम्भ भारतीय शिल्पकारों की कुशलता का एक अद्भुत उदाहरण है। यह लोहे से बना हुआ है जिसकी ऊँचाई 7.2 मी. और वजन तीन टन के बराबर है। इसका निर्माण लगभग 1500 साल पहले हुआ। इसके बनने के समय की जानकारी हमें इस पर खुदे अभिलेख से मिलती है। इसमें 'चन्द्र' नाम के एक शासक का जिक्र है जो सम्भवतः गुप्त वंश के थे।

43. वो विदेशी तीर्थयात्रा जिसने हर्षवर्द्धन के दरबार में समय व्यतीत किया, वह था –

(a) फा-शिएन (b) श्वैन त्सांग

(c) आई चिंग (d) सुंग युन

CTET (VI-VIII) 07/01/2022

Ans. (b) : श्वैन त्सांग एक चीनी यात्री था जो हर्षवर्धन के शासनकाल में भारत आया था तथा इनके दरबार में रहा। उसने 629 ई. में यात्रा आरम्भ की तथा सारे मार्गों का भ्रमण करते हुए भारत पहुँचा। भारत में लम्बे समय तक ठहरने के पश्चात 645 ई. में स्वदेश लौट गया। इसनें 'सी-यू-की' नामक ग्रंथ की रचना की। हेनसांग को 'यात्रियों का राजकुमार' एवं 'शाक्यमुनी' कहा जाता है।

44. इतिहास के एक शिक्षक अपने छात्रों को सम्राट अशोक के धम्म के बारे में पढ़ाना चाहते हैं। निम्नलिखित में से कौन-सा स्रोत इसके लिए 'प्राथमिक स्रोत' होगा ?

(a) अशोक महान-अशोक पर एक वृतचित्र

(b) अशोक स्तंभ

(c) अशोक और मौर्यों के पतन पर रोमिला थापर द्वारा लिखी एक पुस्तक

(d) अशोक के समय के कपड़ों वाला एक संग्रहालय

CTET (VI-VIII) 08/01/2022

Ans. (b) : छात्रों को सम्राट अशोक के धम्म के बारे में पढ़ाने के लिए अशोक स्तम्भ प्राथमिक स्रोत के रूप में अध्यापक प्रयोग करेगें। जो आँकड़े प्रथम बार व्यक्तिगत रूप से या व्यक्तियों के समूह/संस्था द्वारा एकत्र किए जाते हैं प्राथमिक स्रोत कहलाते हैं, जो आँकड़े किसी प्रकाशित या अप्रकाशित साधनों द्वारा एकत्र किए जाते हैं द्वितीयक स्रोत कहलाते है। अशोक स्तम्भ प्राथमिक स्रोत इसलिए है क्योंकि यह प्रत्यक्ष रूप से अशोक के द्वारा उत्कीर्णीत कराया गया है।

45. राजा अशोक पर दिए गए A, B, C कथनों पर विचार कीजिए तथा सही उत्तर का चयन कीजिए।

A. अशोक एक प्रसिद्ध मगध शासक थे।

B. अशोक के अभिलेख पाली भाषा और ब्राह्मी लिपि में थे।

C. अशोक अकेले एक ऐसे राजा थे जिन्होंने युद्ध जीतने के बाद अभिजिति को छोड़ा।

(a) A, B तथा C सभी सही हैं।

(b) A, B सही हैं तथा C गलत है।

(c) A, B गलत हैं तथा C सही है।

(d) A, C गलत हैं तथा B सही है।

CTET (VI-VIII) 08/01/2022

Ans. (c) : मौर्यवंशीय सम्राट अशोक की राजधानी पाटलीपुत्र (वर्तमान पटना) थी। उसका शासन उत्तर पश्चिम में हिन्दुकुश से लेकर पूर्व में बांग्लादेश और दक्षिण में केरल और तमिलनाडु के उत्तरी क्षेत्रों को छोड़कर सम्पूर्ण भारत में था। अशोक के अभिलेख प्राकृत भाषा और ब्राह्मी लिपि में लिखे गये थे। उत्तर पश्चिम अभिलेख में खरोष्ठी और अरमाइक लिपि का प्रयोग किया गया था। अतः अशोक केवल मगध का शासक नहीं अपितु उसका शासन क्षेत्र विस्तृत था। केवल कथन C सही है। अशोक ने कलिंग को जीतने के लिए एक युद्ध लड़ा। लेकिन युद्धजनित हिंसा और खून-खराबा देखकर उन्हें युद्ध से वितृष्णा हो गई। उन्होंने निर्णय लिया कि वे भविष्य में कभी युद्ध नहीं करेंगे तथा साम्राज्य का विस्तार नहीं करेगें।

46. सामाज्यों पर निम्नलिखित अभिकथन (A) और कारण (R) को पढ़िये।

अभिकथन (A): सम्राटों को अधिक संसाधनों की ज़रूरत थी क्योंकि उनका साम्राज्य बड़ा था और उसकी सुरक्षा के लिए एक बड़ी सेना चाहिए थी।

कारण (R): करों एवं शुल्कों को एकत्र करने के लिए अधिक संख्या में अधिकारी नियुक्त किए गए।

सही विकल्प का चयन कीजिए।

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) सही व्याख्या करता है (A) की

(b) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R) सही व्याख्या नहीं है (A) की

(c) (A) सही है, लेकिन (R) ग़लत है।

(d) (A) और (R) दोनों ग़लत हैं।

CTET (VI-VIII) 10/01/2022

Ans. (a) : तत्कालीन सम्राटों को शासन संचालन हेतु अत्यधिक संसाधनों की आवश्यकता थी तथा सुरक्षा के दृष्टिकोण से सम्राट अपने पास एक बड़ी सेना रखते थे। चन्द्रगुप्त मौर्य की सेना में साढे छः लाख सैनिक थे। इतनी विशाल सेना के रख-रखाव हेतु राज्यों से कर संग्रह किया जाता था जिसके लिए कर अधिकारियों की नियुक्ति होती थी। मौर्य साम्राज्य के प्रशासन हेतु 6 समितियाँ थी। छठवीं समिति कर संग्रह का कार्य करती थी। अतः (A) और (R) दोनों सही है और R सही व्याख्या करता है (A) की।

47. एक तमिल शब्द जो तीन राजवंशों, चोला, चेरा और पाण्डया के प्रमुखों के लिए प्रयोग होता था, वह है-

(a) दक्षिण पथ (b) महा-मंडलेश्वर

(c) राजाराजदेवा (d) मुवेन्दार

CTET (VI-VIII) 11/01/2022

Ans. (d) : मुवेन्दार एक तमिल शब्द है जो तीन राजवंशों चोल, चेर और पाण्डया के प्रमुखों के लिए प्रयोग होता था। मुवेन्दार का अर्थ तीन प्रमुख होता है, मुवेन्दारों के बारे में हमें संगम साहित्य से पता चलता है, दक्षिणपथ से आशय दक्षिण की ओर जाने वाले मार्ग से है, महामण्डलेश्वर राज्य के राज्यपाल के समतुल्य एक पद होता था, चोल वंश के प्रतापी शासक राजेन्द्र चोल को राजाराजदेवा कहा जाता था।

8. सुदूरवर्ती भूभागों के साथ सम्पर्क

1. प्राचीन समय में भारत में तीर्थयात्रियों के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा/कौन-से कथन सही हैं?

A. फा-शिएन भारत में संस्कृत सीखने और भारतीय व चीनी राजाओं के बीच व्यापार संबंध स्थापित करने आया था।

B. श्वैन त्सांग बुद्ध के जीवन से संबंधित स्थानों व प्रसिद्ध बौद्धमठों को देखने आया था।

C. चीनी बौद्ध यात्रियों ने अपने द्वारा इकट्ठी की गई किताबों व देखे गए बौद्धमठों के बारे में विस्तारपूर्वक लिखा।

सही विकल्प का चयन कीजिए-

(a) A और B (b) B और C

(c) केवल B (d) केवल A

CTET (VI-VIII) 17/01/2022

Ans. (b) : प्राचीन समय में भारत में तीर्थयात्रियों जैसे श्वैनत्सांग बुद्ध के जीवन से सम्बंधित स्थानों व बौद्ध मठों को देखने आया था तथा चीनी बौद्ध यात्रियों ने अपने द्वारा इकट्ठी की गई किताबों व देखे गये बौद्ध मठों के बारे में विस्तारपूर्वक लिखा। फाह्यान चन्द्रगुप्त द्वितीय ''विक्रमादित्य'' के काल में भारत आया था। यह बौद्ध ग्रंथो के अध्ययन तथा प्रमुख बौद्ध स्थानों को देखने की लालसा के कारण भारत आया था। फाह्यान ने पाटिलपुत्र में स्थित अशोक के राजमहल को देवताओं द्वारा निर्मित बाताया है।

2. केरल में लोग भिन्न-भिन्न धर्मों का पालन करते हैं। धार्मिक प्रथाओं की विविधता के लिए क्या कारण हो सकता है ?

(A) यहूदी और अरब व्यापारी मसालों का व्यापार करने आए थे और यहाँ लोगों के लिए यहूदी धर्म और इस्लाम लाए।

(B) संत थॉमस लगभग दो हज़ार साल पहले यहाँ आए और लोगों के लिए इसाई धर्म लाए।

विकल्प :

(a) केवल (A) सही है और इसे कारण के रूप में माना जा सकता है।

(b) केवल (B) सही है और इसे कारण के रूप में माना जा सकता है।

(c) (A) और (B) सही हैं और वे वैध कारण हैं।

(d) (A) और (B) सही हैं परन्तु वे वैध कारण नहीं हैं।

CTET (VI-VIII) 18/01/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : केरल में लोग भिन्न-भिन्न धर्मों का पालन करते है क्योंकि प्रारम्भ में यहूदी और अरब व्यापारी मसालों का व्यापार करने यहाँ आये और लोगों को इस्लाम एवं यहूदी धर्म में परिवर्तित किए। संत थॉमस लगभग 2000 साल पहले यहाँ आए और लोगो को इसाई धर्म में दीक्षित किया। अतः (A) और (B) दोनों सही है और वैध कारण है।

3. अरिकामेडु का रोमन नाम था:

(a) पोडुका (b) पट्टाला

(c) सोपतमा (d) काना

CTET (VI-VIII) 19/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : पोडुका अरिकामेडु का रोमन नाम था। अरिकामेडु एक समुद्री पत्तन था, यहां दूर-दूर से आए जहाजों से समान उतारे जाते थे। यहाँ ईटों से बना एक ढाँचा मिला है जो सम्भवतः गोदाम रहा होगा। यहाँ भूमध्यसागरीय क्षेत्र के एंफोरा जैसे पात्र मिले है। इनमें शराब या तेल जैसे तरल पदार्थ रखे जा सकते थे। इनमे दोनो तरफ पकड़ने के लिए हत्थे लगे है। साथ ही यहाँ 'एरेटाइन' जैसे मुहर लगे लाल-चमकदार बर्तन भी मिले है। इन्हें इटली के एक शहर के नाम पर एरेटाइन पात्र के नाम से जाना जाता है। इसे मुहर लगे सांचे पर गीली चिकनी मिट्टी को दबाकर बनाया जाता था।

4. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सोलहवीं-सत्रहवीं शताब्दियों के सूरत के संबंध में सही है ?

(A) यह पश्चिमी एशिया के साथ व्यापार करने के लिए मुख्य-द्वार था।

(B) इसे मक्का का प्रस्थान द्वार कहा जाता था, क्योंकि बहुत से हजयात्री जहाज से यहीं से रवाना होते थे।

(C) अंग्रेज इतिहासकार ओविंगटन के अनुसार किसी भी समय पर भिन्न-भिन्न देशों के औसतन पाँच हजार जहाज इस बंदरगाह पर खड़े देखे जा सकते थे।

(a) (A) और (B) सही है।

(b) (A) और (C) सही है।

(c) (B) और (C) सही है।

(d) (A), (B) और (C) सही है।

CTET (VI-VIII) 24/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : सोलहवीं एवं सत्रहवीं शताब्दियों के समय सूरत एक बंदरगाह नगर था। प्राचीन काल में यह निम्न वस्तुओं एवं अन्य कार्यों के लिए प्रसिद्ध था-

A. यह पश्चिमी एशिया के साथ व्यापार करने का मुख्य द्वार था।

B. इसे मक्का का प्रस्थान द्वार कहा जाता था, क्योंकि बहुत से हज यात्री जहाज के माध्यम से यहीं से रवाना होते थे।

वर्तमान में 'सूरत' ताप्ती नदी के तट पर स्थित है। वर्तमान में यह कपड़ा उद्योग, डायमंड कटिंग और पॉलिशिंग के लिए प्रसिद्ध है। इसे 'सिल्क सिटी' और 'डायमंड सिटी' के नाम से जाना जाता है।

5. निम्नलिखित में से किस बन्दरगाह में, जिसका उल्लेख कविताओं में मिलता है, पूर्वी तट पर व्यापार के प्रमाण मिले हैं?

(a) धरणीकोटा (b) पुहार

(c) मदुरै (d) कोर्काई

CTET (VI-VIII) 25/01/2023 (Shift-II)

Ans. (b) पुहार तमिलनाडु में बंगाल की खाड़ी में स्थित एक पूर्वी तटीय बंदरगाह है। जहाँ से प्राचीन कालीन व्यापार-वाणिज्य के साक्ष्य मिलते हैं। यह चोल वंश की आरम्भिक राजधानी थी।

6. निम्नलिखित मदों में से कौन-सी मद 'कैलिको' के नाम से जानी गई, जिसे पुर्तगाली भारत से यूरोप ले गए थे?

(a) मस्लिन (मलमल) (b) फुटकर माल (पीस गुड्स)

(c) मसाले (d) सूती कपड़े

CTET (VI-VIII) 18/09/2016

Ans. : (d) मसालों की तलाश में जब प्रथम बार पुर्तगाली भार आये तो उन्होंने दक्षिण पश्चिमी भारत में केरल के तट पर कालीकट में डेरा डाला। यहाँ से वे मसालों के साथ-साथ सूती कपड़ा भी लेते गये। कालीकट से निकले शब्द को 'कैलिको' कहने लगें। बाद में हर तरह के सूती कपड़े को 'कैलिको' ही कहा जाने लगा।

विशेष– अठारवीं सदी तक इंग्लैण्ड में भारतीय सूती-कपड़े की अत्यधिक मांग और लोकप्रियता के कारण इस पर पाबंदी लगाने के लिए 'कैलिको अधिनियम' पारित किया गया।

7. इन नाविकों में से किसने भारत को समुद्री रास्ता पाने के लिए पश्चिम की ओर प्रस्थान कर अटलांटिक महासागर को पार किया?

(a) वास्को-डि-गामा (b) जुयन जंग
(c) क्रिस्टोफर कोलम्बस (d) फा जियन

CTET (VI-VIII) 21/02/2016

Ans. : (c) भारत में व्यापारिक लाभ को देखते हुए 15वीं शताब्दी में पुर्तगाल के लोगों ने भारत आने के मार्ग को ढूढ़ना प्रारम्भ किया इसी क्रम में क्रिस्टोफर कोलम्बस ने वर्ष 1492 ई. में अटलांटिक महासागर पार कर अमेरिका पहुँचा। कोलम्बस को ही अमेरिका की खोज का श्रेय दिया जाता है। भारत की खोज वास्कोडिगामा के द्वारा वर्ष 1498 ई. में किया गया।

8. मथुरा के बारे में नीचे दिए गए वक्तव्यों पर विचार कर सही उत्तर का चयन करें।

(A) मथुरा यातायात और व्यापार के दो मार्गों '' उत्तर से पूर्व'' और ''दक्षिण से पश्चिम'' को जोड़ने की दृष्टि से महत्वपूर्ण था।

(B) मथुरा बेहतरीन मूर्तियाँ बनाने का केन्द्र था।

(a) (A) और (B) दोनों सही नहीं है
(b) (A) सही है (B) गलत है।
(c) (A) गलत है (B) सही है।
(d) (A)और (B) दोनों सही हैं।

CTET (VI-VIII) 21/01/2022

Ans. (c) : मथुरा यातायात और व्यापार के दो मार्गों उत्तर से पूर्व और दक्षिण से पश्चिम को जोड़ने की दृष्टि से महत्वपूर्ण था। इस प्रकार यह कथन (A) गलत है। क्योंकि मथुरा यातायात और व्यापार के दो रास्तों पर स्थित था इनमें से पहला रास्ता उत्तर से पूरब की ओर और दूसरा उत्तर से दक्षिण जाने वाला था।

मथुरा बेहतरीन मूर्तिया बनाने का केन्द्र था यह कथन सही है। इस प्रकार दिये गये कथन से (A) गलत है और (B) सही है। मथुरा शहर के चारो ओर किलेबंदी थी। इसमें अनेक मंदिर थे। आस-पास के किसान तथा पशुपालक शहर में रहने वाले के लिये भोजन जुटाते थे। लगभग 2000 साल पहले मथुरा कुषाणों की दूसरी राजधानी बनी। मथुरा एक धार्मिक केन्द भी रहा है। यहाँ बौद्ध विहार और जैन मंदिर भी है। मथुरा में प्रस्तर खंडों तथा मूर्तियों पर अनेक अभिलेख मिले हैं।

9. प्राचीन काल में 'सिल्क रूट' शब्द संबंधित है:

(a) चीन से दूसरे देशों में रेशमी कपडें को ले जाने वाला व्यापारियों का यात्रा मार्ग।
(b) समुद्री मार्ग जो उन देशों को जोड़ते थे जहाँ रेशमी कपड़ों के व्यापारी अपने उत्पाद बेचते थे।
(c) सभी देशों को जोड़ती सड़कें जहाँ शहतूत के पौधों की खेती होती थी।
(d) सड़क, समुद्री और वायु मार्ग जहाँ रेशमी उत्पादों का व्यापार होता था।

CTET (VI-VIII) 12/01/2022

Ans. (a) : सिल्क रूट चीन से दूसरे देशों में रेशमी कपड़े को ले जाने वाला व्यापारियों का यात्रा मार्ग था। सिल्क रूट (रेशम मार्ग) प्राचीनकाल और मध्यकाल में ऐतिहासिक व्यापारिक – सांस्कृतिक मार्गों का एक समूह था जिसके माध्यम से एशिया, यूरोप और अफ्रीका जुड़े हुए थे। इसका सबसे जाना-माना हिस्सा उत्तरी रेशम मार्ग था, जो चीन से होकर पश्चिम की ओर पहले मध्य एशिया में और फिर यूरोप में जाता था। रेशम मार्ग को चीन के हान वंश के महान यात्री चांगछयान ने खोला था। आधुनिक समय में इस मार्ग का प्रयोग कम से कम हो गया है। सिल्क रूट पर नियन्त्रण रखने वाले शासकों में सबसे प्रसिद्ध कुषाण थे।

9. राजनैतिक गतिविधियाँ

1. प्रथम विश्व युद्ध ने किस प्रकार भारत की आर्थिक और राजनीतिक स्थिति बदल दी?

(a) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की राजनीतिक गतिविधियों पर छः वर्ष के लिए रोक लगा दी गई
(b) कीमतों में भारी गिरावट होने से जन सामान्य लाभान्वित हुए
(c) अनेक देशी रियासतों ने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध बगावत कर दी
(d) युद्ध ने औद्योगिक वस्तुओं की माँग में वृद्धि कर दी जिससे भारतीय उद्योगों का विस्तार हुआ

CTET (VI-VIII) 21/09/2014

Ans. : (d) प्रथम विश्व युद्ध 1914 से 1918 तक हुआ। युद्ध के परिणामस्वरुप वस्तुओं की मांग में वृद्धि हुई फलस्वरूप कीमतों में वृद्धि हुई। इससे भारतीय वस्तुओं की मांग बढ़ी तथा भारत का औद्योगिकरण तीव्र हो गया और भारत में आर्थिक तथा राजनैतिक परिवर्तन हुआ।

2. सातवीं सदी के आते-आते, भारतीय उपमहाद्वीप में निम्नलिखित राजनीतिक बदलाव अस्तित्व में आ चुके थे।

(A) बड़े भूस्वामी और योद्धा-सरदार राजा बन सकते थे।

(B) ब्राह्मणों ने अपने परंपरागत पेशे को छोड़कर शस्त्र उठा लिए।

सही विकल्प का चयन करें–

(a) केवल (A) सही है।
(b) केवल (B) सही है।
(c) (A) और (B) दोनों सही हैं
(d) (A) और (B) दोनों सही नहीं हैं

CTET (VI-VIII) 03/02/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : सातवीं सदी के आते-आते, भारतीय उपमहाद्वीप में निम्नलिखित राजनीतिक बदलाव अस्तित्व में आ चुके थे–

- बड़े भूस्वामी और योद्धा-सरदार राजा बन सकते थे।
- ब्राह्मणों ने अपने परंपरागत पेशे को छोड़कर शस्त्र उठा लिए।
- कई शासकों ने प्रशस्तियों में अपनी उपलब्धियों का बखान किया है।
- सातवीं शताब्दी के बाद कई राजवंशों का उदय हुआ।
- अधिक सत्ता और संपदा हासिल करने पर सामंत अपने-आप को महा सामंत, महामंडलेश्वर (पूरे मण्डल का महान स्वामी) इत्यादि घोषित कर देते थे।

3. संघ सही मायने में एक संगठन था क्योंकि:

(A) कई सदस्यों ने एक-साथ चर्चाओं और वाद-विवादों के माध्यम से शासन किया।

(B) इसने महिलाओं और कामकारों को सभाओं में भाग लेने के लिए सम्मिलित किया था।

(a) केवल (A) सही है।

(b) केवल (B) सही है।

(c) (A) और (B) दोनों सही हैं।

(d) (A) और (B) दोनों गलत हैं।

CTET (VI-VIII) 17/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : संघ सही मायने में एक संगठन था क्योंकि कई सदस्यों ने एक-साथ चर्चाओं और वाद-विवादों के माध्यम से शासन किया। एक संघ या फेडरेशन, एक राजनीतिक तत्व हैं, जो किसी केन्द्रीय सरकार के अन्तर्गत आंशिक रूप से स्वशासित राज्यों या क्षेत्रों के संघ से चिन्हित होता है।

4. 'संघ' के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) संघ में प्रवेश लेने वाले स्त्री-पुरूष अपने घरों में रह सकते थे।

(b) उन्हें एक निश्चित समय में शहरों तथा गाँवों में जाकर भिक्षा माँगनी होती थी।

(c) संघ में प्रवेश के लिए दासों को अपने स्वामियों की अनुमति नहीं लेनी होती थी।

(d) संघ में प्रवेश के लिए एक स्त्री को अपने पति से अनुमति नहीं लेनी होती थी।

CTET (VI-VIII) 07/01/2022

Ans. (b) : संघ में रहने वाले लोग अपना अधिकांश समय ध्यान करने में बिताते थे और दिन के एक निश्चित समय में वे शहरों तथा गांवों में जाकर भिक्षा माँगते थे। यही कारण है कि उन्हें-भिक्खु तथा भिक्खुणी कहा गया है। संघ में रहने वाले बौद्ध-भिक्षुओं के लिए बनाये गये नियम 'विनयपिटक' नामक ग्रंथ में मिलते हैं। हालांकि संघ में प्रवेश के लिये बच्चों को अपने माता-पिता से, दासों को अपने स्वामी से, राजा के यहाँ काम करने वाले लोगों को राजा से, तथा कर्जदारों को अपने देनदारों से अनुमति लेनी होती थी। एक स्त्री को इसके लिये अपनी पति से अनुमति लेनी होती थी।

5. सातवीं शताब्दी में बड़े-बड़े भू-स्वामी और योद्धासरदारों ने धन और शक्ति प्राप्त कर, अपने को घोषित किया –

(a) महा-समान्त (b) राजाराजदेव

(c) दक्षिणपथ (d) अश्वघोष

CTET (VI-VIII) 08/01/2022

Ans. (a) : सातवीं शताब्दी में बड़े-बड़े भू-स्वामी और योद्धा सरदारों ने धन और शक्ति प्राप्त कर, अपने को महासामन्त घोषित किया । सामन्त शब्द का अर्थ-मूल रूप से पड़ोसी था। महर्षि बाणभट्ट के अनुसार महासामन्त सामन्त से एक श्रेणी उँचे स्थान पर था। सामन्त निम्नतम और सामान्य प्रकार से जागीरदार थे। बाणभट्ट कृत 'हर्षचरित' से महासामन्तों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त होती है।

10. संस्कृति और विज्ञान

1. किस भाषा का एक रूप मागधी (मगही) है?

(a) पाली (b) प्राकृत

(c) मैथिली (d) ब्राहमी

CTET (VI-VIII) 23/01/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : प्राकृत भाषा का एक रूप मागधी (मगही) है। मागधी (मगही) भाषा भारत के मध्य पूर्व में बोली जाने वाली एक प्रमुख भाषा है। मागधी भाषा से ही भोजपुरी, मैथिली, आंगिका आदि भाषा निकाला गया है। मागधी भाषा मौर्य दरबार की आधिकारिक भाषा थी इसे 1961 की जनगणना में मागधी को हिन्दी के तहत कानूनी रूप से अवशोषित किया गया था।

2. आधुनिक भारत की लिपियाँ जैसे देवनागरी, बंगाली और तमिल का विकास _____ लिपि से हुआ है।

(a) संस्कृत (b) प्राकृत

(c) लैटिन (d) ब्राहमी

CTET (VI-VIII) 23/01/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : आधुनिक भारत की लिपियाँ जैसे देवनागरी, बंगाली और तमिल का विकास ब्राह्मी लिपि से हुआ है। ब्राह्मी लिपि भारत की अधिकांश लिपियों की जननी है तथा इसका प्रयोग सम्राट अशोक के लेख में हुआ है। ब्राह्मी लिपि में बाये से दायें लिखा जाता है।

3. निम्नलिखित में से कौन से कथन मणिमेखलई महाकाव्य के विषय में सही है ?

(A) यह तमिल में लिखा गया था।

(B) यह सत्तनार नामक कवि द्वारा लिखा गया था।

(C) उसमें कोवलन् तथा माधवी की बेटी की कहानी है।

(D) यह लगभग 2500 वर्ष पूर्व लिखा गया था।

(a) (A), (B) तथा (C) (b) (B), (C) तथा (D)

(c) (A), (C) तथा (D) (d) (A), (B) तथा (D)

CTET (VI-VIII) 24/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : मणिमेखलई तमिल भाषा में लिखा गया महाकाव्य है। इसकी रचना मदुरै में सत्तनार नामक कवि ने की थी। इस महाकाव्य की रचना 'शिलप्पादिकारम' के पश्चात् की गयी थी। 'शिलप्पादिकारम' की कहानी जहाँ से समाप्त होती है वहीं से मणिमेखलई की कहानी प्रारम्भ होती है। इस महाकाव्य में कोवलन तथ माधवी की बेटी की कहानी है।

4. संगम साहित्य की रचना एवं संकलन किस नगर के सम्मेलनों में की गई ?

(a) अरिकामेडू (b) कावेरीपट्टीनम

(c) अमरावती (d) मदुरै

CTET (VI-VIII) 24/01/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : संगम साहित्य की रचना एवं संकलन मदुरै नगर के सम्मेलन में की गयी थी। संगम तमिल कवियों का एक सम्मेलन था, जो स्थानीय राजाओं के संरक्षण में आयोजित किया गया था। दक्षिण भारत में लगभग 300 ई.पू. से 300 ई. के मध्य के काल को संगम काल के नाम से जाना जाता है। संगम काल के अंतर्गत तीन वंशों का शासन प्रमुख है, जो चेर, चोल एवं पाण्ड्य है। संगम काल में तीन सम्मेलनों का आयोजन हुआ है, जो हैं-

सम्मेलन	स्थान	अध्यक्ष
प्रथम	मदुरै	ऋषि अगस्त्य या अमात्तियार
द्वितीय	कपाटपुरम्	अगस्त्य और तोलकाप्पियर
तृतीय	मदुरै	नक्कीरर

5. कथक के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

I. मुगल सम्राटों एवं उनके अभिजातों के राजदरबार में कथक नृत्य प्रस्तुत किया जाता था।

II. पंद्रहवीं तथा सोलहवीं शताब्दियों में कथक एक विशिष्ट नृत्य शैली का रूप धारण करने लगा।

III. कथक को उन्नीसवीं तथा बीसवीं शताब्दियों में अधिकांश ब्रिटिश प्रशासकों ने पसंद किया।

(1) केवल I (2) केवल II

(3) I और II दोनों (4) II और III दोनों

CTET (VI-VIII) 25/01/2023 (Shift-II)

Ans. (c) कथक भारतीय शास्त्रीय नृत्यों में से एक है। यह पन्द्रहवीं तथा सोलहवीं शताब्दी मे एक विशिष्ट नृत्य शैली के रूप में उभर कर सामने आया। कथक को मुगल सम्राट एवं अभिजात्य वर्ग अत्यधिक पसन्द करते थे। अतः कथक I और II सत्य है।

6. .....में प्राचीन शैल चित्रकला मिली हैं।

(a) कर्नाटक तथा तमिलनाडु

(b) तमिलनाडु तथा आन्ध्र प्रदेश

(c) आन्ध्र प्रदेश तथा उड़ीसा

(d) मध्य प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश

CTET (VI-VIII) 21/09/2014

Ans. : (d) मध्यप्रदेश तथा उत्तर प्रदेश से शैल चित्रकला के अवशेष मिले है। मध्यप्रदेश में भीमबेटका तथा आदमगढ़ और उत्तर प्रदेश में चोपानीमांडो तथा महदहा से अनेक शैल चित्र मिले है जिन्हें चट्टानों पर बनाया गया है। यह चित्रकला मध्य पाषाण काल से सम्बंधित है। इस चित्रकला का विषय आखेट तथा पशु-पक्षी है।

7. पिइतरा ड्यूरा था/थी

(a) यूनानी देवता (b) धात्विकी तकनीक

(c) भवनों को सजाने की शैली (d) उत्तराधिकार की भूमिका

CTET (VI-VIII) 29/01/2012

Ans. : (c) पिइतरा ड्यूरा भवनों को सजाने की एक शैली थी। इसे दक्षिण एशिया में प्राचीन कैरी के नाम से भी जाना जाता था जो पत्थरों पर नक्काशी करने से सम्बन्धित था। भारत में पिइतरा ड्यूरा का प्रथम प्रयोग एतमादुद्दौला के मकबरे में किया गया।

8. निम्नलिखित में सें कौन-सा कथन 'प्राचीन हस्तलिपि' के सन्दर्भ में सही नहीं है?

(a) वे प्रायः ताड़-पत्रों पर लिखी हुई थीं

(b) वे जिस काल को प्रदर्शित करती हैं उस काल का मुख्य स्त्रोत हैं

(c) वे हस्तलिखित थीं और उसके बाद मुद्रित की गई थीं

(d) कुछ हस्तलिपियाँ पत्थर या धातु पर उकेरी गई थीं

CTET (VI-VIII) 26/06/2011

Ans. : (c) प्राचीन हस्तलिपियाँ प्रायः ताड़पत्रों पर लिखी हुई थीं। वे जिस काल को प्रदर्शित करती हैं उस काल का वे मुख्य स्त्रोत होती थी। प्राचीन हस्तलिपियाँ ताड़-पत्रों के अलावा पत्थर और धातुओं पर भी उकेरी गयी थी जिसका प्रमाण हड़प्पा सभ्यता और मौर्य कालीन लेखों से प्राप्त होता है।

अतः प्राचीन हस्तलिपियाँ पहले हस्तलिखित थी और उसके बाद मुद्रित की गयी थी, यह कथन गलत है।

9. मध्यकालीन भारत में मन्दिरों को.....के केन्द्र के रूप में माना जाता था

(a) सांस्कृतिक गतिविधियों

(b) बड़े पैमाने पर विदेशी व्यापार

(c) सूफी आन्दोलन

(d) वास्तुकला

Ans : (a) मध्यकालीन भारत में मंदिरों को सांस्कृतिक गतिविधियों का केन्द्र माना जाता था।

10. भारत में आरंभिक मानवों पर समझ के लिए निम्नलिखित में से किसे एक प्राथमिक स्त्रोत माना जा सकता है?

(a) गिरनार का शैल अभिलेख

(b) पादशाहनामा चित्रकला

(c) मध्य प्रदेश की शैल चित्रकला

(d) कांगड़ा–शैली की चित्रकला

CTET (VI-VIII) 08/12/2019

Ans. (c) : भारत में आरंभिक मानवों पर समझ के लिए मध्य प्रदेश की शैल चित्रकला को प्राथमिक स्त्रोत माना जा सकता है क्योंकि मध्य प्रदेश की भीमबेटका गुफा विश्व की सबसे प्राचीन गुफा है। इसमें प्रस्तर सामग्री प्राप्त हुई है जो मध्य पाषाण काल (30,000 ई.पू. से 10,000 ई.पू.) से सम्बन्धित है। यहाँ पर आखेटक, कृषक, ग्वाले आदि चित्रित हैं व प्राचीन प्रस्तरयुग से भी प्राचीन मानव के अस्त्र–शस्त्र मिले हैं।

11. निम्नलिखित का मिलान कीजिए :

	कलारूप		नामावली
A.	कला की वह तकनीक जो 'असली जैसी तसवीरों' को बनाने में सहायक थी।	i.	नयनाभिराम
B.	चित्रकारी जिसमें भारतीय भू-दृश्यों को अनूठा, अनछुआ दिखया जाता था।	ii.	रूप-चित्रण
C.	भारत में यूरोपवासियों की ऐश्वर्यपूर्ण जीवनशैली, धन-संपदा और रौब-दाब दर्शाती चित्रकला	iii.	इतिहास चित्रकला
D.	ब्रिटिश साम्राज्यवादी इतिहास और विजयी दृश्यों को चित्रित करने वाली चित्रकला	iv.	तैल चित्रकला

	A	B	C	D
(a)	iii	iv	i	ii
(b)	ii	iii	iv	i
(c)	i	ii	iii	iv
(d)	iv	i	ii	iii

CTET (VI-VIII) 07/07/2019

Ans. (d) : सही मिलान निम्नलिखित है–

कलारूप	नामावली
कला की वह तकनीक जो 'असली जैसी तसवीरों को बनाने में सहायक थी।	तैल चित्रकला
चित्रकारी जिसमें भारतीय भू-दृश्यों को अनूठा, अनछुआ दिखाया जाता था।	नयनाभिराम

भारत में यूरोपवासियों की ऐश्वर्यपूर्ण जीवनशैली, धन-संपदा और रौब-दाब दर्शाती चित्रकला	रूप चित्रण
ब्रिटिश साम्राज्यवादी इतिहास और विजयी दृश्यों को चित्रित करने वाली चित्रकला	इतिहास चित्रकला

12. सबसे पुरानी पांडुलिपियाँ..... पर लिखी गई थीं।

(a) ताड़ पत्रों (b) पत्थरों
(c) कागज (d) लकड़ी

CTET (VI-VIII) 09/12/2018

Ans. (a) : सबसे पुरानी पाण्डुलिपियाँ ताड़पत्रों पर लिखी गई थी। ताड़पत्र के बाद भोजपत्र, ताम्रपत्र और सुवर्णपत्र आदि का प्रयोग भी होने लगा। पांडुलिपियाँ (Manuscripts) उस दस्तावेज को कहते हैं जो एक व्यक्ति या अनेक व्यक्तियों द्वारा हाथ से लिखी गई हो। इसे हस्तप्रति, लिपिग्रन्थ इत्यादि नामों से भी जाना जाता है।

13. अजंता गुफा चित्रों में इस्तेमाल किए गए रंग निम्नलिखित में से किस सामग्री से प्राप्त किए गए हैं?

(a) पशु अंगों के अवशेष (b) ग्रेफाइट
(c) पौधों और खनिज (d) स्लेट

CTET (VI-VIII) 09/12/2018

Ans. (c) : प्राकृतिक वस्तुओं जैसे पौधे तथा खनिज से निर्मित रंगों द्वारा अजंता की गुफाओं में चित्रकारी की गई है। अजंता की गुफाओं के चित्रों की चमक आज 1000 से अधिक वर्ष बीतने के बाद भी वैसी की वैसी है। यह भित्ति चित्रकारी के लिए विख्यात है। इन चित्रों में बौद्ध धार्मिक आख्यानों और देवताओं का जीवंतता से चित्रण किया गया है। यह भारतीय कला का अद्वितीय नमूना है।

14. गणितज्ञ तथा खगोलशास्त्री आर्यभट ने '*आर्यभटीयम्*' नामक पुस्तक निम्नलिखित भाषाओं में से किसमें लिखी थी?

(a) हिन्दी (b) प्राकृत
(c) पाली (d) संस्कृत

CTET (VI-VIII) 21/02/2016

Ans. : (d) गणितज्ञ तथा खगोलशास्त्री आर्यभट्ट ने अपनी पुस्तक 'आर्यभट्टीयम' संस्कृत भाषा में लिखी थी आर्यभट्ट गुप्तकालीन शासक चन्द्रगुप्त 'विक्रमादित्य' के नौ-रत्नों में से एक थे। इन्होंने ''दशमलव'' तथा "π" का आविष्कार किया। यह सर्वप्रथम व्यक्ति थे जिन्होंने बताया कि पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है।

15. 'पंचवाणी' और 'बीजक' में निम्नलिखित में से किस महान हस्ती के छंद और विचारों को संरक्षित किया गया है?

(a) मीराबाई (b) कबीर
(c) गुरुनानक (d) रविदास

CTET (VI-VIII) 30/01/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : कबीर का जन्म 1398 ई. में वाराणसी (उ.प्र.) में हुआ था तथा मृत्यु 1494 ई. में मगहर (उ.प्र.) में हुआ था। कबीर 15वीं सदी के भारतीय रहस्यवादी कवि और संत थे। संत कबीर भक्तिकालीन युग में ज्ञानाश्रयी–निर्गुण शाखा की काव्यधारा के प्रवर्तक थे। इनकी मुख्य कृति है– ''बीजक–साखी, सबद, रमैनी''।

16. मिस्र के रोसेट्टा नाम के कस्बे में एक उत्कीर्णित पत्थर मिला है। निम्नलिखित में से कौन सी भाषा उस पर उत्कीर्णित है?

(a) रोमन (b) यूनानी
(c) अरामेइक (d) लैटिन

CTET (VI-VIII) 30/01/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : रोसेटा मिस्र में उत्तरी तट पर एक शहर है यहाँ से एक उत्कीर्णित पत्थर प्राप्त हुआ है जिसमें तीन अलग-अलग भाषाओं में शिलालेख थे। जिसमें ग्रीक (यूनानी) भाषा और प्राचीन मिस्र दोनों की भाषाएँ शामिल हैं। रोसेटा एक विशेष दुर्घटना का काला पत्थर का टुकड़ा है जो 196 ईसापूर्व यानि लगभग 2200 वर्ष पुराना है। यह शिलालेख प्राचीन मिस्र की सभ्यता से संबंधित है।

17. निम्नलिखित में से कौन सी रचना सूरदास द्वारा संकलित नहीं है?

(a) सूरसागर (b) सूरसारावली
(c) साहित्य रत्ना (d) साहित्य लहरी

CTET (VI-VIII) 01/02/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : साहित्य रत्ना सूरदास द्वारा संकलित नही है। सूरसागर, सूरसारावली, सहित्य लहरी यह तीनों सूरदास द्वारा संकलित है। सूरदास हिन्दी के भक्तिकाल के महान कवि थे, ये भगवान श्री कृष्ण के अनन्य उपासक और ब्रजभाषा के श्रेष्ठ कवि थे। सूरदास हिंदी साहित्य के सूर्य माने जाते है।

18. निम्नलिखित में से कौन सी तमिल कृति हमें आम पुरुषों और महिलाओं के जीवन के बारे में सूचित करती है?

(a) शिलाप्पादिकरम (b) वलैयापति
(c) मणिमेकलई (d) पेरियापूरणम

CTET (VI-VIII) 01/02/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : बारहवीं शताब्दी की तमिल कृति 'पेरियापूरणम' में आम पुरूषों और महिलाओं के जीवन के बारे में सूचित करती है। शिलपदिकारम को 'तमिल साहित्य' के प्रथम महाकाव्य के रूप में जाना जाता है। इस महाकाव्य की रचना इलांगों आदिगल ने की थी। वलैयापति संगमकालीन प्रसिद्ध महाकाव्य है। इसका तमिल साहित्य में महत्वपूर्ण स्थान है। मणिमेकलई तीस छंदो का महाकाव्य है, इसके रचनाकार चितलाई चतनार है।

19. ''ऊन, पेड़ों की छाल, कपास, पटुआ तथा सन को तैयार करने के काम में विधवाओं, सक्षम-अक्षम महिलाओं, भिक्षुणियों, वृद्धों, वेश्याओं, राजा की अवकाश प्राप्त दासियों, सेविकाओं, और अवकाश प्राप्त देवदासियों को लगाया जा सकता है'' यह कताई-बुनाई कारखानों पर दिये गए निर्देश, निम्नलिखित में से किस ग्रंथ में वर्णित है?

(a) मुद्राराक्षस (b) राजतरंगिणी
(c) अर्थशास्त्र (d) बृहतकथामंजरी

CTET (VI-VIII) 03/02/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : ''ऊन, पेड़ों की छाल, कपास, पटुआ तथा सन को तैयार करने के काम में विधवाओं, सक्षम-अक्षम महिलाओं, भिक्षुणियों, वृद्धों, वेश्याओं, राजा की अवकाश प्राप्त दासियों, सेविकाओं और अवकाश प्राप्त देवदासियों को लगया जा सकता है'' यह कटाई-बुनाई कारखानों पर दिये गए निर्देश 'अर्थशास्त्र' ग्रंथ में वर्णित है। अर्थशास्त्र राजा के कौशल, आर्थिक नीति और सैन्य रणनीति पर एक प्राचीन भारतीय संस्कृत ग्रंथ हैं कौटिल्य, जिन्हें विष्णुगुप्त और चाणक्य के रूप में भी जाना जाता है, को अर्थशास्त्र के लेखक के रूप में जाना जाता है।

ग्रंथ		लेखक
मुद्राराक्षस	–	विशाखादत्त
राजतरंगिणी	–	कल्हण
अर्थशास्त्र	–	चाणक्य
अष्टाध्यायी	–	पाणिनी
कुमार संभवम्	–	कालीदास

20. निम्नलिखित क्षेत्रों में से उन क्षेत्रों की पहचान कीजिए जहाँ अतीत में आए अरबी और चीन के व्यापारियों के उल्लेखनीय सांस्कृतिक प्रभाव हैं?

(a) पंजाब और तमिलनाडु (b) केरल और लद्दाख
(c) असम और हरियाणा (d) गुजरात और तेलंगाना

CTET (VI-VIII) 06/02/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : केरल और लद्दाख यह दो प्रमुख क्षेत्र है, जहाँ अतीत में आए अरबी और चीन के व्यापारियों के उल्लेखनीय सांस्कृतिक प्रभाव है। लद्दाख जम्मू और कश्मीर के पूर्व में पहाड़ियों में बसा एक रेगिस्तानी इलाका है। लद्दाख के रास्ते ही बौद्ध धर्म तिब्बत पहुँचा। लद्दाख को छोटा तिब्बत भी कहा जाता है। केरल, भारत के दक्षिण पश्चिमी कोने में बसा हुआ है। सबसे पहले अरबी एवं यहूदी व्यापारी केरल आए थे। चीन के व्यापारी भी केरल आए, यहाँ पर मछली पकड़ने के लिए जो जाल इस्तेमाल किए जाते हैं वे चीनी जालों से हू-ब-हू मिलते हैं और उन्हें 'चीना-वला कहते है।

21. ''खुदा की रचना के खाते में, उसका ब्योरा चूँकि मर्दों की सूची में नही आता, इसलिए इतनी शानदार खूबियों से भी उसे आखिर हासिल क्या हुआ ?'' यह लेखांश तेरहवी शताब्दी में किसके लिए लिखा गया था ?

(a) दिद्दा (b) रज़िया
(c) गौतमी (d) रुद्रमादेवी

CTET (VI-VIII) 20/08/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : इल्तुतमिश की बेटी रज़िया का शासनकाल 1236 से 1240ई. तक था। मिनहाज-ए-सिराज (इतिहासकार) का सोचना था कि ईश्वर ने जो आदर्श समाज व्यवस्था बनाई है उसके अनुसार स्त्रियों को पुरूषों के अधीन होना चाहिए और रानी का शासन इस व्यवस्था के विरूद्ध जाता था। इसलिए वह पूछता है। ''खुदा की रचना के खातें में उसका ब्यौरा चूँकि मर्दों की सूची में नहीं आता, इसलिए इतनी शानदार खूबियों से भी उसे आखिर हासिल क्या हुआ?''

22. किसने 'स्त्रीपुरुषतुलना' किताब लिखी है?

(a) पंडित रमाबाई
(b) ताराबाई शिंदे
(c) राससुंदरी देवी
(d) बेगम रूकैया सखावत हुसैन

CTET (VI-VIII) 09/01/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : सही मिलान इस प्रकार है–

पुस्तक	संबंधित व्यक्ति
स्त्री पुरुष तुलना	ताराबाई शिंदे
स्त्रीधर्म नीति	रमाबाई
आमेर जीबोन	राससुंदरी देवी
सुल्ताना का स्वप्न	रूकैया सखाबत हुसैन
गॉड ऑफ स्मॉल थिंग्स	अरूंधती राय
फास्टिंग फीस्टिंग	अनीता देसाई

23. 'सुल्ताना का स्वप्न' नामक किताब की लेखिका कौन थीं?

(a) रूकैया सखावत हुसैन (b) इस्मत चुगताई
(c) हाजरा बेगम (d) अबादी बानो बेगम

CTET (VI-VIII) 09/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) :

पुस्तक	संबंधित लेखिका
सुल्ताना का स्वप्न	रूकैया सखावत हुसैन
दिल की दुनिया	इस्मत चुगताई
प्लेस कॉल्ड होम	प्रीती शेनॉय
द टाइगर ऑफ द्रास	मीना नैयर
अनफील्ड बैरल :	रिचा मिश्रा

24. निम्नलिखित सूची - A में दी गई नृत्य शैलियों का सूची- B में उनसे संबंधित राज्यों में मिलान करें। सही विकल्प चुनें।

सूची- A		सूची-B	
(i)	**भरतनाट्यम्**	**(a)**	**आंध्र प्रदेश**
(ii)	**कथकली**	**(b)**	**तमिलनाडु**
(iii)	**यक्षगणम्**	**(c)**	**केरल**
(iv)	**कुचिपुड़ी**	**(d)**	**कर्नाटक**
		(e)	**मणिपुर**

(a) (i)-(c), (ii)-(b), (iii)-(d), (iv)-(e)
(b) (i)-(b), (ii)-(c), (iii)-(d), (iv)-(a)
(c) (i)-(b), (ii)-(a), (iii)-(d), (iv)-(e)
(d) (i)-(a), (ii)-(e), (iii)-(b), (iv)-(c)

CTET (VI-VIII) 09/01/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : निम्नलिखित नृत्य शैलियों का संबंधित राज्यों से सही मिलान इस प्रकार है–

सूची–A	सूची–B
भरतनाट्यम	तमिलनाडु
कथकली	केरल
यक्षगणम्	कर्नाटक
कुचिपुड़ी	आंध्र प्रदेश

इस प्रकार सही सुमेलित करने पर विकल्प b सही है।

नोट– विश्व प्रसिद्ध संगीतकार A. R. रहमान के नाम पर कनाडा के मरखम शहर की एक सड़क का नाम अगस्त 2022 में रखा गया है।

25. _____ शूरवीरों एवं वीरांगनाओं के बारे में भव्य एवं लंबी रचनाएँ हैं तथा इनमें देवताओं से संबंधित कहानियाँ (कथाएँ) भी सम्मिलित हैं।

(a) ऐतिहासिक लेख (b) महाकाव्य
(c) वृत्तांत (आख्यान) (d) संदर्भिकाएँ

CTET (VI-VIII) 11/01/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : महाकाव्य शूरवीरों एवं वीरांगनाओं के बारे में भव्य एवं लंबी रचनाएँ हैं तथा इनमें देवताओं से संबंधित कहानियाँ (कथाएँ) भी सम्मिलित हैं। महाकाव्य में किसी महापुरुष के जीवन का सम्पूर्ण चित्रण व्यापक रूप से किया जाता है। महाकाव्य की रचना में इतिहास की प्रसिद्ध कथाएँ शामिल होती हैं एवं इसका नायक उदात्त एवं महान चरित्र धारण करने वाला व्यक्ति होता है।

26. 'आमार जिबारी' एक _____ के अनुभवों का विवरण करती हुई एक आत्मकथा है।

(a) आध्यात्मिक गुरु (b) गृह सेवक
(c) गृहिणी (d) दलित

CTET (VI-VIII) 12/01/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : राससुंदरी देवी दो सौ वर्ष पूर्व पश्चिम बंगाल में पैदा हुयी थी। साठ वर्ष की अवस्था में उन्होंने बांग्ला भाषा में अपनी आत्मकथा लिखी। उनकी पुस्तक 'आमार जिबारी' किसी भारतीय महिला द्वारा लिखित पहली आत्मकथा है। रास सुंदरी देवी एक धनवान जमींदार परिवार की गृहिणी थी। उस समय लोगों का विश्वास था कि यदि लड़की लिखती-पढ़ती है, तो दुर्भाग्य लाती है और विधवा हो जाती है। इसके बावजूद उन्होंने अपनी शादी के बहुत समय बाद स्वयं ही छुप-छुपकर लिखना पढ़ना सीखा।
रास सुंदरी देवी के अक्षर ज्ञान ने उन्होंने चैतन्य भागवत पढ़ने का अवसर दिया तथा स्वयं अपने लेखन से उन्होंने संसार को उस समय की स्त्रियों के जीवन के बारे में जानने का अवसर मिला।

27. निम्नलिखित में से कौन सी क्षेत्रीय भाषा का प्रयोग उपमहाद्वीप के सरकारी अभिलेखों में सबसे पहले हुआ था?

(a) उर्दू (b) अंग्रेजी
(c) मलयालम (d) पंजाबी

CTET (VI-VIII) 17/01/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : मलयालय भाषा का प्रयोग उपमहाद्वीप के सरकारी अभिलेखों में सबसे पहले हुआ था। मलयालम भाषा दक्षिण भारत की एक प्रमुख भाषा है जो मुख्यतः केरल और लक्षद्वीप में बोली जाती है। महोदयपुरम का चेर राज्य प्रायद्वीप के दक्षिणी-पश्चिमी भाग में जो आज के केरल राज्य का एक हिस्सा है नौवीं शताब्दी में स्थापित किया गया था। यहॉ के शासकों ने मलयालम भाषा एवं लिपि का प्रयोग अपने अभिलेखों में किया था। भारत की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी है। संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप भारतीय अंकों का अंतर्राष्ट्रीय रूप है (संविधान का अनुच्छेद 343(A) ।

28. तमिल महाकाव्य, 'सिलप्पदिकारम' की रचना की गई थी-

(a) सतानर द्वारा (b) इलांगो द्वारा
(c) तिरूवल्लुवर द्वारा (d) कुट्टुवनार द्वारा

CTET (VI-VIII) 17/01/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : तमिल महाकाव्य, 'सिलप्पदिकारम' की रचना करने का श्रेय इलांगो आदिगल को जाता है। इलांगो एक चेर राजकुमार, जैन भिक्षु, और कवि थे। सिलप्पदिकारम 5730 पंक्तियों की एक कविता है, इस महाकाव्य में एक साधारण युगल, कन्नगी और उसके पति कोवलन की एक दुखद प्रेम कहानी है।
तमिल के 5 महान महाकाव्य -
* शिलप्पदिकारम * मजिम कलाई
* सिवका चिंतामणि * वलैयापति
* कुंतलकासी

29. भारत के किस क्षेत्र से बौद्ध धर्म तिब्बत पहुँचा?

(a) अरूणाचल प्रदेश (b) लद्दाख
(c) हिमांचल प्रदेश (d) सिक्किम

CTET (VI-VIII) 30/12/2021

Ans. (b) : भारत के लद्दाख क्षेत्र से बौद्ध धर्म तिब्बत पहुँचा। बौद्ध धर्म के दो रूपों का अभ्यास लद्दाख- महायान और वज्रयान के रूप में किया जाता है और इसके चार प्रमुख संप्रदाय-यंग्मा, कगयूद, शाक्य और गोलुक हैं। लद्दाख के उबड़-खाबड़ इलाके में अनगिनत मठ आपको देखने को मिल जायेंगे क्योंकि यहाँ अधिकतर लोग बौद्ध धर्म को मानते है।

30. तुलसीदास की रामचरितमानस ..... भाषा में लिखी गई है।

(a) संस्कृत (b) हिन्दुस्तानी
(c) ब्रजभाषा (d) अवधी

CTET (VI-VIII) 30/12/2021

Ans. (d) : तुलसीदास की रामचरितमानस अवधी भाषा में 16वीं सदी में रचित प्रसिद्ध ग्रंथ है। इस ग्रंथ को अवधी साहित्य (हिन्दी साहित्य) की एक महान कृति माना जाता है। इसे सामान्यतः 'तुलसी रामायण' या तुलसीकृत रामायण भी कहा जाता है।

31. निम्न कथनों पर विचार करें और सही विकल्प का चयन करें।

कथन (A) : आज से लगभग 2000 साल पहले चरक नाम के एक वैद्य पैदा हुए थे। उन्होंने कहा था कि मनुष्य के शरीर में 360 हड्डियाँ होती हैं।

कथन (B) : दांतों के जोड़ और उपास्थियों के संयोजन से चरक इस संख्या पर पहुँचे थे।

(a) A और B दोनों सही हैं।
(b) A और B दोनों गलत हैं।
(c) A सही है और B गलत हैं।
(d) B सही है और A गलत हैं।

CTET (VI-VIII) 31/12/2021

Ans. (a) : आज से लगभग 2000 साल पहले चरक नामक वैद्य ने कहा था, कि मनुष्य के शरीर में 360 हड्डियाँ होती है। यह आधुनिक शरीर रचना विज्ञान की 206 हड्डियों से काफी ज्यादा है। सम्भवतः चरक ने अपनी गिनती में दाँत, हड्डियों के जोड़ और कार्टिलेज को जोड़कर यह संख्या बताई थी। इस प्रकार प्रश्नगत दोनों कथन सही है।

32. 'अल-हिन्द' किताब को किसने लिखा?

(a) अल-इदरिसी (b) अल-बेरूनी
(c) अल-जरूनी (d) अल-दुहैल

CTET (VI-VIII) 31/12/2021

Ans. (b) : अलहिन्द (किताब-उल-हिन्द) किताब को अरबी भाषा में अल-बेरुनी ने लिखी है। यह एक विस्तृत ग्रंथ है जो धर्म, दर्शन, त्योहारों, खगोल विज्ञान, रीति-रिवाजों, प्रथाओं, कानून, मापन विधियों, मूर्तिकला, सामाजिक जीवन आदि विषयों के आधार पर अस्सी अध्यायों में विभाजित है।

33. निम्नलिखित में से कौन-से कथन प्रख्यात महाकाव्य सिलाप्पादिकारम के विषय में सही है:

A. यह इलांगो द्वारा रचित है
B. यह तमिल भाषा में रचित है
C. इसमें कोवलन और माधवी की बेटी की कहानी है
D. उसकी रचना लगभग 500 वर्ष पूर्व की गई
सही विकल्प का चयन कीजिए-

(a) केवल A और B (b) केवल B और C
(c) केवल C और D (d) केवल A, C और D

CTET (VI-VIII) 05/01/2022

Ans. (a) : सिलाप्पादिकारम के विषय में सही जानकारी, यह इलांगो द्वारा रचित है और यह तमिल भाषा में हैं। सिलाप्पादिकारम को तमिल साहित्य के प्रथम महाकाव्य के रूप में जाना जाता है। इसका शाब्दिक अर्थ है– ''नूपुर की कहानी'' इस महाकाव्य की रचना चेर वंश के शासक सेन गुट्टुवन के भाई इलांगो आदिगल ने लगभग ईसा की दूसरी-तीसरी शताब्दी में की थी। इस महाकाव्य के नायक कोवलन और नायिका कण्णगी हैं।' इस महाकाव्य में कवि ने तत्कालीन तमिल समाज का सजीव चित्र प्रस्तुत करने के साथ-साथ समाज में प्रचलित नृत्यों, व्यवसायों आदि का भी परिचय दिया है।

34. प्राचीनतम लघुचित्रकला किस पर बनाए जाते थे:-

(A) पात्र
(B) ताड़पत्र
(C) कागज़
(D) लकड़ी का तख्ती

सही विकल्प का चयन करें:

(a) A, B और C सही हैं। (b) A,B और D सही हैं।
(c) A,C और D सही हैं। (d) B,C और D सही हैं।

CTET (VI-VIII) 20/12/2021

Ans. (d) : प्राचीनतम लघुचित्रकला मूल रूप से ताड़ के पत्तों पर थे और बाद में कागज पर काम किया गया था। तथा लकड़ी की तख्ती पर काम किया गया था। 9वीं-12वीं शताब्दी में बनाई गई लघु चित्रकला की पूर्वी पाठशाला, महायान बौद्ध देवताओं को चित्रित करती है। लघु चित्रकला आश्चर्यजनक हस्तनिर्मित पेंटिंग है, जो काफी रंगीन है लेकिन आकार में छोटी है।

35. बंगाली एक क्षेत्रीय भाषा के रूप में विकसित होने के कारक है:

(A) वाणिज्यिक समझौते
(B) राजनैतिक समझौते

सही विकल्प का चयन करें:

(a) केवल A (b) केवल A
(c) A और B दोनों (d) न तो A न ही B

CTET (VI-VIII) 20/12/2021

Ans. (c) : बंगाली एक क्षेत्रीय भाषा के रूप में विकसित होने के पीछे वाणिज्यिक समझौते तथा राजनैतिक समझौते है। क्योंकि ईसा पूर्व चौथी-तीसरी शताब्दी से बंगाल और मगध (दक्षिण बिहार) के बीच वाणिज्यिक संबंध स्थापित होने लगे थे, जिसके कारण संभवतः संस्कृत का प्रभाव बढ़ता गया होगा। चौथी शताब्दी के दौरान गुप्तवंशीय शासको ने उत्तरी बंगाल पर अपना राजनीतिक नियंतण स्थापित कर लिया और वहाँ ब्राह्मणों को बसाना शुरू कर दिया। इस प्रकार गंगा के मध्यघाटी के भाषायी तथा सांस्कृतिक प्रभाव अधिक प्रबल हो गये। चीनी यात्री ह्वेन सांग ने पाया कि बंगाल के सर्वत्र संस्कृत से संबंधित भाषाओं का प्रयोग हो रहा था। क्योंकि बंगाली भाषा संस्कृत से निकली हुयी भाषा है।

36. निम्न पंक्तियों के आधार पर सही विकल्प का चयन कीजिए।

''शिक्षा मौखिक थी और गुरू शिष्यों की आवश्यकताओं के अनुसार निर्धारित करते थे कि क्या पढ़ाना है, छात्रों को अलग-अलग कक्षाओं में नहीं बाँटा जाता था। गुरू छात्रों के अधिगम के स्तर के अनुसार से, छात्रों के समूह से शैक्षिक आदान-प्रदान करते थे।''

(a) शिक्षा का आदान-प्रदान अव्यवस्थित है।
(b) प्रणाली लचीली है।
(c) प्रणाली स्थानीय जरूरतों के अनुकूल है।
(d) शिक्षक छात्रों को अपने विचार प्रकट करने की अनुमति नहीं देते।

(a) A और B (b) B और C
(c) A और D (d) B और D

CTET (VI-VIII) 21/12/2021

Ans. (b) : प्रश्न में दी गयी टिप्पणी से स्पष्ट है कि तत्कालीन शैक्षिक प्रणाली लचीली थी और प्रणाली स्थानीय जरूरतों के अनुकुल थी। इस प्रकार कथन B और C सत्य है। तत्कालीन शिक्षा का स्तर ऊँचा, समावेशी और व्यवस्थित था। चूंकि शिक्षा मौखिक थी इससे स्पष्ट है कि शैक्षिक स्तर ऊँचा था। समावेशी शिक्षा का होना इस कथन से स्पष्ट है कि छात्रों को अलग-अलग कक्षाओं में नहीं बांटा जाता था।

37. 'भक्ति' के विशेष रूपक निम्नलिखित थे-

A. कोई भी, किसी भी जाति का, लिंग का, अमीर/गरीब व्यक्ति भक्ति का अनुसरण कर सकता था।
B. केवल ब्राम्हाण ही भक्ति के मार्ग का अनुसरण कर सकते थे।
C. देवता या देवी के समक्ष समर्पण पर जोर था।
D. विस्तृत बलिदानों और यज्ञों के प्रदर्शन पर जोर था।

सही विकल्प का चयन कीजिए:

(a) B और D सही है। (b) B और C सही हैं।
(c) A और D सही हैं। (d) A और C सही हैं।

CTET (VI-VIII) 27/12/2021

Ans. (d) : 'भक्ति' के विशेष रूपक निम्नलिखित थे -
• कोई भी, किसी भी जाति का, लिंग का, अमीर-गरीब व्यक्ति भक्ति का अनुसरण कर सकता था।
• देवी देवताओं के समक्ष समर्पण पर जोर था।
• भक्ति मार्ग अपनाने वालों का यह मानना था कि यदि अपने अराध्य देवी या देवता की सच्चे मन से पूजा की जाय तो वह उसी रूप में दर्शन देते हैं जिस रूप में भक्त उसे देखना चाहता है।
• भक्ति मार्ग अपनाने वाले लोग आडंबरो में विश्वास नही रखते थे। वे ईश्वर के प्रति सच्ची लगन और व्यक्तिगत पूजा पर बल देते थे।
• भक्ति परंपरा ने चित्रकला, शिल्पकला और स्थापत्य कला के माध्यम से अभिव्यक्ति की प्रेरणा भी दी। इस प्रकार कथन A और C सत्य है।

38. निम्नलिखित का सुमेल करें:

	पुस्तकें		लेखक
A.	**मेघदूत**	**I.**	**बाणभट्ट**
B.	**हर्षचरित**	**II.**	**आर्यभट्ट**
C.	**आर्यभट्टीयम**	**III.**	**सुश्रुत**
D.	**सुश्रुतसंहिता**	**IV**	**कालिदास**

(a) A-IV, B-I, C-II, D-III
(b) A-I, B-IV, C-III, D-II
(c) A-II, B-I, C-IV, D-III
(d) A-III, B-IV, C-I, D-II

CTET (VI-VIII) 27/12/2021

Ans. (a) : • मेघदूत एक मूल रूप से संस्कृत में लिखा गया महाकाव्य है जिसकी रचना महाकवि कालिदास के द्वारा किया गया है इसमें एक यक्ष और उसकी प्रेमिका की विरह का मार्मिक चित्रण प्रस्तुत किया गया है।

• हर्षचरित संस्कृत में बाणभट्ट द्वारा रचित एक ग्रन्थ है। इसमें भारतीय सम्राट हर्षवर्धन का जीवनचरित्र वर्णित है। ऐतिहासिक कथानक से संबंधित यह संस्कृत का सबसे प्राचीन ग्रन्थ है।

• आर्यभट्टीय नामक ग्रन्थ की रचना आर्यभट्ट प्रथम (476-550) ने की थी। यह संस्कृत भाषा में आर्या छंद में काव्यरूप में रचित गणित तथा खगोल शास्त्र का ग्रंथ है।

• सुश्रुतसंहिता पुस्तक को सुश्रुत ने लिखी। शल्य चिकित्सा के पितामह और सुश्रुतसंहिता के प्रणेता आचार्य सुश्रुत का जन्म छठी शताब्दी ईसा पूर्व काशी में हुआ था। इन्होंने धन्वन्तरि से शिक्षा प्राप्त की।

39. निम्नलिखित में से कौन सा मध्ययुगीन भारतीय काल को समझने का प्राथमिक स्त्रोत है?

(a) अशोक का अभिलेख
(b) कालिदास की अभिज्ञान शाकुन्तलम्
(c) रविकीर्ति की प्रशस्ति
(d) सूरदास की साहित्य लहरी

CTET (VI-VIII) 28/12/2021

Ans. (d) : सूरदास (15वीं -16वीं शताब्दी) बल्लभाचार्य के शिष्य तथा कृष्ण और राधा के भक्त थे। इनकी प्रमुख कृतियाँ सूरसारावली, सूरसागर तथा साहित्य लहरी है। साहित्य लहरी मध्ययुगीन भारतीय काल को समझने का प्राथमिक स्रोत है।

40. आप 18वीं सदी में दिल्ली से मुगल कलाकारों के पलायन के बाद चित्रकला की एक नई विधा के उत्थान पर परियोजना कार्य की योजना बना रहे हैं। आप छात्रों को किस चित्रकला की जानकारी प्राप्त करने के लिए कहेंगे?

(a) बसोहली चित्रकला (b) कांगड़ा चित्रकला
(c) जोधपुर चित्रकला (d) कोटा चित्रकला

CTET (VI-VIII) 28/12/2021

Ans. (b) : 18वीं सदी में दिल्ली से मुगल कलाकारों के पलायन के बारे चित्रकला के एक नई विधा के उत्थान पर परियोजना कार्य की योजना बना रहे हैं तो छात्रों को कांगड़ा चित्रकला की जानकारी प्राप्त करने के लिए कहेंगे। मुगल कलाकारों के पलायन के बाद कांगड़ा चित्रकला का विकास हुआ। भारतीय चित्रकला के इतिहास में मध्ययुग में विकसित पहाड़ी शैली के अन्तर्गत कांगड़ा शैली का विशेष स्थान है।

41. मध्ययुगीन समय (काल) में विविध प्रकार की सांस्कृतिक अभिव्यक्तियाँ थीं जो पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में फली-फूलीं।
सूची I और II की वस्तुओं का सुमेल कीजिए-

सूची I	सूची II
a) व्याकरण तथा काव्यशास्त्र	(i) रसमंजरी
b) कहानी सुनाना	(ii) लीला तिलकम
c) विशिष्ट शैली	(iii) कथक
d) लघुचित्र	(iv) घराने

सही विकल्प का चयन कीजिए।

(a) a-(i), b-(ii), c-(iii), d-(iv)
(b) a-ii, b-iii, c-iv, d-i
(c) a-iii, b-iv, c-i, d-ii
(d) a-iv, b-I, c-ii, d-iii

CTET (VI-VIII) 10/01/2022

Ans. (b) :

अ.	व्याकरण तथा काव्यशास्त्र	- लीला तिलकम
ब.	कहानी सुनाना	- कथक
स.	विशिष्ट शैली	- घराने
द.	लघुचित्र	- रसमंजरी

लीला तिलकम 14वीं शताब्दी के संस्कृत भाषा का ग्रंथ है। कथक में नृत्यों के माध्यम से कहानियों को व्यक्त किया जाता था। वर्तमान में पद्मश्री डॉ. पुरु दधीच श्रेष्ठ कथक नृत्य गुरु हैं। घराने वंश परम्परा को व्यक्त करती है जो किसी विशिष्ट कला से सम्बन्धित हैं। रसमंजरी के रचनाकार भानुदत हैं। ये लघुचित्र प्रायः कपड़े पर बने होते हैं।

42. अभिकथन (A): हम्पी वाणिज्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र था।
कारण (R): हम्पी के बाजारों में मूरों (मुस्लिम सौदागरों के लिए सामूहिक रूप से प्रयुक्त नाम), चेट्टियों और यूरोपीय व्यपारियों का जमघट लगा रहता था।
सही विकल्प का चयन कीजिए-

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) सही व्याख्या है (A) की।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R) सही व्याख्या नहीं है (A) की।
(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) गलत है परन्तु (R) सही है।

CTET (VI-VIII) 11/01/2022

Ans. (a) : (A) तथा (R) दोनों कथन सही हैं और (R) सही व्याख्या करता है (A) की, क्योंकि हम्पी वाणिज्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केन्द्र था। तथा हम्पी के बाजारों में मूरों (मुस्लिम सौदागरों के लिए सामूहिक रूप से प्रयुक्त नाम) चेट्टियो और यूरोपीय व्यापारियों का जमघट लगता था हम्पी को यूनेस्को की विश्व विरासत स्थल घोषित किया गया है। यह तुंगभद्रा नदी के तट पर स्थित है यह 1336 से 1365 तक यह शहर विजयनगर साम्राज्य की राजधानी था।

11. नए सम्राट और साम्राज्य

1. राजा हर्षवर्धन के दरबारी कवि बाणभट्ट ने उनकी जीवनी 'हर्षचरित' निम्नलिखित भाषाओं में से किसमें लिखी?

(a) प्राकृत (b) हिन्दी
(c) उर्दू (d) संस्कृत

CTET (VI-VIII) 20/09/2015

Ans. : (d) राजा हर्षवर्धन के दरबारी कवि बाणभट्ट ने राजा हर्ष वर्धन की जीवनी संस्कृत भाषा में हर्षचरित के नाम से लिखी। यह पहला गद्यकाव्य लिखने का प्रयास था।

2. मराठा सेना एक ताकतवर सेना थी जिसने प्रायद्वीप में मुगलों को चुनौती दी। सैनिक अधिकांश रूप से किस समुदाय से आने वाले व्यक्ति थे?

(a) कुनबियों (b) पेशवाओं
(c) चितपावन ब्राम्हणों (d) देशमुखों

CTET (VI-VIII) 19/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : मराठा सेना एक ताकतवर सेना थी जिसने प्रायद्वीपीय भारत में मुगलों को चुनौती दी। सैनिक अधिकांश रूप से 'कुनबी' समुदाय से आने वाले व्यक्ति थे। मराठा राज्य एक शक्तिशाली क्षेत्रीय राज्य था, जो मुगल शासन का लगातार विरोध करके उनके साम्राज्य विस्तार में उत्पन्न हुआ था। शिवाजी 1627-1680 ने शक्तिशाली योद्धा परिवारों की सहायता से एक स्थायी राज्य की स्थापना की। अत्यन्त गतिशील कृषक-पशुचारक (कुनबी) समुदाय के लोग मराठों की सेना के मुख्य आधार बन गए। 1720-1761 के बीच मराठा साम्राज्य का काफी विस्तार हुआ। उसने शनैः शनैः और काफी सफलता पूर्वक मुगल साम्राज्य की सत्ता को क्षति पहुँचाई। 1720 के दशक तक मालवा और गुजरात मुगलों से छीन लिए गए।

3. निम्नलिखित में से किस लेखक ने हर्षवर्धन के विषय में लिखा ?

(A) रविकृति

(B) जुआन जैंग

(C) फॉ ज़ियान

(a) (A) और (B) सही हैं

(b) (B) और (C) सही हैं

(c) (A) और (C) सही हैं

(d) (A), (B) और (C)सहीं हैं

CTET (VI-VIII) 19/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : रविकीर्ति और जुआन जैंग लेखकों ने हर्षवर्धन के विषय में कुछ लेख लिखे थे। राजा हर्षवर्धन को हर्ष के नाम से भी जाना जाता है। वह पुष्यभूति राजवंश या वर्धन राजवंश के संस्थापक प्रभाकर वर्धन के पुत्र थे। हर्ष वर्धन को 7वीं शताब्दी ईस्वी के सबसे प्रमुख भारतीय सम्राटों में से एक माना जाता है। उसने एक विशाल साम्राज्य का निर्माण किया जो उत्तर और उत्तर-पश्चिम भारत से दक्षिण में नर्मदा नदी तक फैला हुआ था। उसकी राजधानी कन्नौज थी। यह एक हिंदू थे जिन्होने बाद में बौद्ध धर्म की महायान शाखा को ग्रहण किया।

नोट⟶ चीनी यात्री ह्वेनसांग ने अपने लेख में राजा हर्षवर्धन के कार्यो की प्रशंसा की।

4. निम्नलिखित में से किस व्यवस्था के अंतर्गत सिखों ने किसानों से उनकी उपज का 20 प्रतिशत कर के रूप में लेकर बदले में उन्हें संरक्षण प्रदान किया?

(a) जत्था (b) खालसा

(c) चौथ (d) राखी

CTET (VI-VIII) 25/01/2023 (Shift-II)

Ans. (d) राखी व्यवस्था के तहत सिखों ने किसानों से उनकी उपज का 20 प्रतिशत कर के रूप में लेकर बदले में उन्हें संरक्षण प्रदान करते थे।

5. कित्तूर के ब्रिटिश-विरोधी आन्दोलन का नेतृत्व किसने किया?

(a) रानी चेनम्मा (b) नाना फादानिस

(c) अहिल्याबाई होल्कर (d) रानी लक्ष्मीबाई

CTET (VI-VIII) 18/11/2012

Ans. : (a) कित्तूर आंदोलन (विद्रोह) का नेतृत्व किट्टूर (कर्नाटक) रियासत की रानी चेनम्मा ने 1824 ई. में किया था। यह एक सैन्य विद्रोह था जो ब्रिटिश इस्ट इण्डिया कम्पनी के विरुद्ध था।

6. बारहवीं शताब्दी में कीरा मुखियाओं ने जिस क्षेत्र पर शासन किया वह वर्तमान में.....में स्थित है।

(a) उत्तराखण्ड/उत्तर प्रदेश (b) पंजाब/हरियाणा

(c) छत्तीसगढ़/मध्य प्रदेश (d) झारखण्ड/बिहार

CTET (VI-VIII) 29/01/2012

Ans. : (c) 12वीं शताब्दी में कीरा मुखियाओं का शासन वर्तमान छत्तीसगढ़ तथा मध्य प्रदेश राज्य में था।

7. गजनी के सुल्तान महमूद द्वारा सोमनाथ मन्दिर को नष्ट करने के पीछे कौन-सा मुख्य कारण था?

(a) उसे मन्दिर की वास्तुकला पसन्द नहीं थी

(b) उसने इस्लाम के महान नायक के रुप में श्रेय लेने की कोशिश की

(c) वह किसी अन्य उद्देश्य के लिए मन्दिर का प्रयोग करना चाहता था

(d) वह वहाँ एक महल बनाना चाहता था

CTET (VI-VIII) 26/06/2011

Ans. : (b) गजनी के सुल्तान महमूद गजनवी का भारत पर सबसे बड़ा आक्रमण सोमनाथ मंदिर (17वाँ आक्रमण) पर था। इसका मुख्य उद्देश्य स्वयं को इस्लाम के महानायक के रूप में श्रेय लेना था। उसने इस्लाम के प्रसार तथा धन की लालसा से भारत पर कई आक्रमण किया।

8. गढ़ कटंगा के गोंड राज्य के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा कथन सही है?

(a) यह राज्य केवल नगरों से बना था।

(b) यह कमजोर बुंदेलों और मराठों के खिलाफ अधिक शक्तिशाली बना।

(c) यह एक समृद्ध राज्य था। इसने जंगली हाथियों को पकड़ कर और उनको दूसरे राज्यों में निर्यात करके धन कमाया।

(d) 1565 में मुगल सेनाओं ने गढ़ कटंगा पर हमला किया और उन्हें रानी दुर्गावती द्वारा हार का मुँह देखना पड़ा।

CTET (VI-VIII) 18/09/2016

Ans. : (c) गढ़ कटंगा का गोंड एक समृद्ध राज्य था। इसने हाथियों को पकड़ने और दूसरे राज्यों में उनका निर्यात करने के व्यापार में खासा धन कमाया था। जब मुगलों ने गोडों को हराया तो उन्होंने बेशकीमती सिक्के और हाथी बहुतायत में हथिया लिए। गढ़ कटंगा के पतन के बावजूद गोंड राज्य कुछ समय तक चलता रहा। लेकिन वे काफी कमजोर हो गये और बाद में अधिक शक्तिशाली बुदेंलों और मराठों के खिलाफ उनके संघर्ष में असफल रहे।

9. निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन 17वीं तथा 18वीं शताब्दी के दौरान सिक्खों के बारे में सत्य नहीं हैं:

(A) सिक्खों ने अपने आपको पहले 'जत्थों' में और बाद में 'मिस्लों' में संगठित किया ।

(B) उनकी संयुक्त सेनाएं 'दल खालसा' कहलाती थी।

(C) राखी व्यवस्था के तहत उन्होने मुसलमानों से उनकी उपज का 20% कर के रूप में लेकर उन्हे संरक्षण प्रदान किया था।

(D) गुरू गोविंद सिंह ने खालसा को इस विश्वास के साथ प्रेरित किया कि उनके भाग्य में शासन करना था (राज करेगा खालसा)।

(a) केवल (A) और (B) (b) केवल A, B और C

(c) A, B और D (d) A, C और D

CTET (VI-VIII) 30/01/2023 (Shift-II)

Ans. (*) : सत्रहवीं शताब्दी के दौरान सिक्ख एक राजनैतिक समुदाय के रूप में गठित हो गये थे। गुरू गोविन्द सिंह ने 1699 ई0 में खालसा पंथ की स्थापना की थी। 1708 ई0 में गुरू गोविन्द सिंह की मृत्यु के बाद बंदा बहादुर के नेतृत्व में खालसा ने मुगल सत्ता के खिलाफ विद्रोह किया। अठारहवीं शताब्दी में कई योग्य नेताओं के नेतृत्व में सिक्खों ने अपने आपको पहले 'जत्थों' में और बाद में 'मिसलों' में संगठित किया। इन जत्थों और मिसलों की संयुक्त सेनाएँ दल खालसा कहलाती थी। सिक्खों ने राखी व्यवस्था स्थापित की, जिसके अन्तर्गत किसानों से उनकी उपज का 20% कर के रूप में लेने के बदले में उन्हें संरक्षण प्रदान किया जाता था। गुरू गोविन्द सिंह ने खालसा को प्रेरित कियाा था कि शासन उनके भाग्य में है (राजकेरगा खालसा)

नोट - दिये गये विकल्पों में से सभी विकल्प सिक्ख समुदाय के बारे में सही है अतः कोई भी उत्तर विकल्प सही नहीं है।

10. कन्नोज नगर निम्नलिखित वंशों में से कौन से वंशों के बीच में विवाद का केंद्र बिन्दु था?

(a) प्रतिहार-राष्ट्रकूट-पाल (b) राष्ट्रकूट - पाल -पल्लव
(c) पल्लव - पाल -प्रतिहार (d) राष्ट्रकूट-प्रतिहार -पल्लव

CTET (VI-VIII) 30/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : उत्तर भारत का अत्यन्त प्राचीन एवं प्रसिद्ध नगर कन्नौज उत्तर प्रदेशों में फतेहगढ़ एवं कानपुर के मध्य स्थित है। इसका प्राचीन नाम कान्यकुब्ज, कुशस्थल और गांधीपुर था। कन्नौज का वैभव 7वीं शताब्दी से शुरू हुआ जब हर्षवर्धन ने इसे अपनी राजधानी बनाया। हर्ष के पश्चात् कन्नौज पर अधिकार करने के लिए पाल-प्रतिहार तथा राष्ट्रकूट राजवंशों के मध्य त्रिकोणात्मक संघर्ष 783 ई0 से 915 ई0 तक चलता रहा। कन्नौज पर हर्ष के पश्चात् राष्ट्रकूटों, गहड़वालों एवं प्रतिहारों ने शासन किया।

11. टीपू सुल्तान द्वारा अंग्रेजों का विरोध के संदर्भ में कथन (A) एवं कथन (B) को पढ़ें तथा सही उत्तर चुनें :

(A) अपनी मृत्यु तक टीपू सुल्तान अंग्रेजों के विरूद्ध लड़ते रहे।

(B) उसने अंग्रेजों की सांस्कृतिक परंपराओं का विरोध किया।

(a) (A) सही है किन्तु (B) गलत
(b) (A) गलत है किन्तु (B) सही
(c) दोनों (A) एवं (B) सही हैं।
(d) दोनों (A) एवं (B) गलत हैं।

CTET (VI-VIII) 06/02/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : अपनी मृत्यु तक टीपू सुल्तान अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ते रहे। प्रथम आंग्ल- मैसूर युद्ध (1767-1769) में हैदर अली विजयी हुआ। हैदर अली की मृत्यु के बाद उसका पुत्र टीपू मैसूर की गद्दी पर बैठा। टीपू सुल्तान का जन्म 1750 ई0 में हुआ था। मंगलौर की संधि द्वारा टीपू सुल्तान एवं अंग्रेजों ने एक-दूसरे के विजित क्षेत्रों को वापस कर दिया, टीपू ने हमेशा अंग्रेजों की सांस्कृतिक परम्पराओं का विरोध किया। इन्होंने 1787 ई0 में ''यादशाह'' की उपाधि धारण की थी। टीपू ने अपनी राजधानी श्रीरंगपदस्म में स्वतंत्रता के वृक्ष लगवाया जो यह प्रतीक थे कि वह अंग्रेजों के अधीन नहीं है। टीपू स्वयं जैकोबिन क्लब का सदस्य बना और अपने आपको नागरिक टीपू कहने लगा। टीपू की मृत्यु चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध (1799) के दौरान श्रीरंगपट्टनम में हुई थी। अतः (A) एवं (B) दोनों सही है।

12. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

कथन-(I) :

सिल्क रूट पर नियंत्रण रखने वाले शासकों में सबसे प्रसिद्ध कुषाण थे।

कथन-(II) : कुषाणों ने मध्य-एशिया तथा पश्चिमोत्तर भारत पर शासन किया एवं वे सबसे पहले सोने के सिक्के जारी करने वाले शासक थे जिनका उपयोग व्यापारियों ने किया।

विकल्प ;

(a) कथन (I) और (II) दोनों सही हैं एवं कथन (II), कथन (I) से संबंधित है।
(b) कथन (I) गलत परन्तु कथन (II) सही है।
(c) कथन (I) और (II) दोनों सही हैं परन्तु कथन (II) कथन (I) से संबंधित नहीं है।
(d) कथन (I) सही है परन्तु कथन (II) गलत है।

CTET (VI-VIII) 11/01/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : सिल्क रूट पर नियंत्रण रखने वाले शासकों में सबसे प्रसिद्ध कुषाण थे। कनिष्क ने चीन से रोम को जाने वाले सिल्क मार्ग पर अपना नियंत्रण स्थापित किया था। कुषाणों ने मध्य-एशिया तथा पश्चिमोत्तर भारत पर शासन किया एवं वे सबसे पहले सोने के सिक्के जारी करने वाले शासक थे जिनका उपयोग व्यापारियों ने किया। विमकडफिसेस पहला कुषाण शासक था जिसने भारत में सोने के सिक्कों की शुरूआत की। अतः कथन I और II दोनों सही है परन्तु कथन II कथन I से संबंधित नहीं है।

13. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें तथा उपयुक्त विकल्प चुनें:

कथन-I: सम्राटों को राजाओं की तुलना में ज्यादा संसाधनों की आवश्यकता होती थी।

कथन-II: सम्राटों के पास बड़ी संख्या में कर इकट्ठा करने वाले अधिकारी होते थे।

(a) I सही है परन्तु II गलत है।
(b) I गलत है परन्तु II सही है।
(c) I और II दोनों सही है तथा I, II की व्याख्या है।
(d) I और II दोनों सही हैं परन्तु I, II की व्याख्या नहीं है।

CTET (VI-VIII) 12/01/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : सम्राटों को राजाओं की तुलना में ज्यादा संसाधनों की आवश्यकता होती थी और सम्राटों के पास बड़ी संख्या में कर इकट्ठा करने वाले अधिकारी होते थे। इस प्रकार ये दोनों कथन सही है तथा कथन-I, कथन-II की सही व्याख्या करता है। साम्राज्य राज्यों से बड़े होते हैं और उनकी रक्षा के बड़ी सेनाओं की जरूरत होती हैं चूँकि मौर्य साम्राज्य बहुत बड़ा था, इसलिए अलग-अलग हिस्सों पर अलग-अलग ढंग से शासन किया जाता था। पाटिलपुत्र और उसके आस-पास के इलाकों पर सम्राट के इलाकों पर सम्राट का सीधा नियंत्रण होता था। इसका तात्यपर्य यह हुआ कि इस इलाके के गांवों और शहरों के किसानों, पशुपालकों शिल्पकारों से कर इकट्ठा करने के लिए राजा अधिकारियों की नियुक्ति करता था।

14. अभिकथन (a): अल-बरूनी ने किताब अल-हिन्द लिखी।

कारण (R): गजनी का सुल्तान महमूद अपने द्वारा जीते गए लोगों के बारे में कई बातें जानना चाहता था।

सही विकल्प का चयन कीजिए।

(a) (a) सही है परंतु (R) गलत है।
(b) (a) और (R) दोनों गलत हैं।
(c) (a) और (R) दोनों सही हैं और (a) का कारण (R) है।
(d) (a) और (R) दोनों सही हैं किन्तु (a) का कारण (R) नहीं है।

CTET (VI-VIII) 03/01/2022

Ans. (c) : किताब उल-हिन्द महमूद गजनवी के दरबारी कवि अलबरूनी द्वारा लिखी गई थी।
अल-बरूनी ने तत्कालीन भारत से लेकर प्रचीन भारत का अरबी भाषा में जीवंत वर्णन किया। वर्ण व्यवस्था, जातिप्रथा, रूढ़ीयां, परम्पराओं व भारतीयों के अहम की चर्चा है। इसमें विज्ञान व खगोलशास्त्र का वर्णन है। समय की माप को लेकर वह भारतीय ज्ञान को सनकी कहता है। अच्छी जानकारियों के बावजूद कुछ त्रुटियाँ किताब में है जो दरबारी लेखन के कारण रही होगी।

15. निम्नलिखित वक्तव्यों में से कौन-सा वक्तव्य सातवाहन के लिए सही है?

(a) सातवाहन दक्षिण भारत में सबसे शक्तिशाली थे।
(b) सातवाहन शासक दक्षिणपंथ के अधिपति के रूप में जाने जाते थे।
(c) सातवाहन शासकों ने अपनी सेना उत्तरी समुद्र तटों पर भेजी।
(d) शिवस्कंद सत्कर्णी सातवाहन के एक अति महत्वपूर्ण शासक थे।

CTET (VI-VIII) 04/01/2022

Ans. (b) : सातवाहन शासक दक्षिणपंथ के अधिपति के रूप में जाने जाते थे, यह वक्तव्य सातवाहनों के सम्बन्ध में सही हैं दक्कन और मध्यभाग में मौर्यों के उत्तराधिकारी सातवाहन हुए। पुराणों में सातवाहनों को आन्ध्र कहा गया है। सातवाहनों का सबसे प्रमुख राजा गौतमीपुत्र श्री शातकर्णी था उसके बारे में उसकी माँ, गौतमी बलश्री द्वारा दान किये गये एक अभिलेख से पता चलता है। वह और अन्य सभी सातवाहन शासक दक्षिणपंथ के स्वामी कहे जाते थे। सातवाहनों की शक्ति को स्थापित करने वाला प्रथम शासक सिमुक था। सातवाहनों की सामाजिक व्यवस्था में पितृसत्तात्मकता के साक्ष्य मिलते है। सातवाहनों के सिक्के अधिकांशतः सीसे (लेड) से निर्मित है जो दक्कन में पाये गये है। सातवाहनों की राजकीय भाषा प्राकृत और लिपि ब्राम्ही थी।

16. मराठा सेना को मुख्य आधार प्रदान करने वाले कृषक-पशुचारकों के दलों को क्या कहा जाता है?

(a) कुनबी (b) देशमुख
(c) सूबेदार (d) पेशवा

CTET (VI-VIII) 06/01/2022

Ans. (a) : मराठा सेना को मुख्य आधार प्रदान करने वाले कृषक-पशुचारकों के दलों को कुनबी कहा जाता है। कुनबी (कुर्मी) पश्चिमी भारत में पारंपरिक रूप से गैर-कुलीन किसानों की जातियों के लिए लागू एक सामान्य शब्द है।
इस वर्ग के लोग मुख्य रूप से महाराष्ट्र राज्य में पायें जातें है। महाराष्ट्र में कुनबी लोग अन्य पिछड़ा वर्ग के अन्तर्गत रखा गया है।

12. दिल्ली के सुल्तान

1. निम्नलिखित का मिलान मुगल साम्राज्य के संदर्भ में कीजिए तथा उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए :

सूची I (संग्राम)		सूची II (सन्)	
a)	चौसा का संग्राम	**i**	1527
b)	कन्नौज का संग्राम	**ii**	1528
c)	खानवा का संग्राम	**iii**	1539
d)	चंदेरी का संग्राम	**iv**	1540

(a) (a)-(i), (b)-(ii), (c)-(iii), (d)-(iv)
(b) (a)-(ii), (b)-(i), (c)-(iv), (d)-(iii)
(c) (a)-(iv), (b)-(iii), (c)-(ii), (d)-(i)
(d) (a)-(iii), (b)-(iv), (c)-(i), (d)-(ii)

CTET (VI-VIII) 20/01/2023 (Shift-II)

Ans. (d) : सही सुमेलन इस प्रकार है–

सूची I	सूची II
चौसा का युद्ध	1539 ई.
कन्नौज का युद्ध	1540 ई.
खानवा का युद्ध	1527 ई.
चंदेरी का युद्ध	1528 ई.

2. कथन (A) तथा (R) को पढ़िए तथा सही विकल्प को चुनें:

(A) : मुक्तीयों द्वारा एकत्रित राजस्व की रकम का हिसाब लेने के लिए राज्य द्वारा लेखा अधिकारी नियुक्त किए जाते थे।
(R) : यह इसलिए किया जाता था। ताकि मुक्ती राज्य द्वारा निर्धारित कर ही वसूलें और तय संख्या के अनुसार सैनिक रखें।

(a) (A) और (R) दोनों सही है और (R) सही व्याख्या करता है (A) की।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R) सही व्याख्या नहीं है (A) की।
(c) (A) सही लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

CTET (VI-VIII) 20/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : मुक्तीयों द्वारा एकत्रित राजस्व की रकम का हिसाब लेने के लिए राज्य द्वारा लेखा अधिकारी नियुक्ति किए जाते थे, ऐसा इसलिए किया जाता था, ताकि मुक्ति राज्य द्वारा निर्धारित कर ही वसूले और तय संख्या के अनुसार सैनिक रखें। इस प्रकार कथन (A) और (R) दोनों सही है और (R) सही व्याख्या करता है। (A) की।
पहले वाले सुल्तानों की तरह खिलजी और तुगलक शासकों ने भी सेना नायकों को भिन्न-2 आकार के इलाकों के सूबेदार के रूप में नियुक्ति किया गया था। इलाके इक्ता कहलाते थे और इन्हें सँभालने वाले अधिकारी इक्तादार या मुक्ति कहे जाते थे। मुक्ति या कर्ज का सैनिक अभियानों का नेतृत्व करनपा और अपने इक्तों में कानून और व्यवस्था बनाये रखना।

3. निम्नलिखित दिल्ली के सुल्तानों को कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करें।

(i) ग़यासुद्दीन बलबन

(ii) खिज़्र खान

(iii) फिरोज़ शाह तुग़लक़

(iv) अलाउद्दीन ख़लजी

सही विकल्प चुनें।

(a) (ii), (iii), (i), (iv) (b) (iii), (i), (ii), (iv)
(c) (i), (iv), (iii), (ii) (d) (ii), (i), (iii), (iv)

CTET (VI-VIII) 23/01/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : दिल्ली के सुल्तानों का कालानुक्रमिक क्रम इस प्रकार है।
(i) गयासुद्दीन बलबन (iv) अलाउद्दीन खिलजी (iii) फिरोज़शाह तुगलक (ii) खिज्र खान

गयासुद्दीन बलबन (1266 -1286) – बलबन का पूरा नाम गयासुद्दीन बलबन था। जो इल्तुतमिश का गुलाम एवं चालीसा दल का सदस्य था इन्होंने ने ही तुर्कान-ए-चहलगानी का विनाश किया था।

अलाउद्दीन खिलजी (1296–1316 ई0):–

बलाउद्दीन खिलजी दिल्ली का पहला सुल्तान था, जिसने धर्म पर राज्य का नियंत्रण स्थापित किया। अलाउद्दीन खिलजी अपने सिक्कों पर स्वयं का नाम 'द्वितीय सिकंदर' के रूप में उल्लेख करवाया।

फिरोजशाह तुगलक (1357–1388 ई0) –

फिरोजशाह तुगलक ने हिसार, फतेहाबाद, फिरोजपुर, फिरोजाबाद तथा जौनपुर (जौना खाँ की स्मृति में) नामक नए नगर बसाए तथा अनेक नहरे भी बनवाई। इन्होंने ने ही सर्वप्रथम 'लोकनिर्माण विभाग' की स्थापना किया।

खिज्र खान - यह सैय्यद वंश की स्थापना किया था।

4. कथनों (A) तथा (B) को पढ़ें तथा सही विकल्प चुने।

(A) अलाउद्दीन खिलजी के शासनकाल में भू-राजस्व के निर्धारण और वसूली के कार्य को राज्य अपने नियंत्रण में ले आया।

(B) स्थानीय सामंतों द्वारा कर लगाने का अधिकार जारी रहा तथा उन्हें कर चुकाने से छूट दी गई।

(a) (A) सही है परन्तु (B) गलत है।
(b) (B) सही है परन्तु (A) गलत है।
(c) (A) तथा (B) दोनों सही है।
(d) (A) तथा (B) दोनों गलत है।

CTET (VI-VIII) 24/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : अलाउद्दीन खिलजी, जलालुद्दीन फिरोज खिलजी का भतीजा एवं दामाद था। वह 1296 ई. में दिल्ली का सुल्तान बना। इसके बचपन का नाम अली 'गुरशास्प' था। अलाउद्दीन खिलजी ने भू-राजस्व की दर 1/2 कर दी थी। इसके शासनकाल में भू-राजस्व के निर्धारण और वसूली के कार्य को राज्य ने अपने नियंत्रण में ले आया था। अलाउद्दीन ने व्यापारियों की बेईमानी रोकने के लिए दण्ड देने का प्रावधान किया तथा इसके लिए मूल्य नियंत्रण प्रणाली को दृढ़ता से लागू किया। अतः कथन 'A' सत्य है तथा कथन 'B' असत्य है।

5. दिल्ली सल्तनत के सुल्तानों के लिए लिखी गई तवारीख के विषय में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सही है?

(a) तवारीख के लेखक शासकों को अच्छे शासन की आवश्यकता और न्यायसंगत शासन पर बल देते थे
(b) लेखकों द्वारा तवारीख सुल्तानों से ढेर सारे इनाम पाने के लिए नहीं लिखी गई
(c) ये दिल्ली सल्तनत की प्रशासनिक भाषा उर्दू में लिखी गई
(d) तवारीख उन लोगों द्वारा लिखी गई जो शायद ही नगरों में रहे

CTET (VI-VIII) 20/09/2015

Ans. : (a) तवारीख की रचना सल्तनत काल में की गई थी यह शासकों के अच्छे शासन की आवश्यकता और न्यायसंगत शासन पर बल देते थे।

6. 'आप अलाउद्दीन खिलजी या मोहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल में एक किसान हैं और आप सुल्तान द्वारा लगाया गया कर नहीं चुका सकते। आप क्या करेंगे? उपरोक्त प्रश्न में किसकों बढ़ावा दिया जा रहा है।

(a) इतिहास के सन्दर्भ में एक कल्पना
(b) साहित्य का महत्व
(c) स्त्रोतों का महत्व
(d) संस्कृति का सम्मान

CTET (VI-VIII) 22/02/2015

Ans. : (a) उपरोक्त प्रश्न कल्पनाशील है क्योंकि स्वयं को सुल्तान के शासन काल में किसान के रुप में रखकर समस्या का समाधान खोजने की बात की जा रही है जो अतीत में है। यह मात्र कल्पना के द्वारा ही संभव है।

7. दिल्ली के सुल्तानों के शासनकाल में निम्नलिखित में से कौन-सी एक प्रशासनिक भाषा थी?

(a) फारसी (b) उर्दू
(c) हिन्दी (d) अरबी

CTET (VI-VIII) 22/02/2015

Ans. : (a) दिल्ली सुल्तानों के शासनकाल में प्रशासनिक भाषा फारसी थी।

8. एक शिलालेख में कहा गया है कि दिल्ली के सुल्तान को खुदा के द्वारा चुना गया है क्योंकि उसमें मोसिम तथा सोलोमन जैसे गुण विद्यमान हैं। दिल्ली का सुल्तान कौन था?

(a) सिकन्दर लोदी (b) फिरोज शाह तुगलक
(c) बलबन (d) अलाउद्दीन खिलजी

CTET (VI-VIII) 21/09/2014

Ans. : (d) खिलजी वंश का वास्तविक संस्थापक अलाउद्दीन खिलजी (1296-1316 ई.) था। इसके समकालीन एक शिला-लेख जोधपुर से प्राप्त हुआ है। जिसमें वर्णित है कि दिल्ली के सुल्तान को खुदा द्वारा चुना गया क्योंकि उसमें मोसिम तथा सोलोमन जैसे गुण विद्यमान है।'' यह अभिलेख संस्कृत भाषा में लिखित था।

9. यह किसने लिखा है कि रजिया अपने भाइयों से कहीं अधिक योग्य तथा सक्षम थी?

(a) अल–बरुनी (b) बदायूँनी
(c) मिन्हाज-उस-सिराज (d) जियाउद्दीन बरनी

CTET (VI-VIII) 21/09/2014

Ans. : (c) मिनहाज-उस-सिराज ने अपनी पुस्तक तबकात-ए-नासिरी में गुलामवंश के शासकों तथा उनके प्रशासन का वर्णन किया है मिनहाज ने अपनी पुस्तक में वर्णन किया है कि ''रजिया अपने भाइयों से अधिक योग्य थी इसलिए इल्तुतमिश ने रजिया को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था।'' मिनहाज के अनुसार रजिया के पतन का मुख्य कारण उसका स्त्री होना था।

10. निम्नलिखित में से किस दिल्ली के सुल्तान की प्रशंसा में एक संस्कृत प्रशस्ति पाया गया है?

(a) इल्तुतमिश (b) बलबन
(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) फिरोज तुगलक

CTET (VI-VIII) 28/07/2013

Ans. : (c) खिलजी सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी की प्रशंसा में एक प्रशस्ति जोधपुर में पाया गया है, इसें जोधपुर शिलालेख के नाम से जाना जाता है। यह शिलालेख संस्कृत भाषा में लिखी गई है। इस शिलालेख में अलाउद्दीन खिलजी के विजयों का उल्लेख किया गया है।

11. 'खालसा' की स्थापना करने वाले निम्न में से कौन थे?

(a) गुरु गोविन्द सिंह (b) गुरु तेग बहादुर
(c) गुरु नानक देव (d) गुरु अंगद देव

CTET (VI-VIII) 18/11/2012

Ans. : (a) सिखों के खालसा पंथ की स्थापना सिखों के दसवें तथा अन्तिम गुरु, गुरु गोविंद सिंह ने 1699 में की थी। सिख धर्म की स्थापना गुरु नानक देव ने की थी। गुरू अंगद ने गुरूमुखी लिपि का अविष्कार किया तथा गुरू तेग बहादुर ने आनन्दपुर नगर बसाया।

12. 'विश्व शान्ति' का विचार किस मुगल शासक ने आगे बढ़ाया?

(a) हुमायूँ (b) जहाँगीर
(c) अकबर (d) शाहजहाँ

CTET (VI-VIII) 18/11/2012

Ans. : (c) विश्व शांति के विचार को मुगल बादशाह अकबर ने आगे बढ़ाया इसके लिए अकबर ने विशेष प्रयास किए तथा सभी धर्मो की विशेषताओं को मिलाकर एक नये धर्म दीन–ए–इलाही धर्म की स्थापना 1581 ई. में की थी और धार्मिक वैमनस्यता को दूर करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया।

13. निम्नलिखित में से किस सुल्तान ने अनाज को शहर के बाजारों में भेजने के लिए बंजारों का प्रयोग किया?

(a) मोहम्मद-बिन-तुगलक (b) अलाउद्दीन खिलजी
(c) बलबल (d) फिरोज-शाह तुगलक

CTET (VI-VIII) 29/01/2012

Ans. : (b) अलाउद्दीन खिजली ने बाजार नियंत्रण प्रणाली का प्रयोग किया ताकि वस्तुओं का मूल्य बाजार में नियंत्रित हो तथा वस्तुओं की उपलब्धता बनी रहे। उसने अनाज को शहर के बाजारों में भेजने के लिए बंजारों का प्रयोग किया।

14. मोहम्मद-बिन-तुगलक ने अपनी राजधानी को दिल्ली से दौलताबाद स्थानान्तरित क्यों किया?

(a) अपने साम्राज्य को प्रभावी तरीके से नियन्त्रित करने के लिए क्योंकि दौलताबाद केन्द्र में स्थित था
(b) उत्तरी भारत से उसे पर्याप्त राजस्व प्राप्त नहीं हो रहा था
(c) मंगोलों से बचने के लिए
(d) दक्षिणी शासकों को दण्डित करने के लिए

CTET (VI-VIII) 29/01/2012

Ans. : (a) मुहम्मद बिन तुगलक ने अपनी राजधानी दिल्ली से दौलताबाद स्थानान्तरित कर दिया ताकि प्रशासन कार्य और प्रभावी रूप से संचालित कर सके क्योंकि दौलताबाद साम्राज्य के केन्द्र में स्थित था।

15. कथन (A) : दिल्ली के सुल्तानों के समय 'तवारीख' के लेखकों ने 'जन्मसिद्ध अधिकार' और 'लिंगभेद' पर आधारित आदर्श समाज व्यवस्था बनाए रखने की सलाह दी।

कथन (B) : उनके विचारों से सारे लोग सहमत होते थे।

(a) (A) तथा (B) दोनों सही हैं और (A) का सही स्पष्टीकरण (B) है।
(b) (A) एवं (B) दोनों सही हैं किन्तु A का सही स्पष्टीकरण (B) नहीं है।
(c) (A) सही है, किन्तु (B) गलत है।
(d) (A) गलत है, किन्तु (B) सही है।

CTET (VI-VIII) 31/01/2021

Ans. (c) : दिल्ली सुल्तानों के समय 'तवारीख' के लेखक शासकों को 'जन्म सिद्ध अधिकार' और लिंग भेद पर आधारित 'आदर्श' समाज व्यवस्था को बनाए रखने की सलाह देते थे। उनके विचारों से सारे लोग सहमत नहीं होते थे।
इस प्रकार उपर्युक्त विवेचन से स्पष्ट है दिये गये कथनों में कथन 'B' गलत है।

16. कथन (A) : रज़िया ने अपने अभिलेखों में अपना नाम पुरूषों जैसा लिखकर अपने पुरूष होने का भ्रम पैदा किया।

कथन (B) : तवारीख के लेखकों ने सामाजिक तथा लिंगभेद को आधार बनाकर यह तर्क दिया कि पुरुष स्त्रियों की तुलना में श्रेष्ठ होते हैं।

(a) (A) एवं (B) दोनों सही हैं और (A) का सही स्पष्टीकरण (B) है।
(b) (A) एवं (B) दोनों सही हैं, किन्तु (A) का सही स्पष्टीकरण (B) नहीं है।
(c) (A) सही है, किन्तु (B) गलत है।
(d) (A) गलत है, किन्तु (B) सही है।

CTET (VI-VIII) 31/01/2021

Ans. (d) : सल्तनत काल में तवारीख के लेखक अक्सर शासकों को जन्मसिद्ध अधिकार और लिंग भेद पर आधारित 'आदर्श' समाज व्यवस्था बनाये रखने की सलाह देते थे जैसे मिन्हाज ए. सिराज जो कि 13वीं शताब्दी का फ़ारसी इतिहासकार था, उसका विचार था कि ईश्वर ने जो आदर्श समाज व्यवस्था बनाई है उसके अनुसार स्त्रियों को पुरूषों के अधीन होना चाहिए।
रजिया ने अपने अभिलेखों और सिक्कों पर अंकित करवाया कि वह सुल्तान इल्तुतमिश की बेटी थी। जबकि काकतीय वंश की रानी रुद्रम्मा देवी ने अपने अभिलेखों में अपना नाम पुरुष जैसा लिखवाकर अपने पुरुष होने का भ्रम पैदा किया था।
इस प्रकार स्पष्ट है दिये गये कथनों में कथन 'A' गलत है जबकि कथन 'B' सही है।

17. कथन (A) : अकबर, जहाँगीर और शाहजहाँ ने सुलह-ए-कुल (सर्वत्र शांति) के विचार के शासन का सिद्धान्त बनाया।

कथन (B) : विभिन्न धर्मों से जुड़े हुए व्यक्तियों के साथ विचार-विमर्श से अकबर की समझ बनी कि जो विद्वान धार्मिक रीति और मतांधता पर बल देते हैं, वे अकसर कट्टर होते हैं।

(a) (A) एवं (B) दोनों सही हैं और (A) का कारण (B) है।
(b) (A) एवं (B) दोनों सही हैं किन्तु (A) का कारण (B) नहीं है।
(c) (A) सही है, किन्तु (B) गलत है।
(d) (A) गलत है, किन्तु (B) सही है।

CTET (VI-VIII) 31/01/2021

Ans. (a) : 1570 में अकबर जब फतेहपुर सीकरी में था, तो उसने उलेमा, ब्राह्मणों, जेसुइट, पादरियों और जरथ्रुस्ट धर्म के अनुयायियों के साथ इबादतखाना में धर्म के मामले पर चर्चा की। इस विचार विमर्श से अकबर की यह समझ बनी कि जो विद्वान धार्मिक रीति और मतांधता पर बल देते हैं, वे अकसर कट्टर होते हैं। उनकी शिक्षाएँ प्रजा के बीच विभाजन और असामंजस्य पैदा करती हैं ये अनुभव अकबर को सुलह-ए-कुल या 'सर्वत्र शांति' के विचार की ओर ले गये अबुल फज़ल ने सुलह-ए-कुल के इस विचार पर आधारित शासन-दृष्टि बनाने में अकबर की मदद की। शासन के इस सिद्धान्त को जहाँगीर एवं शाहजहाँ ने भी अपनाया।
इस प्रकार उपर्युक्त व्याख्या से स्पष्ट है कथन 'A' और 'B' दोनों सही हैं और कथन 'A' का कारण कथन 'B' है।

18. कथन (A) : दिल्ली के सुल्तानों और मुगलों के काल में श्रेणीबद्ध समाज ज्यादा सरल हो गया।
कथन (B) : जनजातीय समाज कई असमान वर्गों में विभाजित नहीं था।

(a) (A) एवं (B) दोनों सही हैं और (A) का सही स्पष्टीकरण (B) है।
(b) (A) एवं (B) दोनों सही हैं, किन्तु (A) का सही स्पष्टीकरण (B) नहीं है।
(c) (A) सही है, किन्तु (B) गलत है।
(d) (A) गलत है, किन्तु (B) सही है।

CTET (VI-VIII) 31/01/2021

Ans. (d) : भारतीय उपमहाद्वीप के बड़े हिस्से में समाज, वर्ण के नियमानुसार पहले से ही विभाजित था। ब्राह्मणों द्वारा सुझाव दिये गये ये नियम बड़े-बड़े राज्यों के राजाओं द्वारा स्वीकार किये गये थे इससे ऊँच-नीच तथा अमीर और गरीब के बीच का फ़ासला बढ़ा। दिल्ली के सुल्तानों और मुगलों के काल में श्रेणीबद्ध समाज ज्यादा जटिल हो गया।
अलबत्ता दूसरे तरह के समाज भी उस समय मौजूद थे। उपमहाद्वीप के कई समाज ब्राह्मणों द्वारा सुझाव गये नियमों और कर्मकांडो को नहीं मानते थे और न ही वे कई असमान वर्गों में विभाजित थे।
इस प्रकार उपर्युक्त विवरणों से स्पष्ट है दिये गये कथनों में कथन 'A' गलत हैं तथा कथन 'B' सही है।

19. खिलजी और तुगलक वंश के अंतर्गत प्रशासन और समेकन के संदर्भ में सही क्या है?

(a) गंगा के मैदानी इलाके के घने जंगलों वाले क्षेत्र को पहली बार पैठा गया।
(b) दिल्ली से बंगाल जैसे सुदूर प्रांतों का नियंत्रण कठिन था।
(c) अलाउद्दीन खिलजी और मुहम्मद तुगलक गंगा के मैदानी इलाकों पर जोर जबरदस्ती अपना अधिकार लंबे समय तक रख पाए।
(d) उपमहाद्वीप का काफी बड़ा हिस्सा दिल्ली के सुल्तानों के अधिकार में रहा।

CTET (VI-VIII) 08/12/2019

Ans. (b) : खिलजी और तुगलक वंश के अंतर्गत प्रशासन और समेकन के संदर्भ में निम्न कथन सही है–
1. गंगा के मैदानी इलाके में घने जंगलों वाले ऐसे क्षेत्र थे, जिनको पैठने/भेदने में सुल्तान की सेनाएं अक्षम थीं।
2. दिल्ली से बंगाल जैसे सुदूर प्रांतों का नियंत्रण कठिन था और दक्षिण भारत की विजय के तुरंत बाद ही वह पूरा क्षेत्र फिर से स्वतंत्र हो गया था।
3. अलाउद्दीन खिलजी और मुहम्मद तुगलक गंगा के मैदानी इलाकों पर जोर–जबरदस्ती कर अपना अधिकार तो जमा लेते थे, पर वह अधिकार कुछ ही समय तक रह पाता था।
4. उपमहाद्वीप का काफी बड़ा हिस्सा दिल्ली के सुल्तानों के अधिकार से बाहर ही था।

20. निम्नलिखित में से किसने अपनी कृतियों को भी शामिल करते हुए बाबा गुरुनानक की रचनाओं को गुरूमुखी में संकलित किया?

(a) गुरु अंगद (b) गुरु अर्जुन
(c) गुरु तेग बहादुर (d) गुरु गोविंद सिंह

CTET (VI-VIII) 07/07/2019

Ans. (a) : गुरु अंगद सिक्खों के दूसरे गुरु थे। इनका मूल नाम लहना था। इन्होंने नानक द्वारा शुरू की गई लंगर व्यवस्था (संगत तथा पंगत) को आगे बढ़ाया। इन्होंने गुरूमुखी (पंजाबी लिपि) का आरम्भ किया तथा आगे इसी लिपि में गुरु नानक की रचनाओं को संकलित किया। तत्पश्चात् सिक्खों के पाँचवें गुरु अर्जुन देव (1663-1706 ई.) ने अपने से पहले के गुरुओं व अन्य संतों के विचारों को 'आदिग्रन्थ' में संकलित किया।

21. आइने-अकबरी के विषय में निम्नलिखित कथनों में से कौन सा सही है?

(a) इसमें अकबर के पूर्वजों और अकबर के शासन की घटनाओं का विवरण दिया गया है।
(b) यह मिर्जा हाकिम द्वारा लिखी गई जो अकबर के दरबारियों में से एक था।
(c) यह अकबर के प्रशासन के विविध पहलुओं के विषय में संपन्न सांख्यिकीय विवरण प्रस्तुत करता है।
(d) यह अकबरनामा शीर्षक के अंतर्गत अकबर के शासन के इतिहास की तीन जिल्दों में से पहली जिल्द है।

CTET (VI-VIII) 07/07/2019

Ans. (c) : आइने-अकबरी के विषय में सत्य कथन है– यह अकबर के प्रशासन के विविध पहलुओं के विषय में सम्पन्न सांख्यिकीय विवरण प्रस्तुत करता है। आइने-ए-अकबरी अबुल फजल द्वारा फारसी भाषा में रचित 'अकबरनामा' का एक भाग है। 'अकबरनामा' तीन भागों में है, जिसमें से तीसरे भाग को आइन-ए-अकबरी कहते हैं। इसकी रचना लगभग हिजरी 1006(1597-98 ई.) में हुई। इसमें अकबर कालीन हर एक सूबे, जिले और परगनों तक के आँकड़े दिए हुए हैं। आइने-अकबरी में 36 संगीतकारों के नाम हैं पूर्णतः 1598 में पूर्ण हुआ।

22. 18वीं सदी में किसके नेतृत्व में बंगाल धीरे–धीरे मुगल नियंत्रण से अलग हो गया?

(a) मुर्शिद कुली खान (b) नादिरशाह
(c) अलीवर्दी खान (d) बुरहान–उल–मुल्क

CTET (VI-VIII) 30/01/2023 (Shift - II)
CTET (VI-VIII) 09/12/2018
CTET (VI-VIII) 18/09/2016

Ans. (a) : भारतीय प्रांतों में सम्पन्नता की दृष्टि से बंगाल का स्थान महत्त्वपूर्ण था। 1717 ई. में बंगाल का सूबेदार मुर्शिद कुली खान को बनाया गया। मुर्शिद कुली खान ने अपनी राजधानी ढाका से मुर्शिदाबाद (मकसूदाबाद) स्थानांतरित कर ली। मुर्शीद कुली खान के नेतृत्व में बंगाल मुगल नियंत्रण से अलग हो गया। मुर्शिद कुली खान की मृत्यु के बाद उनका दामाद शुजाउद्दीन बंगाल का नवाब बना।

23. निम्नलिखित में से किसके नेतृत्व में बंगाल 18वीं सदी में धीरे-धीरे मुगल नियंत्रण से अलग हो गया?

(a) अलीवर्दी खान
(b) नादिर शाह
(c) मुर्शिद कुली खान
(d) निजाम-उल-मुल्क असफ जाह

Ans. : (c) मुर्शिद कुली खान के नेतृत्व में बंगाल धीरे-धीरे मुगल नियंत्रण से अलग हो गया।

24. दिल्ली की आरंभिक सल्तनत के समय में 'बंदगाँ' के बारे में निम्नलिखित दो कथनों A और B पर विचार कीजिए तथा सही उत्तर का चयन कीजिए :

A. 'बंदगाँ' विशेष गुलाम थे, जिन्हें सैनिक सेवा के लिए खरीदा जाता था और उन्हें राज्य के बहुत ही महत्त्वपूर्ण राजनीतिक पदों पर काम करने के लिए बड़ी सावधानी से प्रशिक्षित किया जाता था।
B. 'बंदगाँ' पूरी तरह अपने मालिकों पर निर्भर होते थे, इसलिए सुल्तान उन पर विश्वास नहीं कर सकते थे और न उन पर निर्भर हो सकते थे।

(a) A गलत है और B सही है
(b) A सही है और B गलत हैं
(c) A और B दोनों सही हैं
(d) A और B दोनों गलत हैं

CTET (VI-VIII) 21/02/2016

Ans. : (b) दिल्ली सल्तनत में **'बंदगाँ'** शब्द उन गुलाम मुसलमानों के लिए प्रयुक्त किया गया है जिन्हें सैनिक सेवा के लिए खरीदा जाता था तथा आवश्यक प्रशिक्षण के द्वारा कुशल बनाया जाता था और उनकी योग्यता के आधार पर राज्य के उच्च पदों पर नियुक्त किया जाता था यह सुल्तान का विश्वासपात्र बन कर राज्य की सेवा करता था। अतः कथन (A) सही है और कथन (B) गलत है।

25. मुगल शासकों के अभियानों के संदर्भ में निम्नलिखित का मिलान कीजिए, और उपयुक्त विकल्प का चुनाव कीजिए

A		B	
(a)	**चंदेरी का युद्ध**	**(i)**	**1632**
(b)	**चौसा का युद्ध**	**(ii)**	**1685**
(c)	**अहमदनगर को राज्य में मिला लिया**	**(iii)**	**1528**
(d)	**बीजापुर को राज्य में मिला लिया**	**(iv)**	**1539**

(a) (a) - (ii), (b) - (iv), (c) - (iii), (d) - (i)
(b) (a) - (iv), (b) - (ii), (c) - (iii), (d) - (i)
(c) (a) - (iii), (b) - (iv), (c) - (i), (d) - (ii)
(d) (a) - (i), (b) - (iii), (c) - (iv), (d) - (ii)

CTET (VI-VIII) 24/01/2023 (Shift-II)

Ans. (c) :

सूची (A)	सूची (B)
(I) चंदेरी का युद्ध –	1528 ई.
(II) चौसा का युद्ध –	1539 ई.
(III) अहमदनगर को राज्य में मिलाया जाना –	1632 ई.
(IV) बीजापुर को राज्य में मिलाया जाना –	1685 ई.

26. नीचे दिए गए कथन (A) और कारण (R) को पढ़ें तथा उपयुक्त विकल्प का चयन करें।

कथन (A) : मुर्शीद कुली खाँ ने बंगाल के राजस्व का बड़े पैमाने पर पुनर्निधारण करने का आदेश दिया।

कारण (R) : मुर्शीद कुली खाँ बंगाल में मुगल प्रभाव को कम करना चाहता था।

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) सही व्याख्या करता है (A) की।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R) सही व्याख्या नहीं है (A) की।
(c) (A) सही हैं लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) और (R) दोनों गलत है।

CTET (VI-VIII) 28/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : मुगल नियंत्रण से अलग मुर्शीद कुली खाँ ने बंगाल के राजस्व का बड़े पैमाने पर पुनर्निधारण करने का आदेश दिया। सभी जमींदारों से राजस्व की वसूली की गयी। मुर्शीद कुली खाँ को मुगल शासक द्वारा बंगाल के गवर्नर के रूप नियुक्त किया गया था। मुर्शीद कुली खाँ ने हैदराबाद एवं अवध की तरह बंगाल के स्वतंत्र शासक के रूप में कमान संभाली। बंगाल में मुगल प्रभाव को कम करने के प्रयास में उसने सभी मुगल जागीरदारों को ओडिशा में स्थानांतरित कर दिया था।

27. इनमें से कौन-सा/से कथन सुलह-ए कुल के विचार के बारे में सत्य हैं?

(A) यह विचार नैतिकता-ईमानदारी, न्याय, शांति की व्यवस्था पर केंद्रित था।
(B) इस विचार के इर्द-गिर्द शासन दर्शन बनाने का प्रयास किया गया।
(C) शासन के इस सिद्धान्त का जहाँगीर और शाहजहाँ ने पालन नहीं किया।
(d) विभिन्न धर्मों के लोगों के बीच थोड़ा भेदभाव आवश्यक था।

विकल्प

(a) केवल (A), (B) तथा (C) (b) केवल (A) तथा (B)
(c) केवल (B) तथा (C) (d) केवल (A)

CTET (VI-VIII) 28/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : सुलह-ए-कुल उत्सव का आयोजन 'आगरा में किया जाता है। यह उत्सव हिन्दू-मुस्लिम एकता का प्रतीक है।
इस उत्सव के तहत निम्न विचार सत्य हैं–

(A) यह विचार नैतिकता - ईमानदारी, न्याय, शांति की व्यवस्था पर केन्द्रित था।
(B) इस विचार के इर्द-गिर्द शासन दर्शन बनाने प्रयास किया गया।
(C) शासन के इस सिद्धान्त का जहाँगीर और शाहजहाँ ने पालन नहीं किया।

28. निम्नलिखित कथन तथा कारण पर विचार करें तथा सही विकल्प चुनें।

कथन (A) : 18वीं शताब्दी के दौरान, मुगल साम्राज्य धीरे-धीरे कई स्वतंत्र, क्षेत्रीय राज्यों में बिखर गया।

कारण (R) : मुगल सम्राटों की सत्ता के पतन के साथ, कई प्रांतों के सूबेदारों और बड़े जमींदारों ने भारतीय उपमहाद्वीप के विभिन्न हिस्सों में अपनी शक्ति और प्रबल कर ली।

सही विकल्प चुनें:

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) सही व्याख्या करता है (A) की।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R) सही व्याख्या नहीं करता है (A) की।
(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) और (R) दोनों गलत है।

CTET (VI-VIII) 01/02/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : A और R दोनों सही हैं और R सही व्याख्या करता है A की। 1707 ई. में औरंगजेब की मृत्यु के पश्चात मुगल साम्राज्य का पतन आरंभ हो गया। 18 वीं शताब्दी में अहमदशाह अब्दाली के आक्रमणों से मुगल साम्राज्य धीरे-धीरे कई स्वतंत्र, क्षेत्रीय राज्यो में बिखर गया। 18वीं शताब्दी में बंगाल के एक क्षेत्रीय राज्य बन जाने में जमीदारों मे काफी बदलाव आया। मुगल सम्राटों की सत्ता के पतन के साथ कई प्रांतों के सुबेदार अपनी शक्ति और प्रबल कर ली।

29. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

(I) तवारीख को सुशिक्षित व्यक्तियों द्वारा उर्दू में लिखा गया था।
(II) तवारीख के लेखक नगरों में रहते थे।
(III) वे प्रायः अपने इतिहास सुल्तानों के लिए उनसे ढ़ेर सारे पुरस्कार पाने की आशा में लिखा करते थे।

कौन सा कथन सही है/हैं?

(a) (I) और (II) दोनों (b) (II) और (III) दोनों
(c) (I) और (III) दोनों (d) केवल (I)

CTET (VI-VIII) 01/02/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : तवारीख के सम्बंध में कथन II और कथन III दोनों सही है। तवारीख के लेखक नगरों में रहते थे। अपने इतिहास सुल्तानों के लिए उनसे ढ़ेर सारे पुरस्कार पाने की आशा में लिखा करते थे। तवारीख के लेखक सचिव, प्रशासक कवि और दरबारियों जैसे सुशिक्षित व्यक्ति होते थे जो घटनाओं का वर्णन भी करते थे ओर शासकों को प्रशासन सम्बंधी सलाह भी देते थे। तवारीख फारसी भाषा में लिखा गया था।

30. कथनों (A) तथा (B) को पढ़ें तथा सही विकल्प का चुनाव करें :

(A) : मनसब मुगलों द्वारा चलाई गई एक श्रेणी व्यवस्था थी, जिसके जरिए :

(i) पद
(ii) वेतन
(iii) सैन्य उत्तरदायित्व, निर्धारित किए जाते थे।

(B) मनसबदारों की सैन्य उत्तरदायित्व, का निर्धारण एक संख्या पर निर्भर था जिसे ज़ात कहा जाता था।

(a) (A) सही है परन्तु (B) गलत
(b) (B) सही है परन्तु (A) गलत
(c) (A) तथा (B) दोनों सही हैं
(d) (A) तथा (B) दोनों गलत हैं

CTET (VI-VIII) 06/02/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : मनसबदारी व्यवस्था एक विशिष्ट प्रशासनिक व्यवस्था थी, जिसका प्रचलन मुगल शासक अकबर ने सन् 1575 ई0 में किया था। मनसब मुगलों द्वारा चलाई गई एक श्रेणी व्यवस्था थी जिसके जरिए पद, वेतन और सैन्य उत्तरदायित्व निर्धारित किए जाते थे। मनसब शब्द का अर्थ है 'श्रेणी' अथवा पद। इस व्यवस्था के अन्तर्गत 33 वर्ग थे। अकबर ने शासन के 40 वें वर्ष जात एवं सवार जैसी दोहरी व्यवस्था लागू की थी। मनसबदारों की सैन्य उत्तरदायित्व का निर्धारण एक निर्दिष्ट संख्या में सवार या घुड़सवार बनाए रखने की आवश्यकता थी। इसलिए (A) सही है, परन्तु (B) गलत।

31. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा कथन रज़िया सुल्तान के दरबार में एक इतिहासकार, मिन्हाज-ए-सिराज के संबंध में सही है?

कथन (A) : उसने स्वीकार किया है कि राज़िया अपने सभी भाईयों से अधिक योग्य और सक्षम थी।
कथन (B) : वह एक रानी को शासक के रूप में मान्यता नहीं दे पा रहा था।

सही विकल्प चुनें।

(a) केवल (A) सही है
(b) केवल (B) सही है
(c) (A) और (B) दोनों सही हैं
(d) (A) और (B) दोनों सही नहीं हैं

CTET (VI-VIII) 13/01/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : मिन्हाज - ए - सिराज 13वीं सदी के फारसी इतिहासकार थे। वह उत्तर भारत में दिल्ली के मामलुक सल्तनत के एक प्रमुख इतिहासकार थे। मिन्हाज - ए सिराज ने अपना काम तबकत-ए-नसीरी गुलाम वंश के शासक नसीरूद्दीन महमूद को समर्पित किया। उसने स्वीकार किया कि राजिया अपने सभी भाइयों से अधिक योग्य और सक्षम थी। मिन्हाज-ए-सिराज ने कहा कि रानी का शासन ईश्वर द्वारा बनाई गई आदर्श सामाजिक व्यवस्था के खिलाफ था। जिसमें महिलाओं को पुरुषों के अधीन माना जाता था। अर्थात् वह एक रानी को शासक के रूप में मान्यता नहीं दे पा रहा था। उन्होने यह बात रजिया सुल्तान के बारे में कही जो अपने पिता इल्तुतमिश की मृत्यु के बाद शासक बनी। अतः कथन (A) और (B) दोनों सही है।

32. कौन सही सुमेलित है?

(A) बख्शी-सैनिक वेतनाधिकारी
(B) सद्र-धार्मिक व धर्मार्थ किए जाने वाले का मंत्री
(C) इक्तादार-सैन्य कमांडर
(D) कोतवाल-नगर का पुलिस अधिकारी

(a) केवल (C) और (D) (b) केवल (A), (B) और (C)
(c) केवल (A) और (B) (d) केवल (A), (B) और (D)

CTET (VI-VIII) 28/12/2022 (Shift-II)

Ans. (*) : दिये गये सभी विकल्प सुमेलित है –
A. बख्शी – सैनिक वेतनाधिकारी
B. सद्र – धार्मिक व धर्मार्ध किए जाने वाले का मंत्री
C. इक्तादार – सैन्य कमांडर
D. कोतवाल – नगर का पुलिस अधिकारी

33. मुगल साम्राज्य के पतन के संदर्भ में निम्नलिखित का मिलान कीजिए।

	A		B
(a)	**फर्रुखसियर**	**(i)**	**1759-1816**
(b)	**शाह आलम द्वितीय**	**(ii)**	**1713-1719**
(c)	**अहमद शाह**	**(iii)**	**1754-1759**
(d)	**आलमगीर द्वितीय**	**(iv)**	**1748-1754**

(a) (a)-(i), (b)-(iii), (c)-(iv), (d)-(ii)
(b) (a)-(iv), (b)-(ii), (c)-(i), (d)-(iii)
(c) (a)-(ii), (b)-(i), (c)-(iv), (d)-(iii)
(d) (a)-(iii), (b)-(i), (c)-(ii), (d)-(iv)

CTET (VI-VIII) 28/12/2022 (Shift-II)

Ans. (c) : मुगल साम्राज्य के पतन के सन्दर्भ में सही सुमेलन निम्न प्रकार है –
A. फर्रुखशियार – 1713 - 1719
B. शाह आलम द्वितीय – 1759 - 1816
C. अहमद शाह – 1748 – 1754
D. आलमगीर द्वितीय – 1754 – 1759

34. मध्यकाल में दिल्ली के शासकों के संदर्भ में निम्नलिखित का मिलान कीजिए, और उपयुक्त विकल्प का चुनाव कीजिए।

	A		B
(a)	**तोमर**	**(i)**	**1175-1192**
(b)	**अनंगपाल**	**(ii)**	**1165-1192**
(c)	**चौहान**	**(iii)**	**आरंभिक 12वीं शताब्दी 1165**
(d)	**पृथ्वीराज चौहान**	**(iv)**	**1130-1145**

(a) (a)-(ii), (b)-(iv), (c)-(iii), (d)-(i)
(b) (a)-(iii), (b)-(iv), (c)-(ii), (d)-(i)
(c) (a)-(iv), (b)-(i), (c)-(iii), (d)-(ii)
(d) (a)-(i), (b)-(ii), (c)-(iv), (d)-(iii)

CTET (VI-VIII) 28/12/2022 (Shift-II)

Ans. (b) : मध्यकाल में दिल्ली के शासकों के सन्दर्भ में सही सुमेलन निम्न प्रकार है –
1- तोमर – आरंभिक 12वीं शताब्दी 1165
2- अनंगपाल – 1130 – 1145
3- चौहान – 1165 – 1192
4- पृथ्वीराज चौहान – 1175 – 1192

35. मुगल साम्राज्य के पतन के कारणों को कालक्रमानुसार लगाएँ।
(A) प्रशासन की कार्य-कुशलता का विघटन
(B) ईरानी और तूरानी मूल के अभिजातों में पारस्परिक प्रतिद्वंद्विता
(C) सैन्य एवं वित्तीय संसाधनों का कम होना
(D) नादिरशाह और अहमदशाह अब्दाली द्वारा आक्रमण
सही विकल्प चुने।
(a) (A), (D), (B) और (C)
(b) (D), (B), (C) और (A)
(c) (C), (A), (D) और (B)
(d) (B), (C), (A) और (D)

CTET (VI-VIII) 09/01/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : बाबर ने भारत में मुगल वंश की स्थापना 1526 ई0 में की थी। मुगल वंश के पतन का कारण क्रमानुसार इस प्रकार है– सैन्य एव संसाधनों का कम होना, प्रशासन की कार्यकुशलता का विघटन नादिरशाह और अहमदशाह अब्दाली द्वारा आक्रमण और सबसे अंत में ईरानी और तूरानी मूल के अभिजातों में पारस्परिक प्रतिद्वंद्विता। मुगलों की सरकार एक व्यक्तिगत निरंकुशता को प्रेरित की और इसलिए इसकी सफलता शासकों के चरित्र पर निर्भर करती थी। बाद के मुगल शासक अयोग्य ने और राज्य के प्रशासन की उपेक्षा करते थे।
इस प्रकार विकल्प b के अन्तर्गत सही क्रम C, A, D और B है।
नोट - औरंगजेब की ढक्कन नीति पूरी तरह विफल रही और मुगल साम्राज्य के पतन का एक महत्वपूर्ण कारण थी।

36. दिल्ली सल्तनत राज के सही वंशानुक्रम का चयन कीजिए।
(a) तुर्क → ख़लजी → तुगलक → सैयद → लोधी
(b) तुर्क → सैयद → तुगलक → ख़लजी → लोधी
(c) तुर्क → सैयद → ख़जली → तुगलक → लोधी
(d) तुर्क → ख़जली → सैयद → तुगलक लोधी

CTET (VI-VIII) 09/01/2023 (Shift-II)

Ans. (a) : निम्न में से दिल्ली सल्तनत राजवंश के सही वंशानुक्रम का चयन इस प्रकार है–
तुर्क → खलजी → तुगलक → सैय्यद → लोदी
962 ई0 में अलप्तगीन नामक एक व्यक्ति ने गजनी में स्वतंत्र तुर्क राज्य की स्थापना की थी। 1206 ई0 में गोरी की मृत्यु के बाद कुतुबद्दीन ऐबक ने गुलाम/ममलूक वंश की स्थापना की थी। इन्होंने अपनी राजधानी लाहौर में बनाई थी। गुलाम वंश के बाद खिलजी वंश की स्थापना हुयी इसका संस्थापक जलालुद्दीन फिरोज खिलजी था। खिलजी वंश के बाद तुगलक वंश की स्थापना हुयी। इस वंश का संस्थापक गयासुद्दीन तुगलक था। तुगलक वंश के बाद सैय्यद वंश की स्थापना हुयी। इसका संस्थापक खिज्र खां था। इस वंश के बाद लोदी वंश की स्थापना हुयी जिसका संस्थापक बहलोल लोदी था।

37. निम्नलिखित में से कौन सा दिल्ली सल्तनत का भाग नहीं है?
(a) राजपूत वंश (b) मंगोल
(c) प्रारंभिक तुर्की शासक (d) सैय्यद वंश

CTET (VI-VIII) 12/01/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : मंगोल दिल्ली सल्तनत का भाग नहीं था, जबकि राजपूत वंश, प्रारम्भिक तुर्की शासक और सैय्यद वंश दिल्ली सल्तनत के भाग थे। मंगोल मध्य एशिया और पूर्वी एशिया में रहने वाली एक जाति है, जिसका विश्व इतिहास पर गहरा प्रभाव रहा है। आधुनिक युग में मंगोल लोग मंगोलिया चीन और रूस में वास करते हैं। मंगोल जाति के लोग रवानाबदोश का जीवन व्यतीत करते

थे और शिकार, तीरंदाजी व घुड़सवारी में बहुत कुशल थे। 12वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में इसके मुखिया तेमुचिन ने तमान मंगोल कबीलों को एक किया। मंगोल जाति के विभिन्न कबीलों के सरदारों ने तेमुचिन को अपनी जाति का सबसे बड़ा मुखिया चुना और उसे सम्मान में चंगेज खां कहना शुरू किया। सैय्यद वंश 1414 से 1451 तक चला।

38. राज्यों के 'प्रारंभिक इतिहास' की तुलना में 'दिल्ली सल्तनत' के काल को समझने के लिए लिखित सामग्री का अधिक प्रयोग क्यों किया गया?

(A) 'प्रारंभिक' ऐतिहासिक कालों में लिखित सामग्री की संख्या बढ़ गई।

(B) 'दिल्ली सल्तनत' के समय में लिखित सामग्री की विविधता बढ़ गई।

(C) लिखित सामग्रियों ने क्रमशः अन्य प्रकार की उपलब्ध सूचनाओं को विस्थापित कर दिया।

(D) सल्तनत के समय में कागज़ सस्ता होता गया और अतीत को लिपिबद्ध करने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयोग में आ गया।

Options/उपयुक्त विकल्प चुनें।

(a) केवल (A) सही है
(b) केवल (A) और (B) सही हैं
(c) केवल (B), (C) और (D) सही हैं
(d) केवल (C) और (D) सही हैं

CTET (VI-VIII) 17/01/2023 (Shift-II)

Ans. (c) : राज्यों के 'प्रारंभिक इतिहास' की तुलना में 'दिल्ली सल्तनत' के काल के समझने के लिए लिखित सामग्री का अधिक प्रयोग किया गया क्योंकि 'दिल्ली सल्तनत' के समय में लिखित सामग्री की विविधता बढ़ गई, लिखित सामाग्रियों ने क्रमशः अन्य प्रकार की उपलब्ध सूचनाओं को व्यवस्थित कर दिया और 'दिल्ली सल्तनत' के समय में कागज़ सस्ता होता गया और अतीत को लिपिबद्ध करने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयोग में आ गया। 1206 में 1526 तक भारत राज्य पर शासन करने वाले पाँच वंश के सुल्तानों के शासनकाल को दिल्ली सल्तनत काल कहा जाता है।

39. ''खुदा की रचना के खाते में, उसका ब्योरा चूँकि मर्दों की सूची में नही आता, इसलिए इतनी शानदार खूबियों से भी उसे आखिर हासिल क्या हुआ ?'' यह लेखांश तेरहवी शताब्दी में किसके लिए लिखा गया था ?

(a) दिद्दा (b) रज़िया
(c) गौतमी (d) रुद्रमादेवी

CTET (VI-VIII) 20/08/2023 (Shift-II)

Ans. (b) : इल्तुतमिश की बेटी रज़िया का शासनकाल 1236 से 1240ई. तक था। मिनहाज-ए-सिराज (इतिहासकार) का सोचना था कि ईश्वर ने जो आदर्श समाज व्यवस्था बनाई है उसके अनुसार स्त्रियों को पुरूषों के अधीन होना चाहिए और रानी का शासन इस व्यवस्था के विरूद्ध जाता था। इसलिए वह पूछता है। ''खुदा की रचना के खातें में उसका ब्यौरा चूँकि मर्दों की सूची में नहीं आता, इसलिए इतनी शानदार खूबियों से भी उसे आखिर हासिल क्या हुआ?''

40. मुग़ल अपने मंगोल वंशीय सम्बद्धता के स्थान पर तैमूर-वंशीय सम्बद्धता पर ज्यादा बल/महत्व देते थे क्योंकि-

(a) वे अपनी पितृवंशीय सम्बद्धता को वरीयता देना चाहते थे।
(b) तैमूर-वंशीयों ने मंगोलों को हराया था।
(c) मंगोल उजबेगों से संबंधित थे।
(d) तैमूर वंशज कवियों और चित्रकारों को संरक्षण देते थे।

CTET (VI-VIII) 21/01/2022

Ans. (c) : मुगल अपने मंगोल वंशीय सम्बद्धता के स्थान पर तैमूर वंशीय सम्बद्धता पर ज्यादा बल/महत्व देते थे। इसका कारण मंगोल उजबेगों से सम्बंधित थे। मुगल दो महान शासक के वंशज थे। माता की ओर से मंगोल शासक चंगेज खाँ, जो चीन और मध्य एशिया के भागों पर राज करता था, के उत्तराधिकारी ने पिता की ओर से वे ईरान इराक एवं वर्तमान तुर्की के शासक तैमूर (जिसकी मृत्यु 1404 ई. में हुयी) के वंशज थे। परन्तु मुगल अपने को मंगोल कहलवाना पसंद नहीं करते थे। वही दूसरी तरफ मुगल तैमूर के वंशज होने पर गर्व का अनुभव करते थे, क्योंकि उनके इस पूर्वज ने 1398 ई. में दिल्ली पर कब्जा कर लिया था।

41. अकबर के सर्वत्र शांति विचार का उदय हुआ क्योंकि-

(a) उसे विभिन्न धर्मो और उनके रीति-रिवाज़ो में रुचि थी।
(b) वह धर्म और धर्म मुखियों पर नियंत्रण करना चाहता था।
(c) वह राजनैतिक संघर्ष समाप्त करना चाहता था।
(d) वह अपने उत्तराधिकारियों के लिए एक शांतिपूर्ण साम्राज्य बनाना चाहता था।

CTET (VI-VIII) 30/12/2021

Ans. (a) : अकबर महान विजेता के साथ-साथ एक समावेशी शासक था। (जो सभी धर्मों को एक समान मानता था) उसने सुलह कुल की नीति अपनाई। जिसमें राज्य, प्रशासन में सभी धर्मों, रीति-रिवाजों का बराबर स्थान था। इसके पीछे अकबर का जन्म और उसके समय की राजनीतिक, सामाजिक परिस्थितियाँ, जिम्मेदार थी। इस विचार ने अकबर को भारतीय इतिहास में अशोक, समुद्रगुप्त जैसे महान शासकों की श्रेणी में ला खड़ा किया।

42. मुगल साम्राज्य की स्थिरता का आधार था-

(a) केन्द्रीकृत प्रशासनिक नीति और सम्राट का नियंत्रण
(b) सैनिक अभियान और युद्धों द्वारा विस्तारीकरण की नीति
(c) भूमिकर : जो आय का मुख्य साधन था।
(d) आस-पास के क्षेत्रों में मित्रता और वैवाहिक संबंध।

CTET (VI-VIII) 30/12/2021

Ans. (c) : मुगल साम्राज्य 300 वर्षों तक एक बड़े क्षेत्र में अपना प्रभुत्व बनाए रखा। मुगल साम्राज्य की आय का मुख्य श्रोत भूमिकर था, जो प्रायः $\frac{1}{4}$ से $\frac{1}{2}$ तक होता था। मुगल भू-राजस्व की नींव अकबर के समय टोडरमल ने रखी। जो लम्बे समय तक चलती रही। यह जमींदारी, मनसबदारी प्रथा पर आधारित थी। भूमिकर ने मुगल साम्राज्य को वीरता प्रदान कर एक बड़ी सैनिक शक्ति के रूप में मजबूत किया।

43. बंजारों के संदर्भ में A और B कथनों पर विचार कीजिए तथा सही उत्तर का चयन कीजिए।

A. बंजारे लोग सबसे महत्वपूर्ण व्यापारी-खानाबदोश थे।

B. अलाउद्दीन खिल्जी ने, बंजारों से नगर के बाजारों तक अन्न को पहुँचाने का काम करवाया।

(a) A और B दोनों गलत हैं।
(b) A सही है तथा B गलत है।
(c) A गलत है तथा B सही है।
(d) A और B दोनों सही हैं।

CTET (VI-VIII) 01/01/2022

Ans. (d) : मध्यकाल में बंजारे महत्त्वपूर्ण व्यापारी-खानाबदोश थे। अल्लाउद्दीन खिलजी अपने समय में इनका उपयोग बाजारों से नगर के बाजारों तक अन्न पहुँचाने का काम करवाया था। उन लोगों का समूह 'टांडा' कहलाता था। एक टांडा में कई परिवार होते थे। गाय बैल उनके अपने होते थे। टांडा में छः से सात सौ तक लोग हो सकते हैं। बादशाह जहाँगीर भी अपने संस्करण में बंजारे समूह का जिक्र किया है। बंजारे गौरबोली बोलते हैं। यह पूरे भारत में उनके अपने समुदाय द्वारा बोली जाती है।

44. निम्नलिखित कथनों के आधार पर सही विकल्प की पहचान कीजिए:

अभिकथन (A): बहादुर शाह जफर द्वारा विद्रोहियों को दिए गए समर्थन ने लोगों और शासन करने वाले परिवारों पर सकारात्मक असर डाला।

कथन (R): लोगों ने मुगलों को वैकल्पिक शासन के तौर पर देखा जो ब्रिटिश राज को चुनौती देने में सहायता कर सकते थे।

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है
(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं

CTET (VI-VIII) 04/01/2022

Ans. (a) : बहादुर शाह जफर द्वारा विद्रोहियों को दिये गये समर्थन ने लोगों और शासन करने वाले परिवारों पर सकारात्मक असर डाला तथा लोगों ने मुगलों को वैकल्पिक शासन के तौर पर देखा, जो ब्रिटिश राज को चुनौती देने में सहायता कर सकते थे। 8 अप्रैल, 1857 को युवा सिपाही मंगल पाण्डे को बैरकपुर में अपने अफसरों पर हमला करने के आरोप में फांसी पर लटका दिया गया तथा कुछ दिन बाद मेरठ के सिपाहियों ने फौजी अभ्यास करने से इन्कार कर दिया। सिपाहियों को लगता था कि उन कारतूसों पर गाय और सुअर की चर्बी का लेप चढ़ाया गया है इसको लेकर कुछ सिपाहियों को जेल में डाल दिया गया जिससे सिपाही उग्र हो गये इस प्रकार कथन (A) और कथन (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या है।

45. निम्नलिखित कथनों के आधार पर सही विकल्प की पहचान कीजिए:

अभिकथन (A): गुजरात और बंगाल में जब्त व्यवस्था प्रचलित थी।

कारण (R): यह व्यवस्था उन स्थानों पर लागू की गई थी जहाँ पर भूमि का निरीक्षण और उसका लेखा-जोखा सावधानीपूर्वक रखा गया था।

सही विकल्प का चयन कीजिए।

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है
(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है
(d) (A) गलत है लेकिन (R) सही है

CTET (VI-VIII) 04/01/2022

Ans. (d) : अकबर के राजस्व मंत्री टोडरमल ने दहसाला (1570-1571) की कालावधि के लिए कृषि की पैदावार कृषि का सावधानी पूर्वक सर्वेक्षण किया इन आंकड़ों के आधार पर प्रत्येक फसल पर नकद के रूप में कर (राजस्व निश्चित किया गया) प्रत्येक सूबे (प्रान्त) को राजस्व मण्डलों में बांटा गया और प्रत्येक की हर फसल के लिए राजस्व दर की अलग सूची बनाई गयी। राजस्व प्राप्त करने की इस व्यवस्था को जब्ती व्यवस्था कहा गया। यह व्यवस्था उन स्थानों पर प्रचलित थी जहॉ पर मुगल प्रशासनिक अधिकारी भूमि का निरीक्षण और लेखा जोखा सावधानीपूर्वक उनका हिसाब रख सकते थे ऐसा निरीक्षण गुजरात और बंगाल जैसे प्रांतों में संभव नही हो पाया। इस प्रकार विकल्प (A) गलत है विकल्प (R) सही है। मुगलों की आमदनी का प्रमुख साधन किसानों की उपज से मिलने वाला राजस्व था।

46. निम्न कथनों को पढ़िए तथा सही विकल्प का चयन कीजिए-

कथन A: सम्राट शाहजहाँ के सिंहासन के पीछे पितरा दुरा के जड़ाऊ काम में पौराणिक यूनानी देवता ऑर्फियस को वीणा बजाते हुए चित्रित किया गया था। ऐसा माना जाता था कि ऑर्फियस का संगीत आक्रामक जानवरों को भी शांत कर सकता था और वे शांतिपूर्वक एक-दूसरे के साथ रहने लगते थे।

कथन B: शाहजहाँ के सार्वजनिक सभा भवन का निर्माण एक ऐसी दुनिया के निर्माण को सूचित करता था जहाँ सभी सद्भाव के साथ रह सकेंगे।

(a) (A) सही है, किन्तु (B) गलत है।
(b) (A) गलत है, किन्तु (B) सही है।
(c) (A) और (B) दोनों सही हैं और (A) की सही व्याख्या (B) करता है।
(d) (A) और (B) दोनों सहीं है, किन्तु (A) की सही की व्याख्या (B) नहीं करता है।

CTET (VI-VIII) 05/01/2022

Ans. (c) : सम्राट शाहजहाँ के सिंहासन के पीछे पितरा-दुरा के जड़ाऊ काम की एक शृंखला बनाई गई थी, जिसमें पौराणिक यूनानी देवता ऑर्फियस को वीणा बजाते हुये चित्रित किया गया था। ऐसा माना जाता था कि आर्फियस का संगीत आक्रामक जानवरों को भी शांत कर सकता था और वे शांतिपूर्वक एक-दूसरे के साथ रहने लगते थे और शाहजहाँ के सार्वजनिक भवन का निर्माण एक ऐसी दुनिया के निर्माण को सूचित करता था जहाँ सभी सद्भाव के साथ रह सकेंगे। इस प्रकार कथन (A) और (B) दोनों सही है। (A) की सही व्याख्या (B) करता है। शाहजहाँ ने दिल्ली के लाल किले में अपने नवनिर्मित दरबार में राजकीय न्याय और शाही दरबार के अन्तः सम्बन्ध पर बहुत बल दिया।

47. सात सौ वर्ष पहले, केरल की विविधता और यहाँ के मुस्लिम समुदाय के जीवन के बारे में निम्नलिखित में से कौन से यात्री ने लिखा था?

(a) वास्को-डी-गामा (b) इब्न बतूता
(c) सेंट मार्टिन (d) शंकराचार्य

CTET (VI-VIII) 20/12/2021

Ans. (b) : सात सौ वर्ष पहले, केरल की विविधता और यहाँ के मुस्लिम समुदाय के जीवन के बारे में इब्न बतूता ने लिखा था। इब्न बतूता 14वीं सदी में मोहम्मद बिन तुगलक के समय मोरक्को से आया यात्री था विश्व के 44 देशों सहित भारत के जनजीवन के विषय में 'रेहला' पुस्तक में लिखा। केरल में बसे मुसलमान अरब से आये व्यापारी थे।

48. अकबर नामा के अनुसार सूबेदार का कार्यभार था:

(a) राजनैतिक और सैनिक कार्य
(b) राजनैतिक और वित्तीय कार्य
(c) केवल राजनैतिक कार्य
(d) केवल धार्मिक कार्य

CTET (VI-VIII) 20/12/2021

Ans. (a) : अकबर नामा मुगल बादशाह अकबर के दरबारी विद्वान अबुल फजल द्वारा लिखा गया प्रसिद्ध इतिहास ग्रंथ है। अकबर नामा का शाब्दिक अर्थ है-''अकबर की कहानी''। यह अकबर के शासन काल में लिखा गया प्रामाणिक इतिहास है। अकबरनामा के अनुसार सूबेदार की सरकारी उपाधि 'नाजिम' थी। इसकी नियुक्ति सम्राट द्वारा की जाती थी। इस तरह यह कहा जा सकता है कि सूबेदार प्रान्तों में सैनिक एवं असैनिक, राजनैतिक दोनों तरह के कार्यो का संचालन करता था।

49. पद, वेतन एवं सैन्य उत्तरदायित्व निर्धारित करने के लिए, मुगलों द्वारा प्रयोग में लाई गई श्रेणीक्रम व्यवस्था कहलाती थी-

(a) मनसबदारी व्यवस्था (b) इक्तादारी व्यवस्था
(c) जब्त व्यवस्था (d) जागीरदारी व्यवस्था

CTET (VI-VIII) 21/12/2021

Ans. (a) : पद, वेतन एवं सैन्य उत्तरदायित्व निर्धारित करने के लिए, मुगलों द्वारा प्रयोग में लायी गयी व्यवस्था मनसबदारी व्यवस्था थी। यह व्यवस्था मूल रूप से मंगोलों की थी। मुगल काल में इसकी शुरुआत अकबर ने की थी। मनसबदारों की नियुक्ति बादशाह करता था। इक्तादारी व्यवस्था की शुरुआत सुल्तान इल्तुतमिश ने की थी। इस प्रथा को उसने 1226 ई. में शुरू किया। जब्ती व्यवस्था टोडरमल द्वारा विकसित भू-राजस्व की एक प्रणाली थी जो अकबर के शासन काल में शुरू हुई। जागीरदारी व्यवस्था 13वीं शताब्दी के प्रारम्भ में शुरू हुई।

50. कथन A और B पर विचार करें तथा सही उत्तर का चयन कीजिए।

कथन (A) : शराब बनाने वाले, नाई और बावर्ची को ऊंचे प्रशासनिक पदों पर बैठाने के लिए, मुहम्मद तुगलक की आलोचना हुई।

कथन (B) : यह उस समय में प्रचलित सामाजिक-आर्थिक रूढ़िबद्ध धारणा को दर्शाता है।

(a) A और B दोनों गलत हैं।
(b) A और B दोनों सही है परंतु B सही अनुमान नहीं है A का।
(c) A सही हैं परंतु B गलत है तो B सही अनुमान नहीं है A का।
(d) A और B दोनों सही हैं तथा B सही अनुमान है A का।

CTET (VI-VIII) 21/12/2021

Ans. (d) : कथन A और B दोनों सही है तथा कथन B, कथन A का सही अनुमान है। मुहम्मद तुगलक 1325 में दिल्ली का सुल्तान बना था। उसने उच्च शिक्षा प्राप्त की थी। वह विद्वानों का यथोचित सम्मान करता था। वह पढ़ा लिखा भी था। यही कारण है कि वह शराब बनाने वाले, नाई और बावर्ची को ऊँचें प्रशासनिक पदों पर बैठाया था परन्तु उसके इस कृत्य की तत्कालीन समय में आलोचना हुई। इस प्रकार स्पष्ट है कि तत्कालीन समाज सामाजिक और आर्थिक ढंग से रूढ़िबद्ध था।

मुहम्मद तुगलक ने कृषि के लिए 'अमीर-ए-कोही' नामक पद सृजित किया। 1326-27 में राजधानी परिवर्तन किया। उसने 1329-30 ई. में ताँबे की सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन किया।

51. निम्नलिखित दो कथनों को पढ़ें और उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

कथन (A) : पितरा दूरा उत्कीर्णित संगमरमर अथवा बलुआ पत्थर पर रंगीन पत्थरों को दबाकर बनाए गए।

कथन (B) : शाहजहाँ ने इनका प्रयोग लाल किले में राजकीय न्याय और शाही दरबार के अंतः संबंध पर बल देने के लिए किया।

(a) A सही है, B गलत है। (b) A और B दोनों गलत हैं।
(c) A गलत है, B सही है। (d) A और B दोनों सही हैं।

CTET (VI-VIII) 21/12/2021

Ans. (d) : पितरा दूरा उत्कीर्णित संगमरमर अथवा बलुआ पत्थर पर रंगीन पत्थरों को दबाकर बनाए गये। कथन सही है। शाहजहाँ के सिहासन के पीछे पितरा दूरा के जड़ाऊ काम की एक शृंखला बनाई गयी थी। पितरा दूरा एक सजावटी कला है। इसका प्रथम प्रयोग रोम में 1500 ई. के आस-पास दिखाई दिया था। शनैःशनैः यह कला मुगल दरबार में भी पहुँची जिसका सबसे उत्कृष्ट उदाहरण ताजमहल में मिलता है। शाहजहाँ ने इस कला का प्रयोग लाल किले में राजकीय न्याय और शाही दरबार के अन्तः सम्बन्ध पर बल देने के लिए किया था। कथन भी B सत्य है।

52. उपयुक्त विकल्प का चयन करते हुए निम्नलिखित का सुमेल कीजिए।

	कॉलम (क)		कॉलम (ख)
a)	सैनिक वेतनाधिकारी	i)	कोतवाल
b)	धार्मिक प्रश्रम के प्रशासनिक	ii)	फौजदार
c)	सेना नायक	iii)	बक्शी
d)	नगर	iv)	सदर

(a) a-iv, b-ii, c-iii, d-i (b) a-iii, b-iv, c-ii, d-i
(c) a-ii, b-iv, c-iii, d-i (d) a-iv, b-iii, c-ii, d-i

CTET (VI-VIII) 21/12/2021

Ans. (b) :
A. सैनिक वेतनाधिकारी - (iii) बक्शी
B. धार्मिक प्रश्रम के प्रशासनिक - (iv) सदर
C. सेनानायक - (ii) फौजदार
D. नगर - (i) कोतवाल